रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:107 बुधवार,24 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख मतदाताओं के नाम कटे

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के बाद मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। सूची में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। राज्य भर में कुल 27 लाख 34 हजार 817 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल एक करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 मतदाताओं ने अपने गणना पत्रक जमा किए हैं। 27 लाख 34 हजार 817 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें 6 लाख 42 हजार 234 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। स्थानांतरित एवं अनुपस्थित में 19 लाख 13 हजार 540 मतदाताओं के नाम हैं। करीब 1.79 लाख नाम 'दोहरी प्रविष्टि' की वजह से हटाए गए हैं। इसके अलावा, पिछली एसआईआर में जिन मतदाताओं के नाम शामिल नहीं थे या जो बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को आवश्यक दस्तावेज नहीं सौंप पाए थे, उनके नाम भी नए ड्राफ्ट में अलग से उल्लेख किए गए हैं।

श्रीलंका को 45 करोड़ डॉलर का भारत देगापुनर्निर्माण पैकेज

एजेंसी

कोलम्बा : भारत ने चक्रवात दितवाह से हुई तबाही से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए 45 करोड़ डॉलर के राहत एवं पुनर्निर्माण पैकेज की घोषणा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह जानकारी मंगलवार को दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में कोलंबो पहुंचे डॉ जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमारा दिसानायके को प्रधानमंत्री का पत्र सौंपा, जिसमें इस सहायता का विवरण दिया गया है। इस पैकेज में 35 करोड़ डॉलर की रियायती ऋण सहायता और 10 करोड़ डॉलर की अनुदान राशि शामिल है। विदेश मंत्री ने श्रीलंका के विदेश मामलों के मंत्री विजिता हेराथ के साथ भी बैठक की, जिसमें सहायता को शीघ्रता से पहुंचाने और देश की पुनर्निर्माण प्राथमिकताओं पर चर्चा भी की गयी।

वीएचपी का बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के विरोध में प्रदर्शन आज

हैदराबाद : विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने सोमवार को बंगलादेश में हिंदुओं की क्रूर हत्याओं और हिंदू समाज के खिलाफ सुनियोजित हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने मंगलवार को पूरे देश के हर जिले में राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान किया। मीडिया को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या करना और उन्हें जिंदा जला देना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

विदेश मंत्री ने श्रीलंका के विदेश मामलों के मंत्री विजिता हेराथ के साथ भी बैठक की, जिसमें सहायता को शीघ्रता से पहुंचाने और देश की पुनर्निर्माण प्राथमिकताओं पर चर्चा भी की गयी।

ऐतिहासिक कदम : हेमंत सोरेन कैबिनेट ने पेसा सहित 39 प्रस्तावों की दी मंजूरी

पेसा कानून को मिली स्वीकृति, 15 जिलों में होगा लागू

संवाददाता

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य में 'पेसा कानून' को लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'पेसा नियमावली' को औपचारिक मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बैठक के बाद जानकारी दी कि इस कानून के लागू होने से ग्राम सभाएं अब पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली होंगी। नए नियमों के तहत ग्राम पंचायतों को अपने क्षेत्र में खनन अधिकार, भूमि अधिग्रहण और वन भूमि से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा। पेसा (पंचायत उपबंध - अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) कानून के माध्यम से अब पंचायतों को जमीन और खनिजों पर अधिक नियंत्रण मिलेगा। ग्राम सभा अपने क्षेत्र में खनन कार्यों पर नियंत्रण के अलावा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएगी। इसके अलावा वन भूमि के प्रबंधन और उससे जुड़े अहम निर्णय में भी ग्राम सभा को

कई महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे। लंबे समय से आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वशासन को मजबूत करने की मांग के बीच सरकार का यह फैसला ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। पेसा कानून लागू होने से अब ग्राम सभाओं को अधिक अधिकार मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर फैसलों में भागीदारी मजबूत होगी। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार जनता की जरूरतों और भावनाओं केअनुरूप लगातार फैसले ले रही है।पेसा कानून को प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों से विस्तृत सुझाव लिए गए हैं।

अधिसूचना जारी होते ही लागू होगा एक्ट

ग्राम सभा की भूमिका होगी। पारंपरिक ग्राम सभाओं को अधिकार दिया गया है। सभी ग्राम सभा अपने परंपरा को नोटिफाई करेगी। अधिसूचना जारी होते ही एक्ट लागू होगा। राज्य के अनुसूचित क्षेत्र में पेसा एक्ट लागू होगा। इसके दायरे में 15 जिले होंगे।

स्टेट कैबिनेट की हुई बैठक, 39 प्रस्तावों को दी गई हरी झंडी

पेसा नियमावली को सरकार ने दी मंजूरी, ग्रामसभा को मिलेगा अधिकार

राज्य की योजनाओं में ग्रामसभा की भूमिका होगी सशक्त, लघु वन उत्पाद पर भी नियंत्रण

संवाददाता

मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में 39 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लंबे समय से लंबित पेसा (पंचायती राज विस्तार अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम, 1996) नियमावली को स्वीकृति प्रदान की गई। इस फैसले से झारखंड के अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को जल, जंगल, जमीन और अन्य संसाधनों पर मजबूत अधिकार मिलने का रास्ता साफ हो गया है। पेसा नियमावली के लागू होने से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्थानीय ग्रामसभा की भूमिका सशक्त होगी। जल, जंगल और जमीन से जुड़े मामलों में निर्णय लेने का अधिकार ग्राम सभाओं को मिलेगा, जिससे विकास योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक लोकतांत्रिक और पारदर्शी बनेगा। बैठक में पारित अन्य 38 प्रस्तावों में प्रशासनिक सुधार, विभिन्न विभागों की नीतियां, जनकल्याणकारी योजनाएं और बुनियादी ढांचे सेजुड़े मुद्दे शामिल हैं।कैबिनेट में या फैसला किया है कि अब जेएसएससी द्वारा ली जाने वाली मैट्रिक और इंटरमीडिएट स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाएं दो फेज में होंगी।

- पहले से अधिक लोकतांत्रिक और पारदर्शी बनेगा विकास योजनाओं काक्रियान्वयन
- दो चरणों में होंगी मैट्रिक और इंटरमीडिएट लेवल की प्रतियोगी परीक्षाएं
- 50 हजार से कम आवेदन रहने पर नहीं होगी पीटी की परीक्षा

वेतनमान व ग्रेड पे में संशोधन को स्वीकृति

कैबिनेट में या फैसला किया है कि अब जेएसएससी द्वारा ली जाने वाली मैट्रिक और इंटरमीडिएट स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाएं दो फेज में होंगी। पहले परीक्षा के लिए एक फेज का प्रावधान था। नए नियम के अनुसार, अब परीक्षा दो फेज में ली जाएगी। मुख्य परीक्षा में 50 हजार से कम आवेदन रहने पर पीटी की परीक्षा नहीं होगी। वहीं, सरकारी सेवाओं के राजपत्रित और अराजपत्रित पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए उम्र सीमा तय कर दी गई है। अब अगले पांच सालों के नियुक्तियों में उम्र सीमा 31 दिसंबर 2030 होगी। झारखंड अग्निशमनसेवा के अराजपत्रित पदों का छठा वेतन पुनरीक्षण के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत वेतनमान एवं ग्रेड पे में संशोधन को स्वीकृति दी गई।

डीएसपीएमयू में 38 पदों के सृजन पर लगी मुहर, 21 स्कूलों में बनेगा हॉस्टल

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची में शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई। इसके तहत 38 पद सृजित किए जाएंगे। जिस पर वार्षिक वित्तीय भार 10 करोड़ 61 लाख रुपये का होगा। वहीं, अलग से 56 मल्टी टास्क स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। आकांक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत शिक्षकों और समन्वयक का मानदेय राशि की वृद्धि की स्वीकृति दी गई। अब इन्हें प्रति घंटी 2100 की जगह 2700 रुपये मानदेय केरूप में मिलेगा।

लोहरदगा में सबसे कम 5.4 डिग्री तापमान दर्ज

अगले तीन दिनों में 2-3 डिग्री गिरेगा पारा, शीतलहर जारी

संवाददाता

- कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे, सुबह-शाम छाया रहा घना कोहरा
- रांची में पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री सेल्सियस रहनेकी संभावना

झारखंड में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शीतलहर और सुबह-शाम के घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने 30 दिसंबर की सुबह तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे छाए रहने की संभावना जताई है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ रहेगा। वहीं अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। लेकिन, इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को सुबह राज्य के उत्तरी हिस्सों में कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहा। बुधवार को उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा देखा जा सकता है। रांची और आसपास के इलाकों की बात करें तो मंगलवार को सुबह कोहरा रहा। बाद में आसमान साफ हो गया। लोहरदगा में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस में रिकॉर्ड किया गया।मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर पश्चिमी से उत्तर-पश्चिमी हवाएं प्रभावी हैं। साथ ही मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में पश्चिमी विक्षोभ का असर बना हुआ है, जिसका असर राज्य में देखने को मिल रहा है। इसके कारण आने वाले दिनों में भी ठंड और कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, सुबह के समय वाहन चलातेसमय सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी है।

मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में मात्स्यिकी विषयक कार्यशाला सह संगोष्ठी का आयोजन

किसानों की आय में वृद्धि ही योजना की सफलता का पैमाना : शिल्पी तिर्की

संवाददाता

रांची। किसानों और मछुआरों की आय में वास्तविक वृद्धि ही सरकार की योजनाओं की सफलता का पैमाना होगी। यह बातें राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कही। वे धुर्वा स्थित शालीमार मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में मंगलवार को आयोजित मात्स्यिकी विषयक कार्यशाला सह संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। मंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य किसानों और मछुआरों की आय में बढ़ोतरी करना है और इसी आधार पर योजनाओं का आकलन किया जाएगा। उन्होंने

जानकारी दी कि विभाग ने इस वर्ष राज्य में 260 वेद व्यास आवास योजना का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत चिन्हित लाभुकों के बीच आवास वितरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।इस अवसर पर 540 लाभुकों के बीच 964.37 लाख रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया, जिसमें पिकअप वैन, आइस बॉक्स, केज हाउस, मोटर चालित नाव, गिल नेट सहित अन्य सामग्री शामिल है। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वेद व्यास आवास योजना से मिट्टी के मकानों में रहने वाले मछुआरा परिवारों का पक्के घर का सपना पूरा होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इन आवासों की पहचान नीले रंग से की जाए, ताकि मछुआरों के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों का संदेश गांव-गांव तक पहुंचे और अन्य लोग भी मत्स्य पालन से जुड़ने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक कल्याणकारी सरकार है, जो रोजगार सृजन को प्राथमिकता दे रही है। मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश जैसे राज्योंमें भेजा जा रहा है।

चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई सुनवाई

होटवार जेल में आपराधिक क्रिया-कलापों पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से मांगा जवाब

संवाददाता

राजधानी के होटवार जेल में डांस प्रकरण और सोशल मीडिया अकाउंट से माफिया और सरगनाओं द्वारा आपराधिक क्रिया- कलापों की खबर मीडिया में आने का मामला अब झारखंड हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इसे बेहद गंभीर बताते हुए राज्य सरकार को शपथपत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इसे राज्य के लिए चिंताजनक बताया। मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 6 जनवरी 2026 को होगी।वीडियो हुआ था वायरल

गौरतलब है कि पिछले माह में

होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से जुड़ा एक वीडियो वायरल हुआ था। उसमें दो कैदियों के डांस का कथित वीडियो वायरल होने के बाद कारा महानिरीक्षक ने होटवार जेल के सहायक कारापाल जगन्नाथ राम को निलंबित कर दिया था।मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य की स्पेशल ऑक्सिलरी पुलिस फोर्स (सैप) में अनुबंध के आधार पर कार्यरत पूर्व सैनिकों के सेवा विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अनुबंध पर नियुक्त पूर्व सैनिक गवर्निंग स्कीम में तय समय सीमा के बाद नौकरी जारी रखने या नियमित सरकारी कर्मचारियों की तरह सेवानिवृत्ति आयु तक सेवा विस्तार का दावा नहीं कर सकते हैं। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन की एकल पीठ में मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि सैफ का गठन 7 जून 2008 को एक विशेष सरकारी योजना के तहत किया गया था।

एमओयू बैंक ऑफ इंडिया के साथ हेमंत सरकार का एमओयू

राज्य कर्मियों को मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा

संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में मंगलवार को राज्य सरकार तथा बैंक आफ इंडिया के बीच राज्य कर्मियों के वेतन व पेंशन खाता पैकेज को लेकर मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। इस एमओयू के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया में सैलरी अकाउंट रखने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों, अवकाश प्राप्त कर्मियों तथा अनुबंध कर्मियों को एक करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा (हवाई दुर्घटना की स्थिति में मौत होने पर दो करोड़ रुपये) सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेंगी। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के पदाधिकारियों- कर्मचारियों को बेहतर वातावरण में कार्य करने का अवसर उपलब्ध कराना व उनकी आर्थिक

योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में बैंकोंकी भूमिका अहम : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में बैठा व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक रूप से सशक्त एवं मजबूत बने, इसी सोच और परिकल्पना के साथ सरकार कार्य रही है। इस पहल में बैंकों की भूमिका अहम है। उन्हें विश्वास है कि बैंकों का पूरा सहयोग मिलेगा। वर्तमान में बैंकों के माध्यम से सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाएं आम लोगों तक पहुंच रही हैं। आने वाले दिनों में बैंकों की भूमिका और भी निर्णायक होगी।

सुरक्षा के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उनके कल्याण के लिए यह सरकार लगातार कदम उठा रही है। यह राज्य सरकार की नौकरी करने के दौरान मिलने वाले वेतन, अवकाश प्राप्ति के मिलने वाले पेंशन तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के अतिरिक्त दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में वित्तीय सहायता देने की दिशा में निर्णायक पहल है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर दुर्घटना में मृत जेबीवीएनएल के कर्मी प्रमोद लकड़ा की पत्नी मंजू लकड़ा को गवर्नमेंट सैलरी पैकेज के तहत 50 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इससे पहले, इस एमओयू पर राज्य सरकार की ओर से वित्त विभाग के विशेष सचिव संदीप सिंह एवं बैंक आफ इंडिया के रांची अंचल के उप महाप्रबंधक संजीव कुमार ने हस्ताक्षर किया। इधर समझौते के तहत हवाई दुर्घटना के लिए 2 करोड़ और सड़क दुर्घटना के लिए 1 करोड़ के दुर्घटना बीमा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, बैंक आफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक सुब्रत कुमार एवं महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गौड़ के अलावा बड़ी संख्या में पदाधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए निवेश आकर्षित करने में होगा सहायक

जीरो टैरिफ से व्यापार को मिलेगा जोरदार बूस्ट

संवाददाता

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निर्यात में विविधता लाने और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों ने यह बात कही। समझौते पर बातचीत संपन्न होने की घोषणा 22 दिसंबर को की गई। इस पर अगले साल हस्ताक्षर होने के बाद इसके लागू होने की संभावना है। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को कहा कि उन्होंने एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है जिससे भारत को द्वीप राष्ट्र के बाजारों में बिना किसी शुल्क के प्रवेश मिलेगा। साथ ही अगले 15 वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा और अगले पांच वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा

कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होने पर भारत के 100 प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसमें सभी प्रकार के उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''इससे न्यूजीलैंड के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों को खासा बढ़ावा मिलेगा।'' अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा कि न्यूजीलैंड द्वारा विशेष रूप से दुग्ध, कृषि और बुनियादी ढांचे में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता से भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा, ''कीवी, सेब और दुग्ध जैसे उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत सहयोग करने की उनकी प्रतिबद्धता भारतीय कृषि के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाएगी। न्यूजीलैंड भारत के लिए सेवाओं के निर्यात का एक बड़ा संभावित बाजार भी है।

आर एंड डी, सेल ने अभिन्न 2025 कार्यशाला का किया आयोजन, इस्पात क्षेत्र के लिए कच्चे माल के मानकीकरण पर जोर

रांची, संवाददाता ।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की आर एंड डी सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आर.डी.सी.आई.एस.), रांची ने सेल माइंस और संयंत्रों में आने वाले कच्चे माल के केमिकल विश्लेषण की टेस्टिंग प्रक्रियाओं के मानकीकरण के उदेश्य हेतु अभिन्न 2025 नाम से डेढ़ दिन की कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट , रांची में किया, जो आज संपन्न हुआ। अभिन्न 2025 आरडीसीआईएस की एक रणनीतिक पहल है, जिसे सेल के डायरेक्टर (टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स और रॉ मैटेरियल्स) श्री मनीष राज गुप्ता के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है इसका मकसद सेल संयंत्रों के प्रचालन में कच्चे माल की हैंडलिंग, टेस्टिंग और विश्लेषण में एकरूपता और मानकीकरण हासिल करना है। इस कार्यक्रम ने मौजूदा तरीकों को साझा करने, कमियों की पहचान करने और क्वालिटी एश्योरेंस को मजबूत करने के लिए सामंजस्यपूर्ण प्रक्रियाओं की दिशा में काम करने के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान किया। वर्कशॉप का उद्घाटन आर.डी.सी.आई.एस. के कार्यपालक निदेशक श्री संदीप कुमार कर ने किया, जिन्होंने मजबूत सैंपलिंग और टेस्टिंग सिस्टम के महत्व पर प्रकाश डाला और कच्चे माल की टेस्टिंग लैबोरेटरी के लिए एन.ऐ.बी.एल. मान्यता की आवश्यकता पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में आर.डी.सी.आई.एस.के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें श्री अनिल कुमार मिस्त्री, सी.जी.एम. (आयरन), श्री सी. वी. राव, सी.जी.एम. (कोल, कोक और एनर्जी, पर्यावरण), और श्री एस. श्रीकांत, सी.जी.एम. (प्रोडक्ट) की गरिमामय उपस्थिति रही। सेल माइंस और संयंत्रों के लगभग 40 प्रतिभागियों ने 17 आरडीसीआईएस अधिकारियों के साथ मिलकर तकनीकी सत्रों में प्रस्तुतियों द्वारा मानकीकरण क्षेत्र में नई दिशाओं का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यशाला का समापन सेल में परिचालन में उन्नति करने हेतु एकीकृत टेस्टिंग तरीकों के महत्व पर जोर देने को लेकर हुआ।

ऑड्रे हाउस में आयोजित दो दिवसीय जनजातीय स्वशासन महोत्सव का मंगलवार को हुआ उद्घाटन

झारखंड में पेसा कानून लागू करना सरकार की प्राथमिकता : दीपिका पांडे सिंह

ग्रामीण विकास सह पंचायती राज मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह ने किया उद्घाटन

रांची, संवाददाता ।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि झारखंड में पेसा कानून लागू करना सरकार की प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बहुत तेजी से पेसा कानून लागू करने की दिशा में प्रयासरत है ,लोगों से मिले सुझाव पर हमने विचार कर सारा मसला कैबिनेट को समर्पित कर दिया है । वे मंगलवार को ऑड्रे हाउस में आयोजित दो दिवसीय ॱनाची से बाची जनजातीय स्वशासन महोत्सव के उद्घाटन के बाद बोल रही थी । इस अवसर पर मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह ने पंचायत पत्रिका का लोकार्पण किया तथा पंचायत पोर्टल का भी उद्घाटन किया।

स्वशासन लागू कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों को पूरा करेंगे

मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ऐसा पेसा कानून पेश करेगी जिससे पूरा देश झारखंड का उदाहरण पेश कर सकेगा । उन्होंने कहा कि सुशासन सुनिश्चित होना चाहिए। ग्राम सभा को सशक्त किया जा रहा है । हम लोग किसी व्यक्ति विशेष को सुरक्षित न कर समूह को सुरक्षित करने की दिशा में प्रयासरत है ।ग्राम सभा में हर समाज के लोगों को अपनी बातें रखने का अधिकार होगा ।उन्होंने कहा की स्वशासन लागू कर हमलोग दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों को पूरा कर पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर पेसा कानून को लागू कर सुशासन को मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी है और हम जल्द ही इस मुकाम तक पहुंच जाएंगे।

निदेशक पंचायती राज श्रीमती राजेश्वरी बी ने कहा कि आज आयोजित हो रहे इस दो दिवसीय नाची से बाची जनजातीय स्वशासन महोत्सव में कई तकनीकी सत्र भी होंगे । जिसमें पेसा से संबंधित कई पहलू पर विचार किया जाएगा। इससे पूर्व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रांची के प्रोफेसर रामचंद्र उरांव ने कहा कि राज्य के अधिकतर आदिवासी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है अतः राज्य को यह प्रयास करना चाहिए ग्रामीण क्षेत्र को मजबूत करना है और उनके स्वशासन व्यवस्था के अनुरूप कानून बनाये। पद्मश्री रामदयाल मुंडा के सुपुत्र शोधार्थी गुंजन ईकिल मुंडा ने कहा कि हम आधार को भूल जाते हैं। मंडा यात्रा को देखें तो लगेगा कि वहां नाच गाना हो रहा है पर उसकी आत्मा स्वशासन है पहले व्यवस्था एक छोटा स्थान पर वहां बैठक कर लोग संवाद करते हैं बात के दौरान जो निर्णय लिया जाता है वही प्रजातंत्र है स्वशासन का आधार यही छोटी-छोटी चीज हैं उन्होंने कहा शासन एवं स्वशासन निरंतर प्रयोग में लाने की चीज इसे लिखित किताबों से तुलना नहीं किया जाता है। वरिष्ठ साहित्यकार महादेव टोप्पो ने कहा कि नाची से बाची को हम लोग कम समझ पाते हैं इसके पीछे के दर्शन को समझना होगा ,हमारे आसपास जो प्राकृतिक संसाधन है उसे देखभाल करने की आवश्यकता है आज आदिवासियों की भाषा संस्कृति को चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में हिंदू छात्र संघ का प्रदर्शन

रांची, संवाददाता ।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार को लेकर देशभर में आक्रोश देखने को मिल रहा है. इसी कड़ी में आज रांची में हिंदू छात्र संघ ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. संगठन के कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस का पुतला दहन कर अपना विरोध दिखाया. हिंदू छात्र संघ ने इस मामले को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार मानवता के खिलाफ हैं. छात्र संघ ने भारत सरकार से मांग की कि पीड़ित अल्पसंख्यकों की हरसंभव मदद की जाए. साथ ही देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्रवाई करने की भी अपील की गई. प्रदर्शन के दौरान छात्र संघ के सदस्यों ने पुतला दहन के साथ-साथ बांग्लादेश का झंडा जलाकर भी विरोध जताया. साथ ही बांग्लादेश और युनुस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. संगठन ने यह भी मांग की कि भारत द्वारा बांग्लादेश को दी जाने वाली सहायता पर पुनर्विचार किया जाए और ऐसी सहायता रोकी जाए. हिंदू छात्र संघ ने कहा कि बांग्लादेश और पाकिस्तान में इस तरह की घटनाएं बेहद चिंताजनक और दुखद हैं. इस दौरान संगठन ने देश की अन्य राजनीतिक पार्टियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब विदेशों में अन्य समुदायों के साथ घटनाएं होती हैं तो कई लोग सड़कों पर उतर आते हैं, लेकिन हिंदुओं के साथ हुई घटनाओं पर चुप्पी साध ली जाती है.

चरनी में सजी सादगी और प्रेम की कहानी, क्रिसमस बाजारों में दिखा साझा विश्वास

रांची, संवाददाता ।

क्रिसमस पर्व के आते ही बाजारों में रौनक बढ़ जाती है. इसी रौनक का सबसे प्रमुख आकर्षण होती है चरनी. यीशु मसीह के जन्म स्थल को दशार्ने वाली यह छोटी-सी झांकी न सिर्फ ईसाई समुदाय की आस्था का केंद्र है, बल्कि प्रेम, त्याग, करुणा और सादगी का सार्वभौमिक संदेश भी देती है. चरनी में बालक यीशु, माता मरियम और यूसुफ की प्रतिमाओं के साथ चरवाहे, देवदूत और पशु-पक्षियों की आकृतियां शामिल होती हैं, जो प्रभु यीशु के विनम्र जन्म की कहानी को जीवंत करती हैं.

चरनी की क्या है खासियत

आज के समय में चरनी सिर्फ एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द्र और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन चुकी है. खास बात यह है कि अब चरनी का निर्माण और बिक्री केवल ईसाई समुदाय तक सीमित नहीं रहा. अन्य समुदायों के कारीगर और दुकानदार भी पूरे मनोयोग से चरनी बना रहे हैं और बाजारों में बेच रहे हैं. उनके लिए यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि एक संदेश है प्रेम और भाईचारे का. चरनी विक्रेता बताते हैं कि प्रभु यीशु का जन्म एक साधारण गोशाला में हुआ था, जो यह सिखाता है कि ईश्वर सादगी में वास करते हैं. यही कारण है कि वे चरनी बनाते समय उसकी मूल भावना को बनाए रखने का प्रयास करते हैं. कई विक्रेता कहते हैं कि वे भले ही किसी और धर्म से हों, लेकिन यीशु मसीह के जीवन से प्रेरणा लेते हैं. विशेषकर मानवता, सेवा और त्याग के आदर्शों से.

कई तरह की चरनी बाजार में उपलब्ध

क्रिसमस बाजारों में इन दिनों एक से बढ़कर एक आकर्षक चरनी देखने को मिल रही है. मिट्टी, लकड़ी, पुआल और थमोकोल से बनी चरनियां बाजार में उपलब्ध हैं. इनकी कीमत 250 से शुरू होकर 2500 रुपए तक जाती है. लोग ऊंचे दामों पर भी इन्हें खरीदने से पीछे नहीं हट रहे, क्योंकि उनके लिए यह सिर्फ सजावट का सामान नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है. घरों, चर्च और सार्वजनिक स्थलों पर चरनी सजाकर लोग प्रभु यीशु के आगमन की तैयारी कर रहे हैं. इस पर्व को लेकर अन्य समुदाय के चरनी विक्रेता भी यही संदेश दे रहे हैं कि क्रिसमस केवल एक धर्म का त्योहार नहीं, बल्कि मानवता का उत्सव है. वे कहते हैं कि जब लोग चरनी खरीदते हैं तो वे सिर्फ एक मूर्ति नहीं ले जाते, बल्कि प्रेम, शांति और आपसी भाईचारे का संदेश अपने घर ले जाते हैं. यही कारण है कि आज चरनी धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सामाजिक एकता की मजबूत कड़ी बन चुकी है.

रांची में जनता दरबार से सैकड़ों समस्याओं का तुरंत हुआ समाधान

रांची, संवाददाता ।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर मंगलवार को रांची जिले के सभी अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है. आज भी इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया. जनता दरबार में जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, पंजी-2 सुधार, लगान रसीद, पेंशन, मुआवजा और अन्य राजस्व से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया.

जनता दरबार के दौरान राज्य सरकार की आपदा राहत नीति के तहत वज्रपात, डूबने और सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को तय मुआवजा राशि दी गई, जिससे पीड़ित परिवारों को तुरंत राहत मिली. अंचल अधिकारियों ने बताया कि जनता दरबार का मकसद लोगों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से बचाना है और उनकी समस्याओं का समाधान एक ही जगह पर करना है. जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे हर मंगलवार को अपने अंचल में लगने वाले जनता दरबार में आकर इस सुविधा का लाभ उठाएं.

अंचलवार निपटाए गए मामलों की संख्या इस प्रकार रही

- अनगड़ाः 122 आवेदन
- राहेः 75 आवेदन
- मांडरः 32 से अधिक आवेदन
- चान्होः 131 आवेदन (110 जाति प्रमाण पत्र जारी)
- सिल्लीः 85 आवेदन, साथ ही दुर्घटना और डूबने से मृतकों के परिजनों को मुआवजा
- नगड़ीः 137 आवेदन
- नामकुमः 181 आवेदन
- अरगोड़ाः 50 आवेदन

पेसा से जुड़ी अवमानना याचिका पर सुनवाई, सरकार ने की समय की मांग, अगली तारीख तय

रांची, संवाददाता ।

पेसा नियमावली से जुड़ी अवमानना याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ में सुनवाई हुई. झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि सुनवाई के दौरान पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार सशरीर उपस्थित रहे. सचिव की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पेसा नियमावली का प्रारूप तैयार हो चुका है. मसौदे को कैबिनेट के समक्ष भेज दिया गया है. इसको कभी भी कैबिनेट में पेश किया जा सकता है. सरकार की ओर से दलील पेश करने के बाद समय की मांग की गई. खंडपीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 13 जनवरी 2026 निर्धारित की है. दरअसल, 18 दिसंबर को पिछली सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने नियमावली लागू नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई थी. अदालत ने पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार को 23 दिसंबर को तय सुनवाई के दौरान टाइम फ्रेम करने को कहा था. तब सरकार की ओर से बताया गया था कि मामला कैबिनेट को भेजा जा चुका है. याचिकाकर्ता की ओर से अभिषेक रॉय, दलील पेश की.

बालू और लघु खनिज के आवंटन पर रोक जारी

बता दें कि पेसा नियमावली लागू नहीं होने पर आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से अवमानना याचिका दायर की गई है. खंडपीठ ने 9 सितंबर को राज्य में बालू और लघु खनिज के आवंटन पर रोक लगा दिया था. राज्य सरकार की ओर से 4 दिसंबर को रोक को हटाने का दोबारा आग्रह किया गया था लेकिन खंडपीठ ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था. पूर्व की सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने विभागीय सचिव से पूछा था कि जनहित याचिका में आदेश पारित हुए 13 माह से अधिक समय बीतने के बाद भी अब तक पेसा नियमावली लागू क्यों नहीं की गयी है.

रांची नगर निगम के मजदूरों के लिए खुशखबरी, बोनस भुगतान पर हुआ त्रिपक्षीय समझौता

रांची, संवाददाता ।

उप श्रमायुक्त अविनाश कृष्ण की उपस्थिति में मंगलवार को रांची नगर निगम के मजदूरों के बोनस भुगतान के लिए त्रिपक्षीय समझौता हुआ है. इस समझौते को मजदूरों के हित में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि इसके तहत पहली बार नगर निगम के मजदूरों को बोनस का लाभ मिलेगा. समझौता पत्र पर मजदूरों की ओर से झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन रांची के अध्यक्ष और प्राधिकृत प्रतिनिधि भवन सिंह और झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन रांची के सचिव सुखनाथ लोहरा ने हस्ताक्षर किए हैं. वहीं, नियोक्ता पक्ष की ओर से मेसर्स स्वच्छता कॉरपोरेशन, बेंगलुरु के राजशेखर रेड्डी, महाप्रबंधक एवं जी. गांधी, प्रोजेक्ट मैनेजर ने समझौते पर हस्ताक्षर किए. उप श्रमायुक्त ने त्रिपक्षीय समझौता संपन्न होने के बाद इसकी प्रति दोनों पक्षों को सौंप दी. समझौते के अनुसार वर्ष 2024-25 के लिए बोनस भुगतान की व्यवस्था की गई है. दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में कार्यरत मजदूरों को 2000 रुपये प्रति कामगार की दर से बोनस दिया जाएगा. जिसका भुगतान दो किस्तों में किया जाएगा. यह राशि क्रमशः दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के वेतन के साथ मजदूरों को मिलेगी. वहीं, फरवरी और मार्च 2025 में कार्यरत मजदूरों को 1000 रुपये बोनस का भुगतान दिसंबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा. इस मौके पर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि यूनियन के निरंतर प्रयास और संघर्ष के कारण रांची नगर निगम के मजदूरों को पहली बार बोनस भुगतान का अधिकार मिला है. उन्होंने इसे मजदूर एकता की जीत बताते हुए कहा कि आगे भी मजदूरों के अन्य अधिकारों के लिए यूनियन संघर्ष जारी रखेगा.

होटवार जेल में नाच और आपराधिक क्रियाकलाप पर झारखंड हाईकोर्ट गंभीर, राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

होटवार जेल में नाच प्रकरण और सोशल मीडिया अकाउंट से माफिया और सरगनाओं द्वारा आपराधिक क्रियाकलापों की खबर मीडिया में आने का मामला अब हाईकोर्ट में पहुंच गया है. झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इसे बेहद गंभीर बताते हुए राज्य सरकार को शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है.

हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की

अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि खंडपीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए सख्त मौखिक टिप्पणी की है. कोर्ट ने इसे राज्य की एजेंसी के लिए शर्मनाक और चिंताजनक बताया है. मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 6 जनवरी 2026 की तारीख निर्धारित की गई है.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से वायरल हुआ था एक वीडियो

दरअसल, नवंबर माह में होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से जुड़ा एक वीडियो वायरल हुआ था. उसमें दो कैदियों के डांस का कथित वीडियो वायरल होने के बाद कारा महानिरीक्षक ने होटवार जेल के सहायक कारापाल जगन्नाथ राम को निलंबित कर दिया था. उन्होंने कथित वीडियो की सत्यता की जांच के लिए जेल निदेशक मनोज कुमार को जिम्मेदारी दी थी. वीडियो में विधु गुप्ता और विक्की भालोटिया का होना बताया जा रहा था. विधु गुप्ता, मेसर्स प्रिज्म होलोग्राफी का संचालक है, जिसे एसीबी ने शराब घोटाला केस में जुलाई महीने में जेल भेजा था.

जेल से वीडियो बनाकर व्यापारियों को धमकाने का आरोप

बता दें कि होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, पहले भी विवादों में रहा है. पूर्व में ईडी के मामले में गिरफ्तार हाई प्रोफाइल बंदियों को जेल मैनुअल का उल्लंघन कर मदद करने एवं अनुचित सुविधा देने का आरोप जेल प्रशासन पर लग चुका है. वहीं सोशल मीडिया के जरिए व्यापारियों को धमकाने के मामले में प्रिंस खान चर्चा में है, आए दिन उसके धमकी भरे पोस्ट सुर्खियों में रहते हैं. वहीं राहुल सिंह पर भी सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने के कई मामला सामने आ चुके हैं.

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का रंग-रोगन 15 जनवरी तक पूरा करने का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य भर में कार्यरत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत पंजीकृत यक्ष्मा, कुष्ठ और गैर संचारी रोगों से ग्रसित मरीजों की सूची मोबाइल नंबर के साथ अनिवार्य रूप से अपडेट करें. साथ ही मरीजों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है. उन्होंने नए मरीजों के पंजीकरण के समय मोबाइल नंबर दर्ज करने पर भी विशेष जोर दिया. मंगलवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में सीएचओ के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए अभियान निदेशक ने यह निर्देश दिए. यह प्रशिक्षण गोड्डा जिले के महगामा प्रखंड के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में कार्यरत सीएचओ के लिए आयोजित किया गया था. प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ की भूमिका, जिम्मेदारियां और एसबीसीसी तथा आईपीसी से जुड़े विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई.

अभियान निदेशक ने कहा कि एनक्वास सर्टिफिकेशन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूरी की जाएं. आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत सभी बीमार और स्वस्थ लोगों का आभा, आयुष्मान और अबुआ स्वास्थ्य कार्ड शत-प्रतिशत बनाने का निर्देश दिया गया है. इसके साथ ही 15 जनवरी तक सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का रंग-रोगन कार्य पूर्ण कराने को कहा गया. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अस्पताल रख-रखाव योजना के तहत गोड्डा जिले के महगामा प्रखंड के कुछ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तक राशि नहीं पहुंचने की सूचना मिली है. इस मामले की जांच कर फंड में देरी के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत जन आरोग्य समिति के बैंक खातों को अपडेट कराने और भेजी गई राशि का जिला स्तर पर सत्यापन कराने को कहा गया है. गोड्डा के सिविल सर्जन को एक सप्ताह के भीतर राज्य स्तर पर प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश भी दिया गया है. इधर, नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य सभागार में झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी की ओर से परामर्शदाताओं के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए परियोजना निदेशक शशि प्रकाश झा ने एचआईवी निगरानी के लिए डेटा संग्रह की नई तकनीकों और सॉफ्टवेयर के उपयोग पर बल दिया. उन्होंने कहा कि एचआईवी के प्रसार को रोकने में सटीक आंकड़े और प्रभावी रणनीति सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. कार्यक्रम में आईईसी कोषांग के नोडल पदाधिकारी डॉ. लाल मांझी, एड्स कंट्रोल सोसाइटी के सहायक निदेशक डॉ. शमी अख्तर, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के डॉ. आरके महतो, राष्ट्रीय टीम के डॉ. अभिजीत, रिम्स के डॉ. देवेश, डॉ. मिथिलेश सहित कई अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे.

मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में मात्स्यिकी विषयक कार्यशाला सह संगोष्ठी का आयोजन

राज्य में 260 वेद व्यास आवास योजना का लक्ष्य , लाभुकों के बीच वितरण शुरू

संवाददाता । रांची

किसानों की आय में बढ़ोत्तरी ही सरकार का लक्ष्य है . आय में बढ़ोत्तरी से ही सरकार की योजना का आकलन होगा .मतलब किसानों की आय में बढ़ोत्तरी ही योजना की सफलता का पैमाना होगा . ये बात राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कही है . मंत्री रांची धुर्वा स्थित शालीमार मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में मात्स्यिकी विषयक कार्यशाला सह संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थी . विभाग ने इस बार राज्य में 260 वेद व्यास आवास योजना का लक्ष्य निर्धारित किया है . चिन्हित लाभुकों के बीच योजना का वितरण शुरू कर दिया गया है . इतना ही नहीं इस मौके पर 540 लाभुकों के बीच 964 . 37 लाख रुपए की परिसंपत्ति का वितरण किया गया . जिसमें पिकअप वैन , आइस बॉक्स, केज हाउस, मोटर चलित नाव , गिल नेट सहित अन्य योजनाएं शामिल है मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर कहा कि राज्य के मछुआरों को वेद व्यास आवास दिया जा रहा है . इससे मिट्टी के मकान में रहने वाले परिवार का पक्के मकान में रहने का सपना साकार होगा . उन्होंने कहा कि मछुआरों के लिए दिए जा रहे वेद व्यास आवास की पहचान नीले रंग से होनी चाहिए . ऐसा करना बेहतर होगा और एक अलग पहचान बनेगी . मछुआरों के लिए सरकार क्या कर रही है इसका संदेश गांव - गांव , घर - घर तक जाना चाहिए . यही संदेश दूसरे लोगों को मत्स्य पालन से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा . मंत्री ने कहा कि आज रोजगार को लेकर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक ललक नजर आती है . सरकार भोजन से लेकर आवास तक की योजना से रही है इसका मतलब ये नहीं की खुद के रोजगार से पैसा नहीं कमाया जाए . खास कर बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए ऐसा करना जरूरी है . उन्होंने कहा कि राज्य में गठबंधन वाली सरकार एक कल्याणकारी सरकार है , ये सरकार पूंजीपतियों की सरकार नहीं है . आज राज्य के मत्स्य पालकों को विभाग प्रदेश के अंदर ही नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश भेजकर उन्हें दूसरे प्रदेश की तकनीक का प्रशिक्षण दिलाने का काम कर रही है . मत्स्य पालन के क्षेत्र में झारखंड के अंदर असीम संभावनाएं है . फिलहाल 4 लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हो रहा है जबकि क्षमता 7 लाख मिट्रिक टन तक की है .

आर्मी पब्लिक स्कूल में वार्षिक महोत्सव का आयोजन

संवाददाता । रांची

रांचीःआर्मी पब्लिक स्कूल, रांची (जूनियर विंग) में आज वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर राम कुमार, एसएम रहे। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की थीम ह्लकैलाइडोस्कोपह्व रही, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत एवं नाट्य प्रस्तुतियों द्वारा जीवन के विविध रंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के द्वारा कक्षा टॉपर्स, खेल उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों (स्पोट्र्स अचीवर्स) तथा 100% उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अभय कुमार सिंह कार्यक्रम में उपस्थित रहे . मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर रामकुमार रट ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वार्षिक महोत्सव ने विद्यालय के शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के उत्कृष्ट समन्वय को दशार्या, जिसकी अभिभावकों एवं अतिथियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्रिटिकल मिनिरल में देश को आत्मनिर्भर बनाना है : जी किशन रेड्डी

संवाददाता । रांची

धनबाद। केंद्रीय कोयला व खान मंत्री जी किशन रेड्डी मंगलवार की शाम दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में क्रिटिकल मिनिरल्स की मांग बढ़ी है, और देश को क्रिटिकल मिनिरल्स के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनना होगा। केंद्रीय कोयला मंत्री मंगलवार शाम सबसे पहले धनबाद स्थित आईआईटी (आइएसएम) पहुंचे, जहाँ उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ क्रिटिकल मिनरल और वर्चुअल माइंस सिम्युलेटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने आईआईटी (आइएसएम) के पेनमेन ऑडिटोरियम में संस्थान के शिक्षकों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में क्रिटिकल मिनिरल्स की मांग बढ़ी है, उन्होंने कहा कि कृतिकल्स मिनरल्स हम 95 प्रतिशत तक दूसरे देशों से आयात करते हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को क्रिटिकल मिनरल्स देने वाले देशों ने इसकी पूर्ति करने से मना कर दिया है। इस लिए देश के वर्धन लेकिन इस मिनरल्स को लेकर दूसरे देशों के रुख को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री ने क्रिटिकल मिनिरल में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया है। इसके बाद वो सीधे बीसीसीएल हेडक्वार्टर कोयला भवन के लिए निकल गए, जहाँ वह बीसीसीएल अधिकारियों और जेआरडीए केसाथ समीक्षात्मक बैठक करेंगे।

वर्ग 10वीं को लेकर विद्यालय में अभिभावक शिक्षक मीटिंग का आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची। आजाद उच्च विद्यालय, रांची में अभिभावक शिक्षक मीटिंग का आयोजन विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मो. जावेद और विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुर्बान अली के गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुर्बान अली ने कहा की बोर्ड परीक्षा 2026 को लेकर बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर विद्यालय स्तर से हर यथासंभव प्रयास किया जायगा जिससे बच्चों को पाठ्यकर्म को लेकर किसी भी तरह की कोई समस्या न हो, उन्होंने यह भी बताया की गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों पर बच्चे ज्यादा ध्यान दें। साथ ही बच्चे बेहतर अंक ला पाए इसके लिए रिमीडियल क्लास की व्यवस्था करायी गयी है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चे एवम अभिभावक गण ,बाल संसद तथा रटउ के सभी सदस्यों की भागीदारी के समर्थन से विद्यालय में निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।1)वर्ग -8 और 9 वी बोर्ड परीक्षा का रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने की जानकारी देना साथ ही बच्चों को 8वीं और 9वीं बोर्ड में बेहतर अंक लाने के लिए बच्चों और अभिभावकों दोनों को प्रेरित करना

2)वर्ग-10वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर विद्यालय मे रिमीडियल क्लास उपलब्ध कराया गया है ताकि बोर्ड परीक्षा में बच्चे बेहतर अंक लाकर विदयालय का नाम रौशन कर सकें3)अभिभावक शिक्षक सहयोग का समर्थन और व्यायसायिक पाठ्यक्रम शिक्षा की जानकारी।4)रेल परीक्षाओं तथा ल्लिर्ल ३ी१ परीक्षाओं में बच्चों के बेहतर प्रदर्शन के लिए जागरूक करना, आदि। चर्चा के उपरांत इसके क्रियान्यवन के लिए रूपरेखा तैयार की गई।इस आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक रूबी सिंह, , मो.अनवर अंसारी, अतिकूर रहमान,नुजहत परवीन, राकेश रौशन और अफराज अहसन उपस्थित रहें।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

संवाददाता । रांची

रांचीः एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में दिनांक 23 दिसंबर 2025 से 24 दिसंबर 2025 तक आयोजित होने वाले दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का आज अत्यंत उत्साह के साथ शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण खेल भावना, अनुशासन और बच्चों की ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री शादान आलम, डायरेक्टर श्री कुणाल कश्यप तथा उप प्राचार्य श्री विकास भार्गव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस खेल महोत्सव को विद्यार्थियों के कक्षा के अनुसार दो वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए बिस्कुट रेस, बुक बैलेंसिंग रेस, बोतल रेस सहित अनेक रोचक एवं मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों ने इन खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे जोश, आत्मविश्वास तथा अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रथम दिन का समापन विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री शादान आलम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि

ह्लखेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि यह बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डायरेक्टर श्री कुणाल कश्यप ने अपने संबोधन में कहा–

ह्लएस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। आज के युग में शिक्षा के साथ खेलों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव है।

बलराम कृष्ण कल्याण समिति में कैलाश यादव मुख्य संरक्षक,नंदन यादव संरक्षक,बबन यादव अध्यक्ष एवं संजीत यादव सचिव मनोनीत

संवाददाताी

आज दिनांक 23/12/25, को बलराम कृष्ण कल्याण समिति यादव समाज का महत्वपूर्ण बैठक धुर्वा - सेक्टर 2 स्थित ए-ळ८स्त्री - आवास सं. 119/2 मे बलराम कृष्ण कल्याण समिति के संस्थापक सदस्य सह वर्तमान केंद्रीय अध्यक्ष एवं एचईसी सेवानिवृत महाप्रबंधक अति-सम्माननीय श्री गोपाल यादव के अध्यक्षता तथा श्री चंदेश्वर प्रसाद यादव केंद्रीय सचिव के संचालन में प्रमुख साथियों की सम्पन्न हुई ! बैठक में चर्चा के दौरान उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों ने सामाजिक विकास एवं एकता और संगठन की मजबूती, वृहत रूप से केंद्रीय स्तर पर संगठन विस्तार करने तथा आगामी कार्यक्रम व रणनीति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई ! बैठक में विशेष रूप से उपस्थित राजद नेता कैलाश यादव ने कहा कि बलराम कृष्ण कल्याण समिति एक रजिस्टर्ड संस्था है इसका गठन लगभग 45 वर्षों पूर्व तत्कालीन एचईसी कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा किया गया था ! पूर्व में बलराम कृष्ण

कल्याण समिति में हजारों लोग संस्थापक सदस्य हुआ करते थे और यह संस्था एकीकृत बिहार में प्रांतीय स्तर पर कार्य करती थी ! विदित है समय दर समय पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्र राय,पूर्व केंद्रीय मंत्री शेर बिहार का दर्जा प्राप्त रामलखम सिंह यादव पूर्व केंद्रीय मंत्री/सांसद राम जयपाल सिंह यादव रामअवधेश यादव डीपी यादव सहित तमाम रणनीतिक दलों के लोग कार्यकम में शामिल होते रहे हैं !

आज पुनः बलराम कृष्ण कल्याण समिति के संस्थापक सदस्यों द्वारा लक्ष्य आधारित कमिटी का विस्तारीकरण किया गया है इसके लिए हम साधुवाद देते हैं ! संस्थापक सदस्य व पूर्व एचईसी के महाप्रबंधक गोपाल यादव ने कहा है अब हमलोग की उम्र 80 वर्ष हो चुकी है वृद्धावस्था के कारण समर्थन और मार्गदर्शन दे सकते इसमें युवा लोग सामाजिक उत्थान के लिए बढ़ चढ़ काम करे यही मेरी शुभकामना है !बैठक में तमाम सम्मानित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से विभिन्न अहम प्रस्ताव पारित किया गया ! सर्वसम्मति से 5 प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया जो इस प्रकार है.......... !

(1). कमिटी में विस्तार पदाधिकारियों की सूची

****

1. श्री कैलाश यादव - मुख्य संरक्षक
2. श्री नंदन यादव - संरक्षक

ब्रीफ न्यूज

मदरसा रहमानिया हिंदपारी में समीउल हसन (आजाद) की बरसी पर दुआ की गई

संवाददाता ।

मदरसा रहमानिया हिंदपारी में समीउल हसन (आजाद) की बरसी पर दुआ की गई। रहमानी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से रहमानी मकतब ब्रांच मदरसा रहमानिया नसरुद्दीन कॉलोनी हिंदपारी में खास दुआ की गई। इस मौके पर रहमानी ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मुहम्मद मिकाइल रहमानी ने कहा कि समीउल हसन उर्फ ??(समी आजाद) साहब ने मदरसा रहमानिया और रहमानी ट्रस्ट का काम देखकर खुशी जाहिर की। और उन्होंने मुझे मदरसे के बारे में पूरी जानकारी दी। और उन्होंने अपने ग्रुप से कहा कि अच्छा काम हो रहा है, हम सबको ऐसी संस्थाओं की मदद करनी चाहिए। और समी आजाद साहब गरीबों, यतीमों और बेसहारा लोगों का सहारा थे। आज उनकी बेटी, पत्नी और दामाद भी लोगों का भला सोचते हैं। उनकी जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। आज उनकी मौत को ठीक 1 साल हो गया है, लेकिन उनकी यादें जिंदा हैं और जिंदा रहेंगी। मेरी दुआ है कि अल्लाह तआला जन्नत-उल-फिरदौस में उनका दर्जा बढ़ाए। आमीन, हे जगत के स्वामी !

रजब के महीने को दीनि तालीमी जागरूकता अभियान के रूप में मनाएँ दीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद के सदर और महासचिव की अपील

संवाददाता ।

नई दिल्ली, 23 दिसंबर 2025ःदीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद के सदर मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी (मुहतमिम व शैखुल हदीस, दारुल उलूम देवबंद) और महासचिव मौलाना सैयद मुहम्मद सलमान मंसूरपुरी (उस्ताद, दारुल उलूम देवबंद) ने अपील की है कि रजब के महीने को ह्लदीनि तालीमी जागरूकता अभियानह्व के रूप में मनाया जाए। उल्लेखनीय है कि इस्लामी कैलेंडर के अनुसार रजब की शुरूआत 22 दिसंबर से हो चुकी है। दीनि तालीमी बोर्ड प्रत्येक वर्ष माहे रजब को दीनि तालीमी जागरूकता अभियान के रूप में मनाता है और इस वर्ष भी इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं ।अपने संयुक्त बयान में सदर और महासचिव ने कहा कि मौजूदा हालात में दीनि शिक्षा, उसका प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को मजबूती के साथ दीन से जोड़ना समय की एक अहम आवश्यकता है? इस क्रम में दीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से राज्य एवं ज़िला इकाइयों को एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें अभियान की व्यावहारिक रूपरेखा स्पष्ट की गई है? सर्कुलर में यह भी निर्देश दिया गया है कि हर मुस्लिम आबादी में दीनि तालीमी स्थिति का आकलन करने के लिए शैक्षिक सर्वे कराया जाए ।रजब के महीने को दीनि तालीमी जागरूकता अभियान के रूप में मनाएँ दीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद के सदर और महासचिव की अपील नई दिल्ली, 23 दिसंबर 2025ःदीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद के सदर मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी (मुहतमिम व शैखुल हदीस, दारुल उलूम देवबंद) और महासचिव मौलाना सैयद मुहम्मद सलमान मंसूरपुरी (उस्ताद, दारुल उलूम देवबंद) ने अपील की है कि रजब के महीने को ह्लदीनि तालीमी जागरूकता अभियानह्व के रूप में मनाया जाए। उल्लेखनीय है कि इस्लामी कैलेंडर के अनुसार रजब की शुरूआत 22 दिसंबर से हो चुकी है। दीनि तालीमी बोर्ड प्रत्येक वर्ष माहे रजब को दीनि तालीमी जागरूकता अभियान के रूप में मनाता है और इस वर्ष भी इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं ।अपने संयुक्त बयान में सदर और महासचिव ने कहा कि मौजूदा हालात में दीनि शिक्षा, उसका प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को मजबूती के साथ दीन से जोड़ना समय की एक अहम आवश्यकता है? इस क्रम में दीनि तालीमी बोर्ड, जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से राज्य एवं ज़िला इकाइयों को एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें अभियान की व्यावहारिक रूपरेखा स्पष्ट की गई है? सर्कुलर में यह भी निर्देश दिया गया है कि हर मुस्लिम आबादी में दीनि तालीमी स्थिति का आकलन करने के लिए शैक्षिक सर्वे कराया जाए।

मेदांता हॉस्पिटल, रांची ने सांस लेने में तकलीफ और चलने-फिरने में असमर्थ नर्स को राहत दिलाई

संवाददाता ।

रांची : मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल , राँची में सांस लेने में तकलीफ, चलने-फिरने में असमर्थ एवं खांसी से परेशान रूमेटिक हार्ट डिजीज की मरीज 25 साल की नर्स को उसके हृदय के खराब माइट्रल वाल्व को बदलकर उसे राहत दिलाई गई ।ऑपरेशन से पहले जांच-पड़ताल के दौरान उसकी हालत काफी बिगड़ गयी थी। हार्ट फेल्योर की स्थिति आ गयी थी, बी.पी. काफी लो था, लीवर और किडनी खराब हो गई थी, फेफड़े में पानी भर गया था। तब उसे आई.सी.यू. में भर्ती कर डॉ. तापस साहू ने उसकी बीमारियों की दूर किया तब जाकर हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बाला मुरली श्रीनिवासन ने तीन घंटे तक ऑपरेशन कर उसके माइट्रल वाल्व को बदला। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है ।डॉ. श्रीनिवासन ने बताया कि मरीज का वाल्व सिकुड़ गया था, साथ ही लीक भी कर रहा था। इस कारण हृदय के चेम्बरों पर काफी दबाव था जिससे फेफड़े में पानी भर गया था। लीवर और किडनी ने काम करना बंद कर दिया था। उसे वेंटीलेटर पर रखने की नौबत आ गयी थी, पर डॉ. साहू और क्रिटिकल केयर टीम ने काफी मेहनत कर उसे ऑपरेशन करने लायक स्थिति में ला दिया। ऑपरेशन से पहले भी उसका बी.पी. लो था तब उसे दवा देकर बढ़ाया गया। यह सब स्थिति देखकर मरीज घबरा गई थी। उन्होंने कहा कि वाल्व के खराब होने तथा लीक करने से फेफड़े में पानी भर गया था जिससे उसका लीवर और किडनी ने काम करना बंद कर दिया था। आई.सी.यू. में उसके फेफड़ों से पानी हटाया गया तब जाकर लीवर तथा किडनी ने काम करना शुरू किया। अब वह बिल्कुल फिट है और अपना सारा काम खुद कर रही है ।हॉस्पिटल के डायरेक्टर श्री विश्वजीत कुमार ने कहा कि हमारे हॉस्पिटल में अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हैं। कोई विशेष मरीज मिलने पर डॉक्टरों की टीम इस पर विचार-विमर्श करती है। हृदय रोग के डाक्टर तब तक ऑपरेशन नहीं कर पाते हैं जब तक कि मरीज के अन्य अंग सुचारू ढंग से काम नहीं करेंगे। इसलिए मरीज की स्थिति को देखते हुए उसे आई.सी.यू. के डॉक्टर ने उसके अंगों को काम करने लायक बनाया। वाल्व की खराबी के चलते उसके अंगों ने अस्थायी रूप से काम करना बंद दिया था। उन्होंने कहा कि यहां पर अत्याधुनिक जांच मशीनें, उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसलिए डॉक्टरों को ऑपरेशन या इलाज करने में सहूलियत मिलती है।

बांग्लादेश के हिंदुओं पर अत्याचार बंद नहीं हुआ तो बजरंग दल कट्टरपंथियों का करेगा इलाज : महेंद्र ठाकुर

रामगढ़, संवाददाता

बंगलादेश में जिहादी हिंसा और प्रशासनिक निष्क्रियता, हिंदू विरोधी हिंसा पर रोक लगाने और अल्पसंख्यक हिंदू दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या कर पेड़ से लटका कर जिंदा जलाने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही कर उन्हें सजा देने और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए भय और शोषणमुक्त वातावरण बनाने की मांग को लेकर मंगलवार को विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल गोला प्रखंड के द्वारा बंगलादेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकताओं ने गोला के डाक बंगला से पैदल विरोध प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद युनुस का पुतला घसीटते हुए बंगलादेश सरकार के खिलाफ बंगलादेश मुदार्बाद, मुहम्मद युनुस मुदार्बाद सहित अन्य नारेबाजी कर गोला डीवीसी चौक पहुंचे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू परिषद के रामगढ़ जिला सह मंत्री भागीरथी पोद्दार और बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर उपस्थित हुए। इस दौरान सह मंत्री भागीरथी पोद्दार ने कहा कि बांग्लादेश में सता परिवर्तन के बाद इस्लामी जिहादी गतिविधियां निरंतर बढ़ती जा रहीं हैं और उनके निशाने पर हिंदुओं के मंदिर, व्यावसायिक केंद्र, महिलाएं, संपत्ति, शासकीय कर्मचारी, पत्रकार ही रहते हैं। भालुका में ऐसी घटना हुई है जिसने पूरी मानवता को लज्जित किया है। एक सामान्य हिंदू श्रमिक दीपू दास ईशनिंदा का झूंठा आरोप लगाया गया। एक अनौपचारिक बातचीत में दीपू दास ने ईश्वर के एक होने और उसके विभिन्न नाम होने की बात कही, जिसमें कुरान, इस्लाम या अल्लाह का कोई संदर्भ नहीं था। इसे मनमाने ढंग से ईशनिंदा का रूप देकर उसे प्रताड़ित किया गया । जिहादी तत्व यहीं नहीं रुके और एक बड़ी भीड़ ने पीट पीट कर उसकी नृशंस हत्या कर दी। आतंक फैलाने के लक्ष्य से दीपू की मृत देह को पेड़ से लटका कर जलाया और इन सब हिंसक बर्बर घटनाओं के विडियो सोशल मीडिया में तत्काल प्रसारित किए गए। यह सारा घटनाक्रम पुलिस प्रशासन की आंखों के सामने हुआ और उन्होंने इसे रोकने की कोई चेष्टा नहीं की। वहीं बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश का पूरा प्रशासन और समाज हिंसक और बर्बर इस्लामी जिहादी तत्वों के हिंदू विरोधी नंगे नाच पर मौन साधे हुए है और निष्क्रियता से उन्हें प्रोत्साहित ही कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों के मानवीय अधिकारों का ऐसा खुला हनन किसी भी सभ्य समाज में मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध है। आगे उन्होंने बंगलादेश के कट्टरपंथियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अल्पसंख्यक हिन्दूओं पर अत्याचार बंद नहीं हुआ तो बजरंग दल के बजरंगी बंगलादेश सरकार, कट्टरपंथियों का बंगलादेश जाकर इलाज करने का काम करेगा। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड मंत्री अभिषेक खत्री, सह मंत्री शिवा प्रजापति, बजरंग दल प्रखंड संयोजक रामा करमाली, सह संयोजक अनिकेत कुमार, गौरक्षा प्रमुख आशिष शर्मा, रंजित साव, प्रेम प्रजापति, गौतम मिश्रा, सनी महतो,प्रेम चौधरी, प्रितम रजक,विक्की स्वर्णकार,सिकन्दर महतो, नैतिक पोद्दार, कृष्णा कुमार महतो, प्रकाश कश्यप, आकाश कुमार, पप्पू ठाकुर, मनीष कुमार, कुंदन रजक, संटु पोद्दार, मुकुल चंद्र पोद्दार, रोशन सिंह, राजेश महतो, आशुतोष पांडेय, सोनू प्रजापति, शिवम शर्मा, राहुल त्रिपाठी, रिक्की पांडेय, अमित दे, भोला पोद्दार, शोमू पोद्दार सहित सैकड़ों युवा शामिल थे।

सांसद, विधायक एवं सीएसआर मद से संचालित योजनाओं की उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा

रामगढ़, संवाददाता

सांसद मद, विधायक मद एवं सीएसआर मद से संचालित योजनाओं के तहत मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित ब्लॉक बी के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने अलग-अलग वित्तीय वर्ष में सांसद, विधायक एवं सीएसआर मद के तहत ली गई योजना एवं उनके वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। मौके पर उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने एवं किसी भी परिस्थिति में योजनाओं का दोहरीकरण नहीं होने देने का निर्देश दिया। सीएसआर मद से संचालित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने रामगढ़ जिला अंतर्गत सीएसआर एजेंसियों द्वारा चल रही परियोजनाओं के तहत किए गए कार्यों की जानकारी ली। कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक मद अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त में सभी कार्यकारी एजेंसियों को डीसी विपत्र जल्द से जल्द समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सांसद एवं विधायक मद से संचालित योजनाओं की प्रखंडवार प्रखंड विकास पदाधिकारियों से जानकारी ली। मौके पर उन्होंने ने योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओ, प्रखंड विकास पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

डोम गढ़ बचाओ मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना जारी

धनबाद, संवाददाता

एफसीआईएल प्रबंधन द्वारा डोमगढ़ में रह रहे लोगों को हटाकर सेल को वह भी डंप के लिए जमीन देने की योजना के विरोध में चल रहा डोमगढ़ बचाओ मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार तीसरे दिन भी पूरी दृढ़ता के साथ जारी रहा है डोमगढ वासी घटना स्थल पर डटे रहे कांग्रेस नेता दिलीप मिश्रा ने धरना स्थल पर लोगों का उत्साह बढ़ाया कहा डोमगढ़ को हर हाल में बचाना है यह हजारों परिवार की आजीविका और घर का सवाल है श्री मिश्रा ने आगे बताया कि कल डोमगढ़ बचाओ मोर्चा का वीरतारिकरण किया जाएगा। जिससे आंदोलन को और अधिक समर्थन व ताकत मिलेगी धरने में मोर्चा के प्रमुख नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे जिसमें बीरबल दुबे, दिनेश सिंह, विशाल सिंह, परशुराम, स हुसैन, गणेश पासवान , नीरज, टिंकू सिंह, सरोज ठाकुर, संतोष शाह ,लालू, चंद्रमा तिवारी, वकील देवताती, कमलदेव सिंह, नसरुद्दीन खान, सत्येंद्र सिंह, राजू सिंह, चंद्रमा तिवारी, महेश गोस्वामी, सुडु आलम, अनिल साव सहित कई अन्य शामिल थे।

राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय पांकी में विशेष PTM, अभिभावक-विद्यालय समन्वय पर जोर

पलामू, संवाददाता

पलामू पांकी प्रखंड के राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय, पांकी में विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, शिक्षा विभाग के प्रखंड एवं जिला स्तरीय अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा के साथ विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से आगंतुक अतिथियों का पुष्पगुच्छ व माला देकर स्वागत किया गया। बैठक के दौरान अभिभावकों के साथ नामांकन, छात्रों की नियमित उपस्थिति, विद्यालय का अनुशासित व शैक्षणिक वातावरण, पीएम-पोषण योजना के क्रियान्वयन, तथा आगामी परीक्षाओं की तैयारी जैसे अहम विषयों पर शिक्षकों ने विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता, समय प्रबंधन और घर से मिलने वाले सहयोग की महत्ता को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी के. के. चांद ने कहा कि अभिभावकों की भागीदारी जितनी अधिक होगी, शैक्षणिक परिणाम उतने ही बेहतर होंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे इस तरह की बैठकों को गंभीरता से लें और बच्चों के भविष्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पंकज बच्चन ने कहा कि अभिभावक ही शिक्षक और विद्यार्थी के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी विद्यालयों में सक्षम और अनुभवी शिक्षक कार्यरत हैं। अभिभावकों के सहयोग से यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण तैयार किया जा सकता है, जिससे विद्यार्थी उच्च लक्ष्य हासिल कर सकें। सीआरपी ओंकार पाठक ने विद्यालय प्रबंधन को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं मुखिया प्रेम प्रसाद ने विद्यालय के विकास और छात्रहित में हरसंभव सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न गतिविधियों और शैक्षणिक क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में प्रधानाध्यापक कुलेश्वर राम सहित शिक्षक ओम प्रकाश पाठक, अमरेश कुमार, अनु कुमारी, नीलम कुमारी, शंभू प्रसाद व वीरेंद्र प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही। बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति ने बैठक को सफल और उद्देश्यपूर्ण बनाया।

काराखूट पंचायत में मुखिया अनीता देवी ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

कोडरमा, संवाददाता

जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत काराखूंट पंचायत में बढ़ती ठंड को देखते हुए गरीब एवं असहाय लोगों के बीच मुखिया अनीता देवी ने कंबलों का वितरण किया। वहीं इस दौरान मुखिया अनीता देवी एवं उनके प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव ने कहा की पंचायत के गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच ठंड को देखते हुए कंबल वितरण किया गया।आगे भी शेष बचे पंचायत क्षेत्र में गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल बांटा जाएगा और लगातार हम लोग गरीबों के बीच वार्ड क्षेत्र में भी जाकर कंबल बाटकर उनकी सेवा कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। गरीबों का सेवा से उनके चेहरे पर मुस्कान हम लोग ला सके। मौके पर पंचायत सचिव पूनम कुमारी, वार्ड सदस्य वीरेंद्र कुमार, राजू कुमार, अनीता देवी, राजू यादव, बालेश्वर यादव, पिन्टू यादव, वीएलई जितेन्द. कुमार, पंचायत सहायक वीरेंद्र कुमार, महेंद्र मुरारी पाण्डेय, रोजगार सेवक सतेंद्र कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबर

बिश्रामपुर सीएचसी में मोतियाबिंद शिविर का आयोजन, 54 मरीजों का का हुआ सफल ऑपरेशन

विश्रामपुर (पलामू) : बिश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को मोतियाबिंद ऑपरेशन व लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया .शिविर में 54 नेत्र रोगियों को सफल ऑपरेशन किया गया .इससे पहले शिविर का उद्घाटन बीडीओ राजीव कुमार सिंह व चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया .डॉ राजेन्द्र कुमार ने बताया कि ऑपरेशन के बाद रोगियों को मुफ्त चश्मा व दवा दिया जा रहा है .इसके अलावा मरीजों के रहने और खाने का भी पूरा प्रबंध किया गया है .उन्होंने कहा कि नेत्र रोगियों के लिये जल्द ही एक और शिविर लगाया जायेगा .मरीजों का सफल ऑपरेशन नेत्र रोग सर्जन डॉ अंजय कुमार,डॉ राजेन्द्र कुमार,नेत्र रोग पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार,चंदन कुमार ने किया .मौके पर कई लोग मौजूद थे.

निर्वतमान पार्षद ने कार्यपालक पदाधिकारी को दिया ज्ञापन, वार्ड 16 में पीसीसी पथ व नली निर्माण की मांग

विश्रामपुर (पलामू) : निवर्तमान वार्ड पार्षद पूनम देवी ने मंगलवार को विश्रामपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी जयपाल सिंह को एक ज्ञापन सौंपा .ज्ञापन के माध्यम से वार्ड 16 में सात पीसीसी पथ व आरसीसी नाली निर्माण कराने की मांग की गयी है. साथ ही उन्होंने नप क्षेत्र में ठंड को देखते हुये कंबल वितरण की भी मांग की है. कार्यपालक पदाधिकारी जयपाल सिंह ने पूनम देवी को आश्वस्त किया कि सभी मांग जायज है .इसलिए उसे पूरा करने का प्रयास किया जायेगा .मौके पर सिटी मिशन मैनेजर जितेंद्र सिंह,नगर प्रबंधक प्रभात कुमार,समाजसेवी विजय कुमार रवि भी मौजूद थे.

राशन दुकान की आड़ में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 3.270 किलो गांजा बरामद

हुसैनाबाद/पलामू : जिला के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकही में पुलिस ने राशन दुकान की आड़ में चल रहे गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने दुकान से 3.270 किलो गांजा बरामद किया। इस कार्रवाई में दुकानदार गुड्डु कुमार (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। मामले में हैदरनगर थाना कांड संख्या 92/25 (दिनांक 21.12.25) के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी की कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक (परि०) राजीव रंजन के नेतृत्व में की गई।

उपायुक्त ने जनसुनवाई में आमजनों की सुनी समस्याएं, समयबद्ध समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कोडरमा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। इस दौरान नागरिकों द्वारा दाखिल-खारिज स्वीकृति एवं लगान रसीद निर्गत करने, आवास योजना की किस्त जारी करने, भूमि को गलत तरीके से बेचने एवं हड़पने, सामग्री के लंबित भुगतान, गैरमजरूआ भूमि पर अवैध कब्जा सहित अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं एवं मांगपत्रों को प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त ने सभी नागरिकों की समस्याओं को क्रमवार सुनते हुए प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को अग्रसारित किया तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान भी किया गया। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायत निवारण दिवस में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही विभागीय समीक्षा बैठकों के क्रम में जन शिकायतों से संबंधित आवेदनों की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

आर्म्स एक्ट व मारपीट के मामले में चार सीटेड अपराधी गिरफ्तार

बोकारो, संवाददाता

आर्म्स एक्ट और मारपीट के मामलों में शामिल चार सीटेड अपराधी अमन यादव को बीएस सिटी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसकी जानकारी डीएसपी सिटी आलोक रंजन ने दी। डीएसपी ने बताया कि अमन यादव के खिलाफ बोकारो शहरी क्षेत्र के विभिन्न थानों में कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट और मारपीट से संबंधित मामले शामिल हैं। वह एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश पुलिस कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अमन यादव पटना खटाल का रहने वाला है और सिटी क्षेत्र में अक्सर मारपीट की घटनाओं में संलिप्त रहता है। उसके बढ़ते आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए पुलिस द्वारा उसके विरुद्ध निगरानी प्रस्ताव (डोजियर) भी खोला जा रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जरिडीह में अवैध लकड़ी तस्करी का खुलासा, वाहन सहित तस्कर गिरफ्तार

बोकारो। सोमवार की शाम जरिडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जैना मोड़ स्थित बिजली घर के पास एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान जरिडीह थाना की पेट्रोलिंग टीम ने अवैध लकड़ी से लदे एक वाहन को पकड़ने में सफलता हासिल की। पकड़ा गया वाहन TURBO 407 था, जिसमें अवैध लकड़ी के बोटे लदे हुए थे। मौके से एक अवैध लकड़ी व्यापारी अब्दुल सत्तार अंसारी उर्फ राजू अंसारी, पिता स्वर्गीय हुसैन अंसारी, निवासी करकरा बस्ती, थाना जयपुर, जिला पुरुलिया को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार इस अवैध लकड़ी तस्करी में शामिल अन्य माफियाओं के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में जरिडीह थाना कांड संख्या 143/25, दिनांक 22/12/25 दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 317(2)/3(5) बीएनएस तथा धारा 41/42 भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई

जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की जिम्मेदारी : उपायुक्त

बोकारो, संवाददाता

मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार के दौरान उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समयबद्ध समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार शासन-प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, जिससे न केवल समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान होता है, बल्कि प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत होता है। आज आयोजित जनता दरबार में कुल 49 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें बिजली विपत्र, भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक कलह, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास, राशन कार्ड सहित अन्य जनसुविधाओं से जुड़े आवेदन शामिल थे। उपायुक्त ने कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया तथा शेष मामलों में संबंधित विभागों को त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए। चास विद्युत प्रमंडल में स्मार्ट मीटर से अत्यधिक बिजली बिल आने की शिकायत पर उपायुक्त ने संज्ञान लेते हुए कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल चास को शिविर लगाकर सुनवाई करने और उपभोक्ताओं को राहत देने का निर्देश दिया। साथ ही भविष्य में ऐसी समस्या की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में धनबाद में आक्रोश प्रदर्शन, पुतला दहन

धनबाद, संवाददाता

बांग्लादेश में हिंदू समाज पर लगातार हो रहे अत्याचार, हिंसा एवं अमानवीय कृत्यों के विरोध में सोमवार को मनईटांड़ मंडल के तत्वावधान में जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन मनईटांड़ गोल बिल्डिंग से शुरू होकर बिरसा चौक होते हुए बैंकमोड़ तक निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित कार्यकताओं ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर विरोध जताया तथा कैंडल प्रज्वलित कर दिवंगत दीपू चंद्र दास को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस आक्रोश प्रदर्शन में झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार और हिंसा मानवता पर कलंक हैं। किसी भी सभ्य समाज में इस प्रकार की घटनाएं स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। भारत का हिंदू समाज और पूरा राष्ट्र पीड़ित हिंदुओं के साथ मजबूती से खड़ा है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर संज्ञान लेकर कठोर कदम उठाने चाहिए, ताकि अल्पसंख्यक हिंदुओं को सुरक्षा और न्याय मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं और विश्व समुदाय को इस विषय में गंभीर हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शन में धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय, मनईटांड़ मंडल अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा, सदर मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, संजय कुशवाहा, निर्मल प्रधान सहित सैकड़ों की संख्या में सनातन धर्मावलंबी कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के माध्यम से कार्यकताओं ने एक स्वर में यह संदेश दिया कि पूरा राष्ट्र पीड़ित हिंदू समाज के साथ मजबूती से खड़ा है और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

बेरमो विधानसभा यूथ कांग्रेस चुनाव में विशाल सिंह ने 666 वोटों से दर्ज की जीत

फुसरो मे समर्थकों ने एक - दूसरे को मिठाइयां खिलाकर और आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया।

बोकारो, संवाददाता

यूथ कांग्रेस के बेरमो विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। जिसमें विशाल सिंह ने जीत हासिल कर विधानसभा अध्यक्ष पद अपने नाम किया। विशाल सिंह ने कुल 1854 मत प्राप्त किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी श्रीकांत मंडल को 1188 मत मिले। इस प्रकार उन्होंने 666 वोटों के बडे अंतर से शानदार विजय दर्ज की। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के सिंह नगर स्थित उनके आवास पर समर्थकों ने एक - दूसरे को मिठाइयां खिलाकर और आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। इस अवसर पर स्वागत और बधाई देने वाले वृज विहारी पाण्डेय, जवाहर लाल यादव, मघूसूदन प्रसाद सिंह, राज कुमार सिंह, श्री राम सिंह, राम दिनेश सिंह, सुरेश कुमार, योगेन्द्र यादव, प्रशांत सिंह, पप्पू सिंह, दया शंकर सिंह, तूफानी सिंह, विजय सिंह, अशोक सिंह, रंजन सिंह, संजय सिंह, डब्लू सिंह, विक्की सिंह, जयशंकर तिवारी, सत्य नारायण यादव, अनिल कुमार, संतोष सिंह, रंजीत सिंह उर्फ राजू, महादेव महतो, अंकित कुमार, आर्यन कुमार, अजीत सिंह, अर्पित सिंह, आयुष कुमार, अनित कुमार, संजीत सिंह, महादेव महतो, विजेन्द्र कुमार, पिंटू सिंह, चेतन, उमाशंकर, जितेंद्र सिंह आदि मुख्य रूप से शामिल है.

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का पटना में भव्य स्वागत

पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार बिहार पहुंचे नितिन नबीन, एयरपोर्ट से लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय तक उमड़ा जनसैलाब

पटनाः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के मंगलवार को पटना आगमन पर राजधानी की सड़कों पर भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार बिहार की धरती पर कदम रखते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका ऐतिहासिक स्वागत किया। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नितिन नबीन के स्वागत के लिए बिहार भाजपा के शीर्ष नेता मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें मिथिला की पहचान मखाना की माला पहनाई, वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। एयरपोर्ट से लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय तक के रास्ते को भगवा झंडों और बैनर-पोस्टर से पाट दिया गया था। नितिन नबीन के स्वागत समारोह के दौरान एक अप्रत्याशित घटना भी सामने आई। कार्यक्रम में शामिल एक घोड़ा अचानक बिदक गया, जिससे उस पर सवार घुड़सवार गिर पड़ा। हालांकि, घटना के बाद स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया और कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा। मिलर हाई स्कूल में भव्य अभिनंदन समारो मिलर हाई स्कूल में भव्य अभिनंदन समारोह रोड शो का समापन मिलर हाई स्कूल मैदान में एक भव्य समारोह के साथ हुआ। यहां बनाए गए विशाल मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की तस्वीरें प्रमुखता से लगाई गई थीं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, ऋतुराज सिन्हा, मंगल पांडे, दिलीप जायसवाल और संजीव चौरसिया सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने मंच पर नितिन नबीन का औपचारिक अभिनंदन किया। नितिन नबीन के स्वागत में महिलाओं ने पारम्परिक डांस भी किया। कार्यक्रम की संवेदनशीलता और भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मिलर हाई स्कूल मैदान में प्रवेश के लिए कार्यकर्ताओं को कड़ी जांच से गुजरना पड़ा। पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। इस आयोजन को आगामी चुनावों से पहले भाजपा की एकजुटता और सांगठनिक शक्ति के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा सांसद नित्यानंद राय ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इसका गठन इसके असंख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की शक्ति पर हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नितिन नबीन पाटलिपुत्र की पवित्र भूमि पर पहुंचे हैं। पूरा बिहार उनके लिए यहां एकत्रित हुआ है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के बाद यह उनकी राज्य की पहली यात्रा है। 45 वर्ष की आयु में नबीन पार्टी के अब तक के सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष हैं।

गलती से मर्दों के खाते में गए जीविका वाले पैसे वापस नहीं लेगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी) : बिहार सरकार अपनी लोकप्रिय मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के गलत लाभार्थियों से धन की वसूली के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगी, जिसमें पात्र महिलाओं के खाते में पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान शामिल है। दरअसल विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले सीएम नीतीश कुमार की योजना शुरू होने के बाद से 470 दिव्यांग पुरुषों को गलती से 10,000 रुपये मिल गए थे। तब से, बिहार सरकार के जीविका स्वयं सहायता समूहों की सदस्य होने के लिए अनिवार्य 1.51 करोड़ महिलाओं को यह राशि प्राप्त हो चुकी है। गलती से खाते में गए पैसों की नहीं होगी वसूली अधिकारियों पर इस घोर त्रुटि का आरोप लगाते हुए, बिहार जीविका के सीईओ हिमांशु शर्मा बताया कि '11 लाख महिला स्वयं सहायता समूहों के अलावा, हमारे पास दिव्यांगों के भी 1,000 ऐसे समूह हैं। हमने पाया कि 470 दिव्यांग पुरुषों को भी महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये मिले हैं।

निगरानी के हत्थे चढ़ा घूसखोर राजस्व कर्मचारी

पटना : पटना के मसौढ़ी में निगरानी की टीम ने घूसखोर राजस्व कर्मचारी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दरअसल, पूरा मामला मसौढ़ी अंचल से जुड़ा है, जहां मंगलवार को कार्यालय खुलते ही टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी का नाम राजा कुमार है, जो मसौढ़ी अंचल के भदौरा मौजा में तैनात है। उन्हें परिमार्जन के नाम पर रिश्वत लेते हुए 1 लाख रुपये के साथ दबोचा गया। निगरानी विभाग के डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि राजा कुमार पर आरोप था कि वह पीड़ित को कई महीनों से टहला रहे थे और काम करने में बाधा डाल रहे थे। ढाई लाख रुपये की रिश्वत पर बातचीत चल रही थी, लेकिन शिकायतकर्ता मंगलवार को 1 लाख रुपये देने पहुंचे। निगरानी टीम ने पूरी योजना के तहत उन्हें ट्रैप किया और रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। लगभग 11 एकड़ जमीन के परिमार्जन के लिए रिश्वत की मांग की गई थी। डीएसपी वसीम फिरोज ने कहा, "शिकायतकर्ता ने बताया कि दो लाख रुपये परिमार्जन के लिए मांगे गए थे।

वारदात को अंजाम देने वाला यूपी का शातिर चोर अरेस्ट, एलएलबी का है स्टूडेंट

गोपालगंज (एजेंसी): गोपालगंज से इस वक्त बड़ी और अहम खबर सामने आ रही है, जहां थावे दुर्गा मंदिर चोरी कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने यूपी के गाजीपुर निवासी शातिर चोर दीपक राय को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आया बदमाश एलएलबी का स्टूडेंट है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी दीपक राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के केटावर कला, थाना जमुनिया का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी इटवा पुल के समीप से की गई है। पुलिस का बड़ा खुलासा इस पूरे मामले को लेकर गोपालगंज एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में गठित SIT टीम ने लगातार तकनीकी जांच और छापेमारी के बाद आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तार चोर के पास से चोरी में इस्तेमाल किया गया कटर, मोबाइल फोन, जैकेट, कपड़े और जूते जैसे अहम सामान बरामद किए गए हैं। हालांकि, मां थावे भवानी का मुकुट और हार अभी पूरी तरह बरामद नहीं हुआ है, जिसको लेकर पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पूर्व में 10 दिसंबर को मंदिर की रेकी करने आया था ताकि पुलिस और स्थानीय लोगों की नजर से बच सके। उसने बलिया से कटर खरीदा 17 दिसंबर को बाइक से गाजीपुर से थावे पहुंचा चोरी को अंजाम देने के बाद सिवान के रास्ते फरार हो गया आरोपी ने स्वीकार किया है।

डायट रामगंज संसारपुर खगड़िया में दूसरे दिन जारी प्रशिक्षण

खगड़िया (एजेंसी) : जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, डायट रामगंज संसारपुर खगड़िया मे सामाजिक विज्ञान के 236 शिक्षक और शिक्षकाएं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आवासीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन शिक्षको को ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य मनोज कुमार यादव द्वारा बच्चों के लिए पढ़ाई को रोचक बनाने के साथ साथ मनोरंजक बनाने का निर्देश दिया गया। व्याख्याता ज्योति कुमारी और विश्वमोहन राकेश के द्वारा नई शिक्षा नीति के संदर्भ मे जानकारी दी गई। व्याख्याता पंकज कुमार पंडित और मधु श्री के द्वारा अध्यापकों को प्रशिक्षण का मॉडल तैयार कर सामाजिक विज्ञान विषय को रोचक बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चे पढ़ाई को बोझ न समझे और खेल खेल में भी बच्चे पढ़ाई का आनंद उठा सके। व्याख्याता धर्मनारायण जोशी और अवधेश कुमार आलोक ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों की चिंतन शक्ति को विकसित करेगा। शिक्षण प्रशिक्षण में बच्चों को नए तरीकों से पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे शिक्षक छात्रों को बेहतर तरीके से बच्चों को पढ़ाएंगे। प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, हरिमोहन निराला और प्रशिक्षु शिक्षिका पुष्पा कुमारी और मंजरी कुमारी ने बताया कि शिक्षा के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित उद्देश्य को पूरा करना हम सभी अध्यापकों का कर्तव्य है।

विजय सम्भव फाउंडेशन के सोनल कृर्ती और रवि राजहंस सम्मानित

बिहार (एजेंसी) :स्टार्ट-अप समिट 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया, मे शिक्षाविदों, उद्यमियों और सामाजिक नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नवाचार के माध्यम से बिहार के विकास की नई दिशा पर गहन विचार-विमर्श किया गया। यह सम्मेलन समावेशी विकास और बिहार की 2047 की प्रगति यात्रा के रणनीतिक मार्गों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बना। कार्यक्रम में बिहार सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विधायक श्री मिथिलेश तिवारी, श्री राजीव रंजन सिंह तथा ऑक्सफोर्ड ग्रुप के चेयरमैन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस आयोजन के प्रेरणास्रोत और संयोजक आईपीएस अधिकारी श्री विकास वैभव, लेट्स इंस्पायर बिहार के संरक्षक हैं, जिन्होंने समाज को ज्ञान, नवाचार और समानता के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य को आगे बढ़ाया। विजय सम्भव फाउंडेशन (VSF) के संस्थापक एवं चेयरमैन रवि राजहंस तथा सह-संस्थापक एवं पेटेंट विशेषज्ञ सोनल कृर्ती को शिक्षा, सामाजिक नवाचार और सामुदायिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान लेट्स इंस्पायर बिहार के उस मिशन के प्रति फाउंडेशन की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बिहार में राज्यसभा सीट को लेकर मचा सियासी घमासान

दो नेता ,एक सीट, और प्रेशर पॉलिटिक्स, मांझी और चिराग में होड़

पटना (एजेंसी) : हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर के संस्थापक अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के तेवर यूं ही बदले हुए नहीं हैं। राज्य सभा की भागीदारी वाली जंग में शामिल हो जाना भी कोई अचानक नहीं हुआ है। दरअसल यह राज्य में चल रही दलित राजनीति का एक रिएक्शनरी अंदाज है। यह कोई पहला मौका नहीं जब उन्होंने लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के खिलाफ आवाज उठाई है। दलितों का नेता बनने की होड़ दलित राजनीति की आपाधापी में तो दलित नेता चिराग पासवान और जीतनराम मांझी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान ही शामिल हो गए थे। तब चिराग पासवान 40 सीटें मांग रहे थे और फिर 30 पर आए और उन्हें 29 सीटें मिली जिसमें 19 पर जीत मिली। तब जीतनराम मांझी ने भी दावा किया था कि जिसके एक भी विधायक नहीं उसे 29 सीटें और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर के चार विधायक हैं उसे छह सीटें। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर के नेता जीतन राम मांझी ने पीएम नरेंद्र मोदी के सामने अपनी बात भी रखी थी। इसी हवाले से जीतनराम मांझी ने तब कहा था कि विधानसभा की छह सीटें और एक राज्यसभा सीट पर समझौता हुआ है। चुनाव से पहले मांझी की गुहार या प्रेशर पॉलिटिक्स राज्यसभा की 5 सीटों को ले कर बिहार की राजनीति जैसे ही गरम हुई, दलित नेता जीतनराम मांझी ने पीएम नरेंद्र मोदी को उनके द्वारा किए गए वादे को याद दिलाया।

कारोबार

सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 85,525 पर बंद, निफ्टी में तेजी रही

कारोबारी दिन आज यानी 23 दिसंबर को शेयर बाजार में करीब 400 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 85,525 पर बंद हुआ। निफ्टी में 5 अंक की तेजी रही, ये 26,177 के स्तर पर है सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 नीचे बंद हुए। इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एयरटेल में 1.5% तक गिरावट रही। ITC, अल्ट्राटेक सीमेंट और TMPV 1% चढ़कर बंद हुए। निफ्टी के 50 में से 26 शेयर्स गिरकर बंद हुए। NSE के IT, फार्मा और बैंकिंग सेक्टर में आज गिरावट रही। वहीं, FMCG, मीडिया और मेटल ऊपर बंद हुए। ग्लोबल मार्केट में तेजी एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.28% ऊपर 4,117 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 0.021% ऊपर 50,413 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.11% गिरकर 25,774 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.067% चढ़कर 3,920 पर बंद हुआ। 22 दिसंबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.47% ऊपर 48,362 पर बंद हुआ था। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट में 0.52% और S&P 500 में 0.64% की तेजी रही थी। सोमवार को DIIs ने 2,700 करोड़ के शेयर्स खरीदे 22 दिसंबर को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 457 करोड़ के शेयर बेचे और घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 4,058 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे। दिसंबर में 22 तारीख तक FIIs ने कुल 20,314 करोड़ के शेयर्स बेचे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 56,090 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। नवंबर महीने में FIIs ने कुल 17,500.31 करोड़ के शेयर बेचे। जबकि, DIIs ने 77,083.78 करोड़ की खरीदारी की। यानी, बाजार को घरेलू निवेशकों का सपोर्ट है। कल बाजार में तेजी रही थी इससे के पहले कारोबारी दिन सोमवार 22 जनवरी को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 638 अंक चढ़कर 85,567 पर बंद हुआ है। निफ्टी में भी 206 अंक की तेजी रही, ये 26,172 पर बंद हुआ। आज के कारोबार में मेटल और आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। इसके अलावा बैंक और फार्मा शेयर भी चढ़े।

पाकिस्तान के पास एयरलाइन चलाने के लिए पैसा नहीं, नीलामी में 3 कंपनियों ने लगाई बोली

नई दिल्ली (एजेंसी): पाकिस्तान इस समय बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पड़ोसी देश की आर्थिक स्थिति इस कदर खराब है कि उसके पास सरकारी एयरलाइन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को चलाने के लिए पैसा नहीं है। यह कंपनी बड़े घाटे में चल रही है। पाकिस्तान सरकार ने इस एयरलाइन कंपनी को बेचने के लिए मंगलवार को फिर से प्रयास किया। मंगलवार को हुई नीलामी में 3 कंपनियों ने बोली लगाई। यह नीलामी पाकिस्तान का सरकारी एयरलाइन को बेचने का दूसरा प्रयास था। पाकिस्तान सरकार ने पिछले साल भी इसे बेचने की कोशिश की थी, जो नाकाम रही थी। तब केवल एक ही बोली आई थी, जो सरकार की तय कीमत से बहुत कम थी। इस वजह से लगभग दो दशकों में पाकिस्तान का यह पहला बड़ा विनिवेश नहीं हो पाया था। कितनी हिस्सेदारी बिकेगी? पाकिस्तान सरकार पीआईए की 75 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। हालांकि पाकिस्तान सरकार पीआईए में 100% तक हिस्सेदारी बेचने के लिए तैयार है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 75% से अधिक हिस्सेदारी के लिए 15% का प्रीमियम देना होगा। किन कंपनियों ने लगाई बोली? इस एयरलाइन को खरीदने के लिए तीन कंपनियों ने बोली लगाई है। बोली लगाने वालों में एक समूह था जिसका नेतृत्व लकी सीमेंट लिमिटेड कर रहा था। इस समूह में पावर प्रोड्यूसर हब पावर होल्डिंग्स लिमिटेड, कोहट सीमेंट कंपनी लिमिटेड और निवेश फर्म मेट्रो वेंचर्स भी शामिल थे। दूसरा समूह आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नेतृत्व में था। इसमें फर्टिलाइजर निर्माता फातिमा फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, निजी स्कूल नेटवर्क सिटी स्कूल्स और रियल एस्टेट फर्म लेक सिटी होल्डिंग्स लिमिटेड शामिल थे।

इस सरकारी कंपनी का दो सप्ताह में आएगा आईपीओ

मुंबई (एजेंसी) : नए साल यानी 2026 की शुरुआत में भारत का IPO बाजार एक बड़ी सरकारी कंपनी (PSU) की लिस्टिंग हो सकती है। यह कंपनी है झारखंड के धनबाद मुख्यालय वाली भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL)। यह कोलकाता मुख्यालय वाली कोल इंडिया लिमिटेड (Coal India Limited) की सहायक कंपनी है। ETNow की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले दो हफ्तों में यह कंपनी शेयर बाजार में आ सकती है। कोल इंडिया बेचेगी हिस्सेदारी रिपोर्ट के मुताबिक इस IPO में सिर्फ मौजूदा शेयर बेचे जाएंगे। कोल इंडिया अपनी हिस्सेदारी का करीब 10% बेचेगी। इसका मतलब है कि लगभग 46.57 करोड़ शेयर बिकेंगे। कोई नए शेयर जारी नहीं होंगे, इसलिए IPO से मिलने वाला सारा पैसा कोल इंडिया को जाएगा, न कि भारत कोकिंग कोल को। क्या होगा आईपीओ का आकार ETNow की रिपोर्ट के मुताबिक, इस IPO का आकार (BCCL IPO Size) करीब 1,300 करोड़ रुपये हो सकता है। इससे भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का लिस्टिंग से पहले का मूल्यांकन लगभग 13,000 करोड़ रुपये आंका जा रहा है।

20 का शेयर पांच दिन में पहुंचा डबल के करीब

मुंबई (एजेंसी) : स्मॉल कैप शेयर इन दिनों भारतीय स्टॉक मार्केट में धमाल मचाए हुए है। बीते 17 दिसंबर से इस शेयर में भारी तेजी आ रही है। महज पांच कारोबारी दिवस में ही इस शेयर का दाम डबल के करीब पहुंच गए है। यह नॉन-बैंकिंग फाइनेंसियल कंपनी (NBFC) का शेयर मंगलवार, 23 दिसंबर को एक बार फिर 10% के ऊपरी सर्किट में बंद हुआ। बीएसई में आज इसकी कीमत 21.25 प्रति शेयर तक पहुंच गई। पांच दिनों से हर रोज अपर सर्किट बीएसई में बीते 16 दिसंबर को टीसीआई फाइनेंस के शेयर 11.10 रुपये पर बंद हुए थे। इसके बाद 17 और 18 दिसंबर को शेयर 20% के सर्किट में था। लेकिन बाद में, शेयर बाजार के एक्सचेंजों ने इस शेयर के लिए सर्किट की सीमा को घटाकर 10% कर दिया। इसके बावजूद, शेयर ने अपनी रफ्तार बनाए रखी। नतीजतन, सिर्फ पांच ट्रेडिंग सत्रों में शेयर में 91% का उछाल आया। अगर शेयर इसी रफ्तार से महीने के अंत तक चलता रहा, तो यह जून 2024 के बाद की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी होगी, जब शेयर 120% बढ़ा था। शेयर चढ़ने के क्या कारण हैं इस जबरदस्त उछाल के पीछे कोई खास फंडामेंटल कारण नहीं दिख रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि तकनीकी कारणों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। इन्हीं वजहों से यह शेयर दिसंबर में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शेयरों में से एक बन गया है। इस बीच, शेयर में आई इस तेजी ने न केवल निवेशकों का ध्यान खींचा है, बल्कि शेयर बाजार के एक्सचेंजों का भी ध्यान खींचा है।

लेट फीस के साथ 31 दिसंबर तक फाइल करें

नई दिल्ली (एजेंसी):वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लेट फीस के साथ इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में महज 7 दिन का समय बचा है। ये काम आपको 31 दिसंबर के पहले कर लेनी है। इसके बाद आप रिटर्न फाइल नहीं कर पाएंगे, जिससे नोटिस आने के साथ ही जुर्माना सहित अन्य कानूनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप 5 लाख से कम इनकम का बिलेटेड (तय तारीख के बाद) इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं तो आपको 1,000 रुपए लेट फीस देनी होगी। वहीं, 5 लाख या उससे ज्यादा इनकम पर 5,000 रुपए की लेट फीस देनी होगी। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बिना किसी लेट फीस के ITR फाइल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर थी। अगर 31 दिसंबर के बाद ITR फाइल करने पर आपका रिफंड (वापस मिलने वाला टैक्स) क्लेम नहीं होगा, चाहे कितना भी रिफंड बनता हो, सरकार के पास चला जाएगा। रिटर्न भरने की प्रोसेस स्टेप में जानें स्टेप 1: जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें सैलरी, TDS की जानकारी के लिए फॉर्म-16। कितना टैक्स जमा किया और कितना बाकी है।

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते हैं चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सकें कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस व काउंसलिंग कर सकते हैं। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रुपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ काउंसलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमएससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिक के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उद्योग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयाँ
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेक्रेटरी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेक्रेटरी या पर्सनल सेक्रेटरी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेक्रेटरी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सों में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेक्रेटरी और ऑफिस सेक्रेटरी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैंकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

यूपी में 7 गाड़ियां टकराई, 3 की मौत, 18 घायल

30 जिलों में कोहरा, गाजीपुर में बर्फ जमी, क्रिसमस पर बिगड़ा रहेगा मौसम

लखनऊ। यूपी में शीतलहर और कोहरे से हालात बिगड़ने लगे हैं। 48 घंटे में ठंड से 3 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत 30 शहर घने कोहरे की चपेट में हैं। कई शहरों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई है। ओस की बूंदें बारिश की फुहारों जैसी पड़ रही हैं। गाजीपुर के ग्रामीण इलाकों में बर्फ जम गई। अधिकांश सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। सर्द हवाओं से पहाड़ों जैसी ठंड महसूस हो रही है। 9 शहरों में 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इनमें रायबरेली, सुल्तानपुर, वाराणसी, जौनपुर, उन्नाव, सोनभद्र, मिर्जापुर, संभल और अंबेडकरनगर शामिल हैं। कोहरे का असर ट्रेनों पर भी देखने को मिल रहा है। कानपुर समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें 2 से 10 घंटे तक की देरी से चल रही हैं। इसके अलावा फ्लाइटें भी लेट हैं। सोमवार की बात करें तो बाराबंकी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां का तापमान 4.5 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा 26 शहर नैनीताल (6°C) और शिमला (11c) से भी ज्यादा ठंडे रहे। अमेठी में घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे पर सोमवार रात 2 बजे रोडवेज बस-ट्रक समेत 7 वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे में मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र के लोहरापुर में रिंग रोड फेज-2 पर तेज रफ्तार डीसीएम ने पीछे से ट्रेलर में टक्कर मार दी। डीसीएम चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मुरादाबाद में कटघर पुलिस स्टेशन इलाके के पास दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर घने कोहरे के कारण 2 ट्रक डिवाइडर से टकरा गए। कानपुर शहर में यशोदा नगर एलिवेटेड पर टमाटर लादकर पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गया। पिकअप सवार दो युवक केबिन में फंस गए। अमेठी में कोहरे की वजह से बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। चालक को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चालक को बाहर निकाला। मौसम विभाग के मुताबिक, क्रिसमस और नए साल पर भी मौसम बिगड़ा रहेगा। भीषण कोहरा पड़ेगा। सर्द हवाएं चलेंगी और बादल भी छाए रहेंगे। क्रिसमस पर पारा 6 डिग्री से 11 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं, नए साल पर 5 से 11 डिग्री के बीच रह सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। वहां से आने वाली सर्द हवाओं से पारा 2-3 डिग्री तक गिर सकता है। सरकार भी अलर्ट मोड पर है। राहत आयुक्त ने 25 जिलों के अफसरों के साथ बैठक की। उन्हें अलर्ट रहने को कहा है। साथ ही वीडियो जारी कर लोगों से अपील की है कि कोहरे में अगर एक्सीडेंट हों तो तत्काल 108 और 112 नंबर पर जानकारी दें। एक्सप्रेसवे और हाईवे पर वाहनों की स्पीड 60 से 80 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। कानपुर में रविवार देर रात टैंकर पर चढ़ते समय ड्राइवर गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि ठंड के चलते उसकी जान गई। शनिवार को बांदा में दो लोगों की ठंड से मौत हुई थी। मौसम पर नजर रखें, बदलते तापमान और कोहरे से फसलों में कीट और रोग बढ़ सकते हैं। गेहूं की बुवाई के 20-30 दिन बाद पहली सिंचाई के बाद जिंक की कमी दिखे तो 5 किलो जिंक सल्फेट +16 किलो यूरिया को 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। छोटी और चौड़ी पत्ती के खरपतवार के लिए, सल्फोसल्फ्यूरान, मेटासल्फ्यूरॉन का छिड़काव करें या मेट्रीब्यूजिन का उपयोग पहली सिंचाई के बाद करें। सरसों के खेत में नमी कम हो तो हल्की सिंचाई जरूर करें। चने के पौधों में कटुआ कीड़े लगें तो क्लोरपाइरीफास का छिड़काव करें। टमाटर-मिर्च के पौधों में रोग ज्यादा हों तो डाइमेथोएट या इमिडाक्लोप्रिड को पानी में घोल कर छिड़काव करें। अमेठी में कमरौली थाना क्षेत्र के महुआ बोझ गांव के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार कोहरे की वजह से बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। कार सवार युवक लखनऊ से सुल्तानपुर जा रहा था। चालक को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चालक को बाहर निकाला। कानपुर शहर में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया है। सर्द हवा ने गलन बढ़ा दी है। कोहरे में यशोदा नगर एलिवेटेड पर टमाटर लादकर पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गया। पिकअप सवार दो युवक केबिन में फंस गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड पहुंची। पिकअप की केबिन गैस कटर से काटकर करीब 2 घंटे बाद फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद रोड पर लंबा जाम लग गया था। मुरादाबाद में कटघर पुलिस स्टेशन इलाके के पास दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर घने कोहरे के कारण 2 ट्रक डिवाइडर से टकरा गए। अमेठी में घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे पर सोमवार रात 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मुसाफिरखाना के पास हुए इस हादसे में 7 वाहन आपस में टकरा गए, जिससे मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बस में सवार 16 यात्री घायल हो गए। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में सुबह और रात के समय घना से बहुत घना कोहरा रहने की आशंका। विजिबिलिटी काफी कम हो सकती है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कोल्ड वेव और तेज सर्दी जारी रहने की संभावना, बर्फबारी-बारिश के आसार।। सहारनपुर में 2 दिन बाद फिर घना कोहरा छाया हुआ है। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस है। AQI 341 है। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिन में हल्की धूप निकलेगी। 24 दिसंबर को पूरी तरह से सूर्य देव दिखाई देंगे। इसके बाद 28 दिसंबर तक कोहरा आने की संभावना है। प्रयागराज में भीषण ठंड व गलन से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पिछले 5 दिनों बाद यहां फिर से घना कोहरा छा गया है। यहां 11°C तक पारा पहुंचा है। लोगों के लिए अलाव ही सहारा बना हुआ है। दूसरी ओर ठंड के चलते ज्यादातर स्कूलों ने छुट्टी कर दी है, लेकिन परिषदीय व कुछ अन्य स्कूल अभी भी संचालित हो रहे हैं, हालांकि स्कूल की टाइमिंग सुबह 10 बजे से 3 बजे तक के लिए किया गया है।

उपजिलाधिकारी ने एसआईआर कार्यों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम कुंडवा उर्फ दिलीपनगर के सिसई टोला स्थित पंचायत भवन में उपजिलाधिकारी डॉ संतराज सिंह बघेल ने बीएलओ और बीएलए के साथ एसआईआर की समीक्षा बैठक की और नो मैपिंग कम करने के निर्देश दिए। मंगलवार को आयोजित एसआईआर की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी श्री बघेल ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा दिए गए तय समय में एसआईआर कार्य को हर हाल में पूर्ण करें। उन्हें बताया गया कि अधिकतर कार्य पूर्ण हो चुका है और फार्म भी जमा हो गए हैं। एसआईआर में नो मैपिंग में 8 प्रतिशत कार्य बचा है। जिसपर एडीएन ने इसे भी समय से पूरा करने के निर्देश दिए तथा नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 भरने और नाम में गड़बड़ी सुधार के लिए फॉर्म 8 भरवाने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने मौके पर ठंड से कांप रहे दो बच्चों को कम्बल और नकदी प्रदान किए। इस दौरान एबीएसए अशोक कुमार यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कमोद सिंह, भाजपा नेता/बीएलए शिवाकांत सिंह, लेखपाल अंग ध्वज पासवान, पूर्व प्रधान सत्य नारायण निषाद, बीडीसी जितेंद्र कुशवाहा, बीएलओ राम प्रवेश भारती, कन्हैया लाल, आशुतोष पांडेय, रिंकू सिंह, अंजना सिंह, सावित्री सिंह, अमरावती देवी, मनीषा गौड़, गैस पति देवी, दिनेश कुमार यादव, सरोज देवी, मीना गुप्ता, संध्या पांडेय, सिब्बू सिंह मौजूद रहे।

यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन ने बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा विकास खण्ड स्थित सविलियन विद्यालय अहिरौली बाजार में यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन्द्र राय के निर्देशन में लाडले लक्ष्य राय के जन्मोत्सव पर बच्चों को कॉपी, कलम, पेंसिल, रबर, कटर आदि सामग्री प्रदान कर उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया गया। अध्यक्षता करते हुए पूर्व शाखा प्रबंधक नरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ना सबसे बड़ा सामाजिक निवेश है। शिक्षण सामग्री जैसी छोटी-सी सहायता भी बच्चों के आत्मविश्वास और भविष्य निर्माण में बड़ी भूमिका निभाती है। शिक्षक नेता देवानंद धर दुबे ने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को शिक्षा और समाजसेवा से जोड़ना एक अनुकरणीय पहल है। संचालन इंद्र कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका अनिता राय, बिपिन सिंह, रितेश सिंह, संयोगिता मिश्रा, धीरज मिश्र, सुमित राय, सुजीत राय, उदिता, पूनम, परवीन खातून, बबिता उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी स्व. चरण सिंह की जयंती मनाई गई

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पूर्व प्रधानमंत्री और लोकदल के संस्थापक चौधरी स्व. चरण सिंह की 122 वीं जयंती जयंती रालोद द्वारा नगर स्थित सिंचाई विभाग के परिसर में मनाई गई। मंगलवार को राष्ट्रीय लोकदल द्वारा आयोजित जयंती कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मंगलवार को आयोजित जयंती कार्यक्रम में किसान नेता और रालोद प्रदेश सचिव सिया शरण पान्डेय ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने राष्ट्र के विकास में अहम योगदान दिया और लोकहित में कल्याणकारी योजनाएं शुरू की। उन्होंने पंच वर्षीय योजनाओं को किसानों के हक में असली जामा पहनाया। आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह का सपना पूरा करने के लिए सरकार को स्वामीनाथन आयोग का रिपोर्ट लागू होगा तभी किसानों का भला होगा। अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर ने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों, मजदूरों और कमजोर वर्ग के मसीहा थे। उन्होंने गांव, गरीब और किसानों की खुशहाली के लिए आजीवन संघर्ष किया। इस दौरान सुरेश शाही, गणेश प्रसाद, चन्द्र प्रकाश दुबे, कुलदीप कुमार, हरि कसेरा, भगवान दयाल विश्वकर्मा, मिडिया प्रभारी निजामी साहब, अरविंद सिंह, भोला प्रसाद, रविन्द्र पान्डेय, विशेश्वर निगम सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

चारबाग में आशा वर्कर्स का हंगामा: विधानसभा जाते समय 4 थानों की पुलिस ने घेरकर रोका

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन पर आशा वर्कर्स ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन से सम्बद्ध आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन के बैनर तले प्रदेश भर से आशा वर्कर्स पहुंचीं। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। आशा वर्कर्स का कहना है कि 5 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। भीषण ठंड में यूपी के 75 जनपदों से आई आशा वर्कर्स चारबाग रेलवे स्टेशन पर जुटी। वे स्टेशन से पैदल विधानसभा की ओर कूच करने वाली थीं। इससे पहले ही पुलिस पहुंच गई। 4 थानों की फोर्स ने सभी आशा वर्कर्स को चौतरफा बैरिकेडिंग करके रोक लिया। चारबाग से निकलने के लिए आशा वर्कर से काफी संघर्ष और हंगामा किया, मगर पुलिस ने किसी भी आशा वर्कर को आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान आशा वर्कर्स ने नारा लगाया- 2 हजार में दम नहीं, 20 हजार से कम नहीं। फिलहाल सभी आशा वर्कर्स चारबाग रेलवे स्टेशन पर बैठी हैं। लगातार नारेबाजी कर रही हैं। 1- आशा वर्कर्स को 45/46 वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के अनुरूप राज्य स्वास्थ्यकर्मी का दर्जा देकर न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश, ईएसआई, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और पेंशन गारंटी दी जाए। 2- 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख का जीवन बीमा गारंटी दी जाए। 3- आशा वर्कर्स के काम के घंटे तय किए जाएं। 4- 2017 से अब तक के लम्बित भुगतानों का आकलन कर उसका भुगतान किया जाए। 5- सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाए। कानपुर से आई आशा वर्कर नीतू दीक्षित ने कहा- 2006 से सेवा दे रही हूं। इस भीषण ठंड में आना हमारी मजबूरी है। हम लोग पहले से ही सड़कों पर हैं। अब यहां पहुंचकर अपने अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। गुहार लगा रहे हैं। 2000 रुपये वेतन मिलता है, जिसमें अपने बच्चों का लालन-पालन करना बेहद मुश्किल हो गया है। ना तो बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पा रहे हैं और ना ही बीमार होने पर समय पर इलाज करवा पाते हैं। दूसरे बच्चों की जिंदगी बनाने वाले हम लोग अपने बच्चों का जीवन नहीं सुधार सकते हैं। 2000 रुपये जो हमको मिलते हैं, इसमें कोई अधिकारी कर्मचारी गुजारा करके दिखाएं। हमारे दो बच्चे हैं। ठीक से उनको पढ़ाई नहीं हो पाई। आज वह नौकरी के लिए भटक रहे हैं। हमारे इलाज के लिए कोई सुविधा नहीं है हम लोगों का आयुष्मान कार्ड से भी इलाज नहीं हो पा रहा। हम सब का इलाज करते हैं, मगर अपना इलाज नहीं करवा पा रहे हैं। प्रयागराज से आई रेखा सिंह ने कहा- लखनऊ में प्रदर्शन करना हमारी मजबूरी है। सरकार कहती है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मगर हमारी कोई मदद नहीं करती है। 2000 रुपये में हम क्या करें? हम लोग आशा वर्कर के रूप में भर्ती हुए थे। हमें ऑपरेटर बना दिया गया। कोरोना काल में हमने जान लगाकर काम किया। कितनी आशाओं की मौत हो गई, मगर सेवा का सारा क्रेडिट मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दे दिया। देर रात अगर हम लोग डिलीवरी के लिए सीएससी सेंटर पहुंचते हैं, तो हमको रात गुजारने के लिए एक कमरा तक नहीं मिलता है। दो से ढाई हजार रुपए हमको मिलता है, मगर वह भी समय से नहीं। अगर हमें काम के हिसाब से पैसा मिलने लगे तो 15 से 20 हजार रुपए मिलेगा। हमको विधानसभा जाने से कोई रोक नहीं सकता। आज हम बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा तक पहुंचेंगे।

एनई रेलवे ने लखनऊ को 105 रन से हराकर फाइनल मे बनाई जगह

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय पावानगर स्थित महावीर इंटर कॉलेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 20वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमित त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में एनई रेलवे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ को 105 रनों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। रेलवे की ओर से विस्फोटक पारी खेलने वाले आशीष सिंह को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मंगलवार को सुबह दस बजे से खेले गए इस मुकाबले में लखनऊ के कप्तान हसन अख्तर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एनई रेलवे की टीम ने 30 ओवर के निर्धारित मैच में तीन गेंद शेष रहते सभी विकेट खोकर 304 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रेलवे की ओर से आशीष सिंह ने 84 रन, विराट जायसवाल ने 64 रन, भास्कर मणि त्रिपाठी ने 39 रन तथा कुलदीप सिंह ने 32 रनों का अहम योगदान दिया। लखनऊ की ओर से गेंदबाजी में सत्यम ने चार विकेट लिए, जबकि हसन अख्तर, मनीष शर्मा और कुलदीप चौहान ने दो-दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम 24वें ओवर की पहली गेंद पर 199 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लखनऊ की ओर से शौर्य सिंह ने 26 गेंदों में 56 रन, समीर अंसारी ने 46 रन, सत्यम पाण्डेय ने 22 रन और मनीष शर्मा ने 20 रनों की पारी खेली, जबकि छह खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। रेलवे की गेंदबाजी में साबिद मलिक और विशाल त्रिवेदी ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि निशांत राय, भास्कर त्रिपाठी, कुलदीप सिंह और अंकित को एक-एक विकेट मिला। मैच के बाद मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उपजिलाधिकारी कसया डॉ. संतराज सिंह बघेल ने आशीष सिंह को 5000 रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान कर दिया। इससे पूर्व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. योगेश्वर मद्धेशिया ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया। आयोजन में भाग लेने वाले मशाल धावकों को सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर सीओ जोश द्वारा आयोजन समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मैच में अंपायरिंग बीसीसीआई पैनल अंपायर सतीश पाण्डेय एवं एपी सिंह ने की, जबकि थर्ड अंपायर की भूमिका संतोष सिंह ने निभाई। स्कोरिंग बीसीसीआई स्कोरर एसपी सिंह द्वारा की गई। कमेंट्री मोहम्मद आलम, गुड्डू पाण्डेय एवं आईपीएल कमेंटेटर सुमित कुमार मिश्रा ने की। मैच का लाइव प्रसारण सचिन यादव और प्रभारी सिंह संदीप यादव द्वारा किया गया, जबकि स्कोरबोर्ड संचालन आयान ने किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी, अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, डॉ. रामानुज पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, चुनचुन शाही, कुंवर शाही, अरविंद शाही, शिक्षक प्रदीप राव, टीएन राव, शिवशंकर तिवारी, चंदन दुबे, भाजपा नेता मनोज चौबे, विनीत कुमार बंटी, आजाद अंसारी, प्रदीप सिंह, उदयभान सिंह, कविंद्र सिंह, गुड्डू चौहान, सज्जाद अली, दरोगा, पंकज ओझा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

चौधरी चरण सिंह का जन्म दिवस किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया

संवाददाता

हमीरपुर। मुस्करा विकासखंड सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्म दिवस 23 दिसंबर को किसान सम्मान दिवस के तौर में मनाया गया। इस मौके पर सबसे पहले चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मुस्करा नारायण राजपूत ने माल्यार्पण किया, इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद महमानों और किसानों ने पुष्पांजलि अर्पित की। जबकि पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय महासचिव हर स्वरूप व्यास ने बताया की चौधरी चरण सिंह किसानों के हमदर्द होने के साथ ही मजबूत इरादों के व्यक्ति थे। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह की किसानों के लिये हमदर्दी की एक मिसाल देते हुये बताया कि उन्होंने पीड़ित किसान का हुलिया बनाकर एक थाने में रिश्वत देकर रिपोर्ट तक दर्ज कराई थी। ऐसा उन्होंने इसलिये किया था, ताकि वो किसानों के साथ पेश आने वाली परेशानियों की जमीनी हकीकत को जान सके। बाद में उन्होंने जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्यवाहियों को भी अंजाम दिया था, चौधरी चरण सिंह ने प्रदेश में 1954 में भूमि संरक्षण कानून बनाया, इसके साथ ही लेखपालों के पद भी सृजन किये थे। वहीं चरण सिंह 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक प्रधानमंत्री पद पर रहे। पशु चिकित्सा अधिकारी मुस्करा डॉक्टर धर्मपाल सिंह राजपूत ने भी चौधरी चरण सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुये पशुपालन विभाग सहित कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर पशुओं में फैल रहे खुरपका रोग, गला घोंटू रोग बीमारियों से भी रोकथाम डाली, नियाभूषण सिंह सहायक तकनीकी प्रबंधक कृषि व कुबेर सिंह राजपूत ने चरण सिंह को किसानों का मसीहा बताते हुये जानकारी दी। ग्राम प्रधान चिकूनी खुर्द प्रतिनिधि भूप सिंह राजपूत दिग्विजय पाठक जगत राज सिंह राजपूत अभिषेक मुखिया प्रेम सिंह यादव सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कृषि कार्यों में खास कार्य करने पर कृषि विभाग की तरफ से रानी बिहार, कल्पना इमलिया, रमन सिंह यादव इमलिया, बाबूलाल मुस्करा सहित करण सिंह गहर्रा को प्रमाण पत्र एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रभारी वीके गौतम सुनील सिंह मुस्करा ने सभी मेहमानों को खेत लगाकर सम्मानित किया।

क्रिसमस प्रेम, खुशी और सहयोग का पर्व: जयप्रकाश श्रीवास्तव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित ब्राइट चिल्ड्रेन एकेडमी में क्रिसमस के अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में सांता क्लाज की ड्रेस में आए बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे। क्रिसमस समारोह के लिए विद्यालय परिसर को सजाया गया। शिक्षकों और प्रबंधन के निर्देशन में बच्चों ने सांताक्लोज बनकर उपहार और टॉफी बांटी। समारोह के दौरान बच्चों ने कैरल गीत व नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों का अभ्यास, तालमेल और अनुशासन स्पष्ट रूप से नजर आया। विद्यालय के निदेशक जयप्रकाश श्रीवास्तव ने ईसा मसीह के जन्म से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को प्रेम, सहयोग और शांति के मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए कहा कि क्रिसमस समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का अवसर है। प्रधानाचार्य चंद्रभूषण मिश्र ने बच्चों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्रिसमस प्रेम, खुशी और सहयोग का पर्व है। यह त्योहार दूसरों के साथ खुशियां साझा करने और आपसी सौहार्द को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने बताया कि क्रिसमस पर्व शांति, प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश देता है और समाज में सकारात्मक मूल्यों को बढ़ावा देता है इस अवसर पर अनवारुल खान, रमेश प्रसाद, मुकेश, विवेकानन्द, गुफरान, मनीष, सलोनी, खुशबू, शशि, विजयलक्ष्मी, निशा, उमाशंकर, रागिनी, ज्योति, रीमा, अंजू आदि मौजूद रहे।

बौद्ध भिक्षुओं से स्वेटर पा खिले बच्चों के चेहरे

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। थाई बौद्ध भिक्षु अचान फ्रोसोम चाट दुथी योगकुन व जज मिस नोटिया फ्राटाफा सित मिस्टर फाट जिरान उडोमफान ने हाटा विकास खण्ड के प्रावि चूरी टोला चिरगोडा में नामांकित 52 बच्चों को स्वेटर वितरित किया और भोजन दान दिया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्यअतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राय ने कहा कि सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बच्चों को शिक्षण कार्य के साथ साथ सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है राजेश शुक्ला ने कहा कि विद्यालय परिवार द्वारा इस तरह के आयोजन कर के बधाई के पात्र हैं। शकिल अहमद ने कहा कि इस तरह के कार्य समाज में मानवता, सहानुभूति और सेवा भाव के मूल्य को सुदृढ़ करते हैं। मनोज प्रजापति ने कहा कि अपनी क्षमता अनुसार हमें बच्चों की पढ़ाई में सहायता करनी चाहिए। स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी के भाव झलक उठे। शिक्षकों ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता शिक्षक नेता देवानंद दुबे व संचालन अमिताभ त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर ग्रामप्रधान राधेश्याम प्रसाद, डिम्पल पांडेय, अजय तिवारी, रामायण यादव, मनोहर प्रसाद, प्रतिभा भारती, बिपिन सिंह, धीरज मिश्रा, रितेश सिंह, सुमित राय, मुरली मनोहर, अमित सिंह, प्रवीण राय, सुजीत राय, निलम तिवारी, राजीव गुप्ता, प्रीति पाल मौजूद रहे।

कचरा प्रबंधन केंद्र का ताला खुलवाया, उपलों को हटाकर कराई गई सफाई

हाथरस। सादाबाद की ग्राम पंचायत भुर्का के गांव गढ़ी राधे स्थित कचरा प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) पर पाथे जा रहे उपले और उसकी दुर्दशा के संबंध में 19 दिसंबर को प्रकाशित खबर पर प्रशासन हरकत में आया। प्रशासन ने न केवल आरआरसी सेंटर का ताला खुलवाया, बल्कि उसके बाहर पाथे गए उपलों को हटवाकर सफाई भी कराई। उपले पाथने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी गई। गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से बनाए गए एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन केंद्र (आरआरसी सेंटर) कई ग्राम पंचायतों में शोपीस बनकर रह गए हैं।

'जी राम जी: ग्रामीण भारत में विश्वास और उम्मीद'

डॉ. प्रियंका सौरभ

वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है-विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा जाए। इसके लिए योजना का कायमी प्रभाव और पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। इसके तहत ग्रामीण रोजगार, खाद्यान्न वितरण, महिला सशक्तिकरण और न्यूनतम आय सुरक्षा जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। इन नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और वंचित वर्ग में भरोसा और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

भारत की राजनीति में विश्वास केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जन-धारणाओं और नीतिगत परिणामों का प्रतिफल है। 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ इस विश्वास की कसौटी पर खड़ी हैं। जब केंद्र सरकार ने यह बिल संसद में प्रस्तुत किया, तो उसके पीछे सतत विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण कल्याण के विचार थे। यह बिल केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि 125 करोड़ लोगों तक पहुँचने वाली योजनाओं का प्रतीक है।

वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है-विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा जाए। इसके लिए योजना का कायमी प्रभाव और पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। इसके तहत ग्रामीण रोजगार, खाद्यान्न वितरण, महिला सशक्तिकरण और न्यूनतम आय सुरक्षा जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। इन नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और वंचित वर्ग में भरोसा और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमेशा असुरक्षित रही है। कृषि पर आधारित जीवन शैली, सीमित औद्योगिक विकास और मौसमी रोजगार की अस्थिरता ने ग्रामीणों को अस्थायी रोजगार और पलायन की ओर मजबूर किया। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार योजना एक जागरूक प्रयास है।

यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निर्माण और उत्पादन गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवा शक्ति का नियोजन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, योजना को स्थायी और प्रभावी बनाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा महसूस करें और पलायन कम हो।

महिलाओं का भाग्य सुधारना केवल सामाजिक न्याय का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक स्थिरता का भी संकेत है। 'जी राम जी' योजना के तहत महिलाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर दिए गए हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव देखा जा सकता है-महिलाओं ने अपने परिवार की आय में योगदान बढ़ाया, स्थानीय उत्पादकता में हिस्सेदारी ली, और अपने समाज में निर्णय लेने की क्षमता विकसित की।

महिला सशक्तिकरण का यह आयाम योजना की दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जब महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, तो परिवार के स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के मानक भी सुधरते हैं। इस तरह, योजना केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव भी तैयार करती है।

भारत में खाद्य सुरक्षा हमेशा सामाजिक राजनीति का केंद्र रही है। गरीब और वंचित वर्ग को आवश्यक खाद्यान्न और न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना केवल दान या राहत नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक जिम्मेदारी है। जी राम जी बिल ने इस दिशा में कदम बढ़ाए।

125 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँचने वाली योजना का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि भोजन और आय का भरोसा पैदा हुआ है। गरीब वर्ग अब केवल दिन-प्रतिदिन के संघर्ष में नहीं फँसा है, बल्कि भविष्य की योजनाओं में भागीदारी और उम्मीद महसूस करता है। यह भरोसा सरकार और जनता के बीच संबंध की मजबूती का परिचायक है।

सभी नीतियों में आलोचना होना स्वाभाविक है। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि-क्या यह योजना दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पर्याप्त है? क्या यह केवल अस्थायी राहत है? क्या इसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित है?

इन सवालों का महत्व है। विकास केवल तुरंत परिणामों से मापा नहीं जा सकता। इसे स्थायित्व, निगरानी और समयबद्ध सुधार के साथ देखा जाना चाहिए। आलोचना यह भी याद दिलाती है कि राजनीतिक विश्वास स्थायी तभी बनता है जब योजना के परिणाम लगातार दिखाई दें और जनता के अनुभव से मेल खाते हों।

राजनीतिक विश्वास केवल चुनावी रैलियों या भाषणों से नहीं बनता। यह तब मजबूत होता है जब जनता नतीजे देखे, अनुभव करे और महसूस करे। 'जी राम जी' योजना इस दृष्टि से अनूठी है-यह दिखाती है कि यदि सरकार व्यवस्था, नीति और क्रियान्वयन को संतुलित रखे, तो जनता का भरोसा बढ़ सकता है।

साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार सतत निगरानी और सुधार करती रहे। योजना की प्रभावशीलता तभी बनी रहती है जब स्थानीय प्रशासन, पंचायत और लाभार्थियों के बीच संवाद और जवाबदेही हो। यह लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी ताकत है।

भरोसे और नीतियों की कसौटी पर 'जी राम जी' बिल ने एक नई मिसाल कायम की है। भविष्य में इसके और भी सफल होने के लिए कुछ कदम आवश्यक हैं।

स्थायित्व और विस्तार: योजना को केवल वर्तमान लाभार्थियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि नई तकनीक और कौशल विकास के साथ इसे बढ़ाया जाए।

पारदर्शिता: सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों तक जानकारी, निगरानी और रिपोर्टिंग पारदर्शी हो।

स्थानीय उद्योग और उत्पादन: रोजगार केवल सरकारी कार्यों तक सीमित न हो, बल्कि स्थानीय उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया जाए।

महिला और युवा सशक्तिकरण: महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए ताकि समुदाय आधारित विकास सुनिश्चित हो।

अर्थव्यवस्था और विकास का संतुलन: योजनाओं से केवल रोजगार या राहत न हो, बल्कि स्थायी आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

'जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भरोसा और परिणाम राजनीति में दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। केवल घोषणाओं या भाषणों से जनता का विश्वास नहीं बनता। इसे क्रियान्वयन, पारदर्शिता और परिणाम के साथ जोड़ना आवश्यक है।

इस पहल ने दिखाया कि यदि सरकार योजनाओं को समयबद्ध, प्रभावी और सतत तरीके से लागू करे, तो विश्वास केवल टिकता ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज की मजबूती का प्रतीक बन जाता है।

संक्षेप में, भरोसा केवल राजनीति का जरिया नहीं, बल्कि विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक स्थायी स्तंभ बन सकता है। 'जी राम जी' बिल इस कसौटी पर खड़ा होता दिख रहा है, और यदि इसे सुधार और सतत निगरानी के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत के ग्रामीण विकास और लोकतांत्रिक विश्वास का आदर्श मॉडल बन सकता है।

संपादकीय

जानलेवा आबोहवा

देश-दुनिया में दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारी चिंता है, लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही संकट नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त है। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है। दिल्ली सरकार द्वारा उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक, दफ्तरों में वर्क फ्रॉम-होम, स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई, तोड़फोड़ व निर्माण पर रोक के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसी बीच, चीन के दूतावास ने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में मदद की पेशकश की है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें दिल्ली में एक्यूआई 447 व बीजिंग में 67 दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत व चीन दोनों ही तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन ने योजनाबद्ध ढंग से उस परिदृश्य को दूर किया है, जिसमें चीन के तमाम शहर सर्दियों में स्मॉग से ढके रहते थे। हालांकि, साम्यवादी चीन व लोकतांत्रिक भारत में नीतियों के क्रियान्वयन में मूलभूत अंतर है। फिर भी चीन की सफलता से सीखा जा सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में आक्रामक ढंग से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया। वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण किया। लाइसेंस प्लेट लॉटरी व ऑड-ईवन से सड़कों पर वाहनों को कम किया। उसने बड़े मेट्रो-बस नेटवर्क को बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। करीब तीन हजार के करीब भारी उद्योगों को बीजिंग व आसपास के शहरों से हटाया गया। एक बड़ी स्टील कंपनी को हटाने से घातक कणों में बीस फीसदी की कमी आई। सबसे अधिक जोर कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों व उद्योगों पर रोक लगाने में लगा। इसके अलावा, निर्माण स्थलों पर धूल-रोधी जाली लगाने, पानी के छिड़काव-सफाई, किसानों को पराली भत्ता देने व प्रदूषण के पीक समय में निर्माण पर रोक जैसे कदम उठाए। वहां पौधारोपण को बढ़ावा दिया गया। निस्संदेह, बीजिंग व दिल्ली की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बीजिंग मॉडल पर विचार होना चाहिए। दरअसल, दिल्ली की भौगोलिक परिस्थिति बीजिंग से भिन्न है, दिल्ली लैंडलॉक्ड क्षेत्र है, आसपास समुद्री इलाका भी नहीं है। लेकिन कोयला आधारित संयंत्रों को बंद करने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने तथा औद्योगिक संस्थानों को राजधानी की सीमा से बाहर किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

धर्म की शरण

हर संसारी प्राणी अपनी सुरक्षा के लिए शरण की खोज करता है। प्राणी उपयुक्त शरण मिलने पर उसे स्वीकार भी कर लेता है। बहिर्दर्शी व्यक्ति अपने पारिवारिक जनों को शरण मानता है। परिवार के लोग किसी सक्षम सदस्य को शरण मानते हैं। किंतु वे तुम्हें त्राण और शरण देने में समर्थ नहीं हैं और तुम उनको त्राण या शरण देने में समर्थ नहीं हो। यह आगम-वाणी मनुष्य को अपनी सही स्थिति का बोध देती है। वह जब चारों ओर से अत्राण और अशरण होकर असहाय हो जाता है, उस समय उसकी अंतर्मुखी चेतना में चार प्रकार की शरण आविर्भूत होती है- अर्हत्, सिद्ध, साधु और धर्म। ये चार तत्व ऐसे हैं, जो व्यक्ति को शांत शरण दे सकते हैं। इन चारों शरणों में तीन तत्व किसी अपेक्षा से परे भी हो सकते हैं किंतु चौथा तत्व धर्म अपना निजी ही है। इसकी शरण में जाने के लिए कोई अपेक्षा नहीं केवल अपनी वृत्तियों को मोड़ने की जरूरत है।

धर्म क्या है? जो सबको समता और शांति का पाठ पढ़ाए, वह धर्म है। जिस धर्म के सहारे सुख-सुविधा के साधन जुटाए जाते हैं, प्रतिष्ठा की कृत्रिम भूख को शांत किया जाता है, प्रदर्शन और आडंबर को प्रोत्साहन दिया जाता है, उस धर्म की शरण स्वीकार करने से शांति नहीं मिल सकती। ऐसा धर्म समता का सूत्र नहीं दे सकता।

धर्म की व्याख्या में अब तक हजारों ग्रंथ लिखे जा चुके हैं, पर उनसे धर्म का सही रूप परिभाषित नहीं हो सका। क्योंकि अधिक व्याख्याकारों ने अपनी धारणा के परिवेश में उसे व्याख्यायित किया है। मेरे अभिमत से धर्म का अर्थ है स्वभाव। स्वभाव को उपलब्ध करने के लिए उसमें रमण करने की जरूरत है। जो व्यक्ति अपने स्वभाव में रमण कर लेता है, वह धर्म की शरण पा लेता है। उसे अपनी शरण उपलब्ध हो जाती है।

धर्म या स्वभाव- रमण का एक सूत्र है- पदार्थ प्रतिबद्धता का अभाव। कोई व्यक्ति अभाव या अतिभाव के कारण पदार्थ से प्रतिबद्ध नहीं होता है, वह वास्तव में धर्म नहीं है। अभाव में जो व्यक्ति संग्रह नहीं करता, वह त्यागी नहीं होता। इसी प्रकार अतिभाव में पदार्थ का विसर्जन करने वाला भी त्यागी नहीं हो सकता।

उपभोक्ता जागरूकता से समृद्ध समाज की ओर - जागरूक होंगे, तभी मिलेगा इंसाफ

योगेश कुमार गोयल

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीदारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीदारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान किए हैं, जिनमें सुरक्षा का अधिकार के तहत खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं से बचाव का अधिकार, सूचना का अधिकार के तहत वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता और कीमत की सही जानकारी का अधिकार, विकल्प का अधिकार के तहत प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं का चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, निवारण का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं और शोषण के खिलाफ न्याय का अधिकार शामिल हैं।

जहां तक उपभोक्ता की जिम्मेदारियों की बात है तो उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करें, नकली और घटिया उत्पादों से बचने के लिए प्रमाणित ब्रांड्स को ही प्राथमिकता दें, अपनी शिकायतों को दर्ज कराने में सक्रिय रहें, जागरूकता फैलाने में योगदान दें।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। दरअसल विभिन्न छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

भारतीय राजनीति में चयनात्मक संवेदनशीलता

डॉ राघवेंद्र शर्मा

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति और उस पर भारतीय विमर्श में व्याप्त चुनिंदा संवेदनशीलता एक गंभीर और विचारणीय विषय है। बांग्लादेश में दीपचंद की हालिया हत्या और भारतीय गलियारों में इसके बाद की राजनीतिक चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। यह भारतीय राजनीति का वह विद्रूप चेहरा है जो इन विसंगतियों और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने की असीमित सामग्री मुहैया कराता है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरें विचलित करने वाली रही हैं। दीपचंद की नृशंस हत्या इसी सिलसिले की एक और काली कड़ी है। लेकिन इस घटना से भी अधिक चौंकाने वाली बात है भारतीय राजनीतिक गलियारों में पसरा सन्नाटा। यह चुप्पी उस समय और भी गहरी लगने लगती है जब हम इसकी तुलना वैश्विक स्तर पर होने वाली अन्य घटनाओं से करते हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर अनुभव किया है कि मामला हमारे देश के भीतर का हो या फिर सीमा पार का, यदि वहां जुल्म का शिकार कोई हिंदू है तो तुष्टिकरण की शिकार भारतीय राजनीति में इसका चर्चा तक नहीं होता। लेकिन यदि किसी अल्पसंख्यक पर, खासकर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के साथ सात समुंदर पार भी कोई घटना घटित हो जाए तो भारत में हाय तौबा मच जाती है। हमें याद करना होगा, जब इजरायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष होता है, तो भारत की सड़कों से लेकर संसद तक विरोध की लहर देखी जाती है। मानवाधिकारों के नाम पर रैलियां निकाली जाती हैं और विदेशी धरती पर हो रहे अन्याय के खिलाफ भारतीय नेता मुखर होकर बयान देते हैं। निस्संदेह, निर्दोषों की जान कहीं भी जाए, वह दुखद है। लेकिन प्रश्न तब उठता है जब पड़ोस के देश बांग्लादेश में, जहां की संस्कृति और इतिहास भारत से गहराई से जुड़े हुए हैं, वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर अधिकांश नेता मौन साध लेते हैं। क्या ढाका में मरने वाले दीपचंद का जीवन गाजा में मरने वाले किसी व्यक्ति से कम मूल्यवान है? बेशक नहीं, किंतु तुष्टीकरण की राजनीति और चयनात्मक संवेदनशीलता इस भेदभाव को उजागर तो करती ही है। स्पष्ट तौर पर लिखा जाए तो यह सत्य है कि भारतीय राजनीति में सेकुलरिज्म अर्थात पंथ निरपेक्षता की परिभाषा वोट बैंक के समीकरणों में उलझ कर रह गई है। जब किसी घटना में पीड़ित पक्ष बहुसंख्यक समुदाय (हिंदू) से होता है, तो कई राजनीतिक दल इसे दूसरे देश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। इसके विपरीत, यदि पीड़ित पक्ष किसी विशिष्ट अल्पसंख्यक समुदाय से हो, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों के चश्मे से देखा जाने लगता है। भारतीय राजनीति में नुकसान और फायदे की सोच के चलते ऐसी प्रमुख विसंगतियाँ व्यापक पैमाने पर स्थापित हो गई हैं। इसे क्रियान्वयनों एवंप्रदर्शनों का दोहरा मापदंड भी कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए, स्वीडन में कुरान जलाने की घटना पर गौर किया जाना उचित रहेगा। हजारों किलोमीटर दूर उस राष्ट्र में मुस्लिम समाज का पवित्र ग्रंथ कुरान जलाया जाता है, लेकिन भारत के कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन होते हैं। वहीं जब पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा जाता है, हिंदुओं की हत्या की जाती है, उनके घर जला दिए जाते हैं हिंदू महिलाओं बालिकाओं के बलात्कार होते हैं, तब अधिकांश भारतीय राजनेताओं और राजनीतिक दलों की तीखी एवं त्वरित प्रतिक्रिया नदारद बनी रहती है। ऐसे में आक्रामक बयानों का तो एक प्रकार से अकाल ही पड़ जाता है। फिलिस्तीन के समर्थन में ट्वीट करने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता और राजनेता बांग्लादेशी हिंदुओं के पलायन एवं हत्याओं पर चुप्पी साध लेते हैं। तो क्या यह मान लेना अनुचित है कि भारत में मानवीय संवेदनाओं का राजनीतिकरण हो गया है। किसी भी समाज के लिए यह खतरनाक संकेत है कि उसकी संवेदनाएं पीड़ित की पहचान देखकर जागती हों। यदि अन्याय हुआ है, तो वह अन्याय है—चाहे वह मुसलमान के साथ हो या हिंदू के साथ। जब राजनेता और बुद्धिजीवी केवल एक वर्ग के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं और दूसरे वर्ग की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो वे समाज में अविश्वास की खाई को और चौड़ा करते हैं। किंतु बुद्धिजीवी लोगों को इस रहस्यमई चुप्पी के निहितार्थ स्पष्ट समझ में आते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्मों पर भारतीय राजनेताओं की

यह सुविधाजनक चुप्पी न केवल वहां के अल्पसंख्यकों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि कट्टरपंथी ताकतों को भी बढ़ावा देती है। उन्हें लगता है कि उनके कृत्यों का कोई अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विरोध नहीं होगा। लिखने का आशय यह है कि भारत हो अथवा कोई दूसरा देश, मानवाधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, चयनात्मक नहीं। यदि हम गाजा के लिए आवाज उठाते हैं, तो हमें ढाका के दीपचंद के लिए भी उतनी ही मजबूती से बोलना होगा। भारत के राजनेताओं को यह समझना होगा कि तुष्टीकरण की राजनीति अंततः न्याय के सिद्धांतों की हत्या करती है। जब तक मानवता को धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, तब तक दुनिया से अन्याय समाप्त नहीं होगा।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

60 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति-बिजनेसमैन राज कुंद्रा इन दिनों कानूनी विवादों में हैं। दरअसल, उनका नाम 60 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी और ठगी केस से जुड़ा है। उन्होंने खुद पर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। अब शिल्पा शेट्टी ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनका नाम गलत तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कंपनी में उनकी भूमिका सीमित और गैर-ऑपरेशनल थी।

शिल्पा शेट्टी की टीम की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया है, इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख हुआ है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन-एग्जीक्यूटिव था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। असल में, कई दूसरी जानी-मानी हस्तियों की तरह मैंने भी होम शॉपिंग चैनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था, जिसके लिए मुझे मिलने वाला पेमेंट अभी भी बकाया है। जारी बयान में कहा गया है कि कंपनी के रोजाना के कामकाज, फाइनेंस या फैसले लेने में उनकी (शिल्पा शेट्टी) कोई भूमिका नहीं थी।

कंपनी को करोड़ों का लोन देने की कही बात

शिल्पा शेट्टी ने आगे आरोप लगाया कि उनके परिवार ने कंपनी को एक बड़ी रकम लोन के तौर पर दी थी, जिसमें लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और वह रकम अभी भी चुकाई नहीं गई है। एक्ट्रेस ने हा, मैं यह रिकॉर्ड पर लाना चाहती हूं कि हमारे परिवार ने कंपनी को लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया है और वह रकम अभी भी बकाया है। मुझ पर आपराधिक जिम्मेदारी डालने की यह कोशिश, खासकर लगभग नौ साल की बिना किसी वजह की देरी के बाद, कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है।

बोलीं- न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, इन तथ्यों के बावजूद, मेरा नाम बेवजह कार्यवाही में घसीटा जा रहा है, जो परेशान करने वाला और गलत है। ऐसे बेबुनियाद आरोप न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि सार्वजनिक तौर पर एक महिला की गरिमा, ईमानदारी और प्रतिष्ठा को भी गलत तरीके से नुकसान पहुंचाते हैं। बयान में आगे कहा गया, बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और मैं अपने अधिकारों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उचित कानूनी उपाय करूंगी।

निधि अग्रवाल ने आठ साल में कीं आठ फिल्में, अब प्रभास संग करेंगी रोमांस

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो हैदराबाद में हुए प्रभास और निधि की फिल्म 'द राजा साब' के गाने के लॉन्च इवेंट के बाद का है। निधि इवेंट से निकलकर वापस जा रही थीं, तभी वहां मौजूद भीड़ उन पर इस तरह से टूट पड़ी कि एक्ट्रेस लोगों के बीच में फंस गईं। हालांकि, किसी भी तरह से सिक्योरिटी गार्ड्स ने निधि को उनकी कार तक पहुंचाया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग भीड़ पर नाराजगी जता रहे हैं।

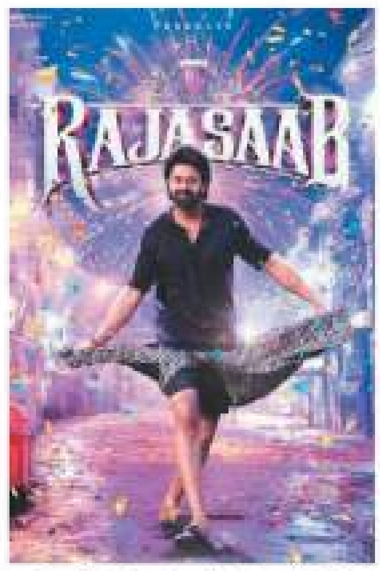

टाइगर श्रॉफ की फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम

साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म 'मुन्ना माइकल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था।

प्रभास के साथ द राजा साब में आएंगी नजर

निधि अग्रवाल अब फिल्म 'राजा साब' में नजर आएंगी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया गया है। इस फिल्म में निधि अपने से 14 साल बड़े अभिनेता प्रभास के साथ रोमांस फरमाती नजर आएंगी। 'राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। पहले इस फिल्म को 5 दिसंबर को ही रिलीज होना था, लेकिन अब फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। निधि अग्रवाल को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

भीड़ में फंसने के बाद निधि अग्रवाल का वीडियो वायरल है। कई लोग इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और वहां मौजूद लोगों के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं। तो वहीं सोशल मीडिया पर कई यूजर्स 'द राजा साब' के मेकर्स पर भी सवाल उठा रहे हैं और उनकी व्यवस्था की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस पूरे मामले पर निधि अग्रवाल, प्रभास या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2018 में तेलुगु और 2021 में तमिल सिनेमा में किया डेब्यू

बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद निधि ने साल 2018 में नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'सव्यसाची' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की। जबकि साल 2021 में उन्होंने तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत फिल्म 'ईश्वरन' से की। हिंदी फिल्म से अपनी शुरुआत करने वाली निधि अग्रवाल ने अब तक अपने करियर में तीन तेलुगु और दो तमिल फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनके खाते में 'आई स्मार्ट शंकर' को छोड़कर अब तक कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं आई है। इस साल वो पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' में भी नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं कार्तिक और अनन्या

बॉलीवुड में जब कोई जोड़ी एक बार साथ काम कर चुकी होती है और फिर लंबे समय बाद स्क्रीन पर लौटती है, तो उनके बीच का रिश्ता और काम करने का अनुभव हमेशा चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा ही कुछ कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के बीच देखने को मिल रहा है। दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं। 2018 में दोनों ने पहली बार पति, पत्नी और वो में साथ काम किया था, और अब फिल्म की रिलीज से पहले दोनों की केमिस्ट्री को लेकर काफी बातें हो रही हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कार्तिक ने अनन्या के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को साझा किया। कार्तिक ने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अनन्या के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है और हर सीन में अपने अभिनय का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह असल में बहुत मेहनती है और उनके काम को देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। कार्तिक ने अनन्या के करियर को लेकर कहा, जब अनन्या इंडस्ट्री में आई थीं, तब भी बेहद आत्मविश्वासी थीं और अब एक बेहतरीन अदाकारा बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल अभिनय का हुनर दिखाया, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आगे बढ़ाया है। मैंने अनन्या को एक बेहतर इंसान के रूप में बढ़ते हुए देखा है, और यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उन्होंने बताया कि अनन्या निर्देशक की सलाह को अच्छे से अपनाती हैं और हर सीन में एक नई ऊर्जा लाती हैं।

इमरान हाशमी ने शुरू की आवारापन 2 की शूटिंग

इमरान हाशमी को हाल ही में फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग करते हुए पेट में चोट आई थी। खबरों के मुताबिक एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान एक्टर के साथ हादसा हुआ। चोट लगने के बाद उनका इलाज किया गया। अब इमरान हाशमी ने दोबारा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इमरान हाशमी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। उन्हें एक्शन मूवमेंट्स शूट करने की मनाही है। इमरान हाशमी पर फिल्माए जाने वाले एक्शन सीन चोट ठीक हो जाने के बाद फिल्माए जाएंगे। इससे पहले इमरान हाशमी उन सीन्स को शूट करेंगे जो आसान हैं। फिल्म आवारापन 2इमरान हाशमी की 2007 में आई फिल्म आवारापन का सीक्वल है। पिछली फिल्म में इमरान हाशमी के साथ श्रेया सरन थी। इस फिल्म में दिशा पाटनी होंगी।

माधुरी दीक्षित ने अपने करियर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और फिल्मों के चयन को लेकर बात की

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित चार दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने न सिर्फ कई सुपरहिट फिल्में दीं, बल्कि बदलते दौर के साथ खुद को भी लगातार ढालती रहीं। इस बीच, उन्होंने अपने करियर के सफर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और आज के समय में फिल्मों के चयन को लेकर बात की। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, तब फिल्म इंडस्ट्री आज जैसी व्यवस्थित नहीं थी। 80 और 90 के दशक में सिर्फ कुछ ही प्रोड्यूसर ऐसे थे, जो काम को बहुत प्रोफेशनल तरीके से करते थे। इनमें यश चोपड़ा, बी. आर. चोपड़ा, सुभाष घई और राजश्री प्रोडक्शन्स जैसे नाम शामिल थे। ज्यादातर फिल्में बिना ज्यादा प्लानिंग और सुविधाओं के बनती थीं। आज की तुलना में उस समय सब कुछ काफी अव्यवस्थित हुआ करता था।

माधुरी ने कहा, पहले फिल्मों में काम करते समय कलाकारों को बहुत ज्यादा तैयारी का मौका नहीं मिलता था। शूटिंग अक्सर अचानक शुरू हो जाती थी और कलाकारों को मौके पर ही सीन समझकर शूट करना पड़ता था। आज के समय में स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। अब कलाकारों को पहले से पूरी स्क्रिप्ट मिल जाती है, किरदार पर विस्तार से काम करने का समय मिलता है और शूटिंग से पहले अच्छी तैयारी की जाती है। इससे कलाकार अपने रोल को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं। उन्होंने कहा, पहले शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। इसके मुकाबले आज फिल्म सेट पर हर सुविधा उपलब्ध होती है। माधुरी ने कहा, आज फिल्मों में किरदारों पर बहुत ज्यादा मेहनत की जाती है। अब यह पहले से तय होता है कि कलाकार क्या पहनेंगे, उनका लुक कैसा होगा, और वे किस तरह से स्क्रीन पर नजर आएंगे। शूटिंग से पहले रीडिंग सेशन और रिहर्सल भी होती है, जो पहले के समय में नहीं हुआ करती थी। इन सब बदलावों से फिल्ममेकिंग का स्तर काफी ऊपर चला गया है।

सख्त पुलिसवाले से लेकर खूंखार गैंगस्टर तक पर्दे पर इन किरदारों से जॉन अब्राहम ने मचाई 'धूम'

मॉडलिंग से अपना करियर शुरू करने वाले जॉन अब्राहम की गिनती इंडस्ट्री के प्रमुख अभिनेताओं में होती है। दो दशक से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में जॉन कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। एक्टिंग के अलावा जॉन अब्राहम अपने लुक और बॉडी को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। अपनी फिल्मों के अलावा उन्होंने कई अन्य सफल फिल्मों का भी निर्माण किया है।

कबीर (धूम)

साल 2004 में आई फिल्म 'धूम' में जॉन अब्राहम ने कबीर नाम के एक चोर की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम का लुक और बाइक चलाने का उनका स्वैग लोगों को काफी पसंद आया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इस फिल्म को एक ट्रेंड सेटर फिल्म माना जाता है, जिसने बड़े बालों वाले लुक और बाइक के प्रति लोगों की दीवानगी में इजाफा किया था।

श्याम या सैम (गरम मसाला)

चोर बनकर लोगों का दिल चुराने के बाद जॉन अब्राहम साल 2005 में आई कॉमेडी फिल्म 'गरम मसाला' में श्याम उर्फ सैम के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में जॉन अब्राहम अक्षय कुमार के साथ प्रमुख भूमिका में थे। फिल्म में दोनों दोस्त बने हैं। फिल्म में जॉन की कॉमिक टाइमिंग ने सभी को हैरान किया था।

के (नो स्मोकिंग)

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'नो स्मोकिंग' भले ही बॉक्स ऑफिस पर सफल न रही हो, लेकिन फिल्म को क्रिटिक्स से काफी सराहना मिली थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने के नाम के एक चेन स्मोकर की भूमिका निभाई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में जॉन अब्राहम के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी।

सनी भसीन (गोल)

2007 में आई फिल्म 'गोल' एक स्पोर्ट ड्रामा है, जो फुटबॉल पर आधारित है। फिल्म में क्लब फुटबॉल से लेकर नेशनल लेवल तक के फुटबॉल खेल को दिखाया गया है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने सनी भसीन नाम का किरदार निभाया है, जो एक अच्छा फुटबॉल प्लेयर होता है। जॉन अब्राहम असल जिंदगी में भी काफी अच्छी फुटबॉल खेल लेते हैं।

कुणाल चौहान (दोस्ताना)

फिल्म 'दोस्ताना' दो दोस्तों की कहानी है। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में सैम (अभिषेक बच्चन) और कुणाल (जॉन अब्राहम) रेंट पर घर लेने के लिए समलैंगिक कपल होने का नाटक करते है। इसके बाद लोग उन्हें असल में भी समलैंगिक समझने लगते है। फिल्म में जॉन अब्राहम की बॉडी और लुक्स की काफी चर्चा हुई थी। यह फिल्म उनके करियर की अहम फिल्मों में शामिल है।

मान्या सुर्वे (शूटआउट एट वडाला)

संजय गुप्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' में जॉन अब्राहम ने मान्या सुर्वे का किरदार निभाया है। मान्या 1970-80 के दशक में मुंबई का एक शिक्षित और खूंखार गैंगस्टर रहा है। इस गैंगस्टर के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे थे और उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ भी हुई थी।

समीर शेख (न्यूयॉर्क)

कबीर खान की फिल्म 'न्यूयॉर्क' जो 9/11 हमलों के बाद न्यूयॉर्क में रहने वाले तीन दोस्तों (जॉन अब्राहम, कटरीना कैफ और नील नितिन मुकेश) की कहानी है। फिल्म में जॉन ने समीर शेख उर्फ सैम की भूमिका निभाई है, जो आतंकवाद का गलत आरोप लगने के बाद आतंकी गतिविधियों में शामिल हो जाता है।

विक्रम सिंह (मद्रास कैफे)

साल 2013 में आई फिल्म 'मद्रास कैफे' सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म है। शुजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने भारतीय खुफिया जासूस विक्रम सिंह की भूमिका निभाई है। 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में श्रीलंका के गृहयुद्ध और भारतीय हस्तक्षेप से प्रेरित इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या और उसकी जांच को दिखाया गया है।

एसीपी संजय कुमार (बाटला हाउस)

2018 में दिल्ली के बाटला हाउस में हुए एनकाउंटर पर आधारित फिल्म 'बाटला हाउस' में जॉन अब्राहम ने एसीपी संजय कुमार की भूमिका निभाई है। असल पुलिस वाले के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे हैं।

जिम (पठान)

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम ने विलेन की भूमिका निभाई है। फिल्म में जॉन ने जिम नाम के पूर्व रॉ एजेंट और आउटफिट एक्स नाम के आतंकी संगठन के सरगना का किरदार निभाया है। शाहरुख खान स्टारर इस फिल्म में जॉन एक खूंखार, शक्तिशाली और दहशत फैलाने वाले विलेन के किरदार में नजर आए हैं।

आज से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे रोहित, विराट और ऋषभ सहित कई सितारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत सहित कई स्टार क्रिकेटर बुधवार से यहां शुरु होने वाले घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे। ये टूर्नामेंट एकदिवसीय प्रारुप में खेला जाएगा। ऐसे में इन सभी क्रिकेटरों का इससे अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। आजकल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच कम होते हैं, ऐसे में इससे रोहित और विराट को विशेष लाभ होगा क्योंकि इन दोनो ने ही अन्य प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। इस टूर्नामेंट से इन दोनों को ही अपनी लय बनाये रखने का अवसर मिलेगा। दोनो का ही लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल की शुरुआत के लिए होने वाली एकदिवसीय सीरिज के लिए अपनी दावेदारी बरकरार रखना रहेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित, विराट और ऋषभ के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा भी खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल में सभी खिलाड़ियों को फिट होने पर घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसी कारण अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

रोहित इसमें एक दशक जबकि विराट 15 साल बाद खेलते दिखेंगे। ये दोनो इसलिए भी इसमें खेल रहे हैं ताकि 2027 एकदिवसीय विश्वकप की दौड़ में बने रहें। इन दोनों को पता है कि स्टार खिलाड़ी होने के बाद भी टीम में कई नई प्रतिभाएं हैं, ऐसे में इनपर अपने को बेहतर साबित करने का दबाव रहेगा।

रोहित ने कहा है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। वहीं कोहली ने अभ्यास किया और कहा कि वह दिल्ली की ओर से दो से तीन मैच खेलेंगे।

दिल्ली एलीट ग्रुप डी में अपना पहला मैच बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ खेलेगा। यह मैच या तो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में या बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके बाद दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के लिए उनके चयन पर कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा पर कोहली और रोहित जानते हैं कि युवा खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन की टीम में वापसी से साफ है कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में खराब प्रदर्शन नुकसान देह होगा।

रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य स्टा खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसमें दिल्ली के कप्तान ऋषभ और शुभमन जैसे खिलाड़ी हैं। ऋषभ पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। यही हाल शुभमन का भी है। वह भी टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं पर सीमित ओवरों की रन नहीं बना पा रहे हैं। इसी कारण ऋषभ की तरह व भी टी20 विश्वकप से वह बाहर है। अब ये दोनों ही बेहतर प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। कारके राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। इस ऋषभ ने अगस्त 2024 के बाद से एकदिवसीय या टी20 अंतराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेला है।

वहीं शुभमन को भी उपकप्तान होने के बाद भी टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वह पंजाब की ओर से खेलते हुए हुए बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। करेगा। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरिज से पहले एक अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट में चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी।

वहीं भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में ये भी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने की दावेदारी पेश करेंगे।

पीएम मोदी से मिले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा... पत्नी भी रही मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास (7) से तस्वीरें सामने आई हैं, जहां उन्होंने भारतीय स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर की मेजबानी की। तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ी के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत करते दिख रहे हैं।

बता दें कि नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा के लिहाज से 2025 का साल उनके लिए मिला-जुला रहा। उनके सीजन की एक बड़ी उपलब्धि दोहा डायमंड लीग में दिखाई दी। जहां उन्होंने 90 मीटर का बहुप्रतीक्षित आंकड़ा छू लिया। 90.23 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो एक व्यक्तिगत उपलब्धि थी, हालांकि यह स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के बेहतर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे नीरज को दूसरे स्थान पर रहना पड़ा है।

हार के बावजूद, नीरज ने अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक दोनों में जीत हासिल की। डायमंड लीग सीजन के दौरान, वे दौड़ रैंकिंग में कुल मिलाकर दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा के लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर साबित हुई।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर, नीरज को 2025 में भी जश्न मनाने के कारण मिले। उन्होंने बेंगलुरु में पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक की मेजबानी की, जिसमें दुनिया भर के एथलीटों ने भाग लिया। घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ टूर्नामेंट जीता, जबकि जूलियस येगो और रमेश पथिराने क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

नोवाक जोकोविच ने चुना अनोखा ट्रेनिंग पार्टनर, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी तेज

माल्टा (एजेंसी)। एटीपी टूर के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी के लिए अपने ऑफ-सीजन में एक नए और अप्रत्याशित ट्रेनिंग पार्टनर के साथ अभ्यास शुरू किया है। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार अपने करियर के अंतिम पड़ाव में होने के बावजूद लगातार शीर्ष पर बने रहने की कोशिश में है।

जोकोविच ने चुना युवा फ्रेंच खिलाड़ी

जोकोविच ने 23 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी आर्थर काजॉक्स के साथ ट्रेनिंग शुरू की है। काजॉक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, %तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और ब्रब्रद्गरुद्धह्वष्टद्मब्द के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं।% यह साझेदारी इस लिहाज से भी हैरान करने वाली है कि काजॉक्स अभी टूर पर अपेक्षाकृत नया खिलाड़ी है।

आर्थर काजॉक्स का 2025 में प्रदर्शन

काजॉक्स ने 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने फिट्जक्वेल अक्कफाइनल में खेलते हुए उल्लेखनीय खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन ने उन्हें जोकोविच के लिए एक आकर्षक ट्रेनिंग पार्टनर बना दिया।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कमाल, टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर में पहली बार टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। वहीं दूसरी ओर, आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की वनडे सीरीज के समापन के बाद, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड ने वनडे बल्लेबाज के रूप में नंबर 1 स्थान पुनः प्राप्त कर लिया है, जो हाल ही में स्मृति मंधाना ने उनसे छीना था।

ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड अगस्त से टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज थीं, लेकिन विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ दीप्ति के चार ओवरों में 1/20 के हालिया स्पेल ने भारतीय स्टार को शीर्ष पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने भारत की आठ विकेट की जीत से पांच रेटिंग अंक अर्जित किए और 28 वर्षीय खिलाड़ी अब टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी से एक अंक की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं।

वनडे बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में मंधाना दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं, वहीं वोल्वार्ड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार शतक लगाकर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वोल्वार्ड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ खेले गए अंतिम दो मैचों में शतक बनाए और प्रोटियाज ने श्रृंखला 3-0 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका की बेहद सुसंगत कप्तान ने अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल की और एक स्थान ऊपर चढ़कर मंधाना को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं।

उनकी साथी खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 36वें स्थान पर) ने भी श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच के बाद टी20इ गेंदबाजों की रैंकिंग में बढ़त हासिल की है, वहीं उनकी हमवतन जेमिमा रोड्रिग्स टी20आई बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में सबसे आगे हैं, जो पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। रोड्रिग्स ने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और वह टी20 अंतराष्ट्रीय बल्लेबाजों की शीर्ष 10 सूची में शामिल हो गईं, जहां वह साथी भारतीय खिलाड़ी मंधाना (तीसरे स्थान पर) और शेफाली वर्मा (10वें स्थान पर) के साथ शामिल हो गईं।

पेज एक का शेष

कैबिनेट के फैसले....

- पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) झारखंड नियमावली- 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत पूरक पोषाहार कार्यक्रम अंतर्गत टेक होम राशन के रूप में माइक्रोन्यूट्रिएंट फोर्टिफाइड फूड के वितरण के लिए नौ माह के लिए मौजूदा निर्माणकर्ता से प्राप्त करने के लिए अनुबंध अवधि विस्तार की मंजूरी दी गई।
- मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों के संचालन के लिए मार्गदर्शिका की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से दिए गए आदेश पर झारखंड अग्निशमन सेवा के अराजपत्रित पदों का छठा वेतन पुनरीक्षण को लेकर स्वीकृत वेतनमान और ग्रेड पे में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर उदय शंकर सिन्हा, पूर्व लिपिक (वादी पत्नी इंदु देवी) की सेवा नियमित करते हुए उन्हें वित्तीय लाभ देने का निर्णय लिया गया।

- प्री बजट कार्यशाला के आयोजन के लिए वित्त नियमावली के नियम-235 को शिथिल करते हुए संत जेवियर कॉलेज की सहायक प्राध्यापक डॉ सीमा अखौरी और उनकी टीम का नॉलेज पार्टनर के रूप में मनोनयन के आधार पर चयन की स्वीकृति दी गई।
- राज्यस्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत शिक्षक और समन्वयक का मानदेय राशि की वृद्धि की स्वीकृति दी गई।
- 21 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्रावास निर्माण के लिए 2.43 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त मानक प्राक्कलन के आधार पर कुल 51.16 करोड़ रुपये की लागत पर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- साहेबगंज सदर अस्पताल की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मिनी सिन्हा के अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।
- ओरमांझी की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दंत चिकित्सक डॉ रीना को अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया गया।
- वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वनरक्षियों को प्रधान वनरक्षी के पद पर प्रोन्नति के लिए झारखंड राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली-2024 को एक बार के लिए शांत करने की स्वीकृति दी गई।
- राज्य अन्तर्गत सरकारी सेवाओं में राजपत्रित और अराजपत्रित पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए आयु सीमा का निर्धारण की स्वीकृति दी गई।
- झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (मैट्रिक / 10वीं स्तर) संचालन नियमावली-2015 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (इंटरमीडिएट / प्लस टू स्तर कम्प्यूटर ज्ञान और कम्प्यूटर में हिन्दी टंकण अर्हता धारक पद के लिए) संचालन नियमावली-2017 (समय-समय पर यथासंशोधित) में संशोधन की मंजूरी दी।
- झारखंड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (इंटरमीडिएट / प्लस टू स्तर) संचालन नियमावली-2015 (समय-समय पर यथा संशोधित) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर मामलों में पारित आदेश को लेकर संबंधित दो वादीगणों (सेवानिवृत लिपिकों) की सेवा नियमित करते हुए उन्हें मान्य आर्थिक लाभ देने का फैसला लिया गया।
- परिवहन निदेशालय (परिवहन आयुक्त कार्यालय) के अंतर्गत मोटरयान निरीक्षक का 21 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।
- ज्योत्सना सिंह, झारखंड की एजएलपी ज्योत्सना सिंह बनाम झारखंड राज्य और अन्य मामले में उच्च न्यायालय की ओर से पारित न्यायादेश के पालन को लेकर संयुक्त सचिव और समकक्ष कोटि में प्रोन्नति देते हुए प्रोन्नत पद का वित्तीय लाभ देने की मंजूरी दी गई।
- राज्य के ऐसे जीर्ण-शीर्ण सरकारी कार्यालय आवासीय परिसरों के पुनर्विकास के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ एमओयू के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग स्टैंडर्ड प्रोसीडयोर) की स्वीकृति दी गई।
- षष्ठम झारखंड विधानसभा के चतुर्थ (शीतकालीन) सत्र के सत्रावसान पर कैबिनेट की स्वीकृति दी गई।
- मनोनयन के आधार पर कृषि, विभाग (पशुपालन प्रभाग), झारखंड सरकार अन्तर्गत कांके स्थित बेकन फैक्ट्री को पुनर्जीवित करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-एनआरसीएम), हैदराबाद की परामर्शी सेवा लेने के लिए एकरारनामा प्रारूप पर स्वीकृति दी गई।
- मनोनयन के आधार पर भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर) बेंगलुरु की सेवा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार के अन्तर्गत उद्यान निदेशालय की ओर से लिये जाने और इसके लिए एमओयू के प्रारूप पर स्वीकृति दी गई।
- पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोटो अंचल के मौजा नीमडीह में रकबा 57.50 एकड़ भूमि को मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लातेहार जिला में आवंटित चकला कोल ब्लॉक में अपयोजित वन भूमि के एवज में 13.36 करोड़ रुपए के भुगतान पर क्षतिपूरक वनरोपण के लिए वन विभाग को देने का निर्णय लिया गया।
- पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी अंचल के जेटेया मौजा स्थित डुमरजोड़ा और बालजोड़ी में रकबा 284.89 एकड़ गैरमजरुआ भूमि मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लातेहार जिला में आवंटित चकला कोल ब्लॉक में अपयोजित वन भूमि के एवज में 30.80 करोड़ रुपये के भुगतान पर क्षतिपूरक वनरोपण के लिए देने का फैसला लिया गया।
- झारखंड राज्य कारा लिपिक-सह-कम्प्यूटर संचालक संवर्ग नियमावली-2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।
- पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुण्डी अंचल के बोकना मौजा के रकबा 136.32 एकड़ भूमि मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लातेहार जिला में आवंटित चकला कोल ब्लॉक में अपयोजित वन भूमि के एवज में कुल 22.27 करोड़ रुपए के भुगतान पर क्षतिपूरक वनरोपण के लिए वन विभाग को देने का निर्णय लिया गया।
- झारखंड संस्कृति संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति और सेवा शर्त) नियमावली-2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।
- मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना-के तहत दि फोरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ), ब्रिटिश हाई कमिशन एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के बीच द्विपक्षीय एमओयू की अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई।

सुनील गावस्कर को मिली पर्सनैलिटी राइट्स की कानूनी सुरक्षा, बने पहले स्पोर्ट्सपर्सन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इतिहास रचते हुए पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की न्यायिक सुरक्षा पाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के इस अहम फैसले ने न केवल खेल जगत बल्कि डिजिटल कानून और सेलिब्रिटी अधिकारों के क्षेत्र में भी एक नई मिसाल कायम की है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनील गावस्कर के नाम, तस्वीर और पहचान के कथित गलत इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी उल्लंघनकारी पोस्ट, वीडियो और संबंधित कंटेंट को 72 घंटे के भीतर हटाया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि संबंधित अकाउंट या यूजर ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी होगी कि वे स्वयं ऐसे कंटेंट को हटाएं।

नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम को नये साल की शुरुआत में अपनी ही धरती पर न्यूजीलैंड से तीन एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरिज खेलनी है। इस सीरिज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इस दौरान भारतीय टीम को आठ अंतराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। टीम का पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में जबकि दूसरा 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा वहीं तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 18 दिसंबर को इंदौर में खेला जाएगा। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे।

एकदिवसीय सीरिज के बाद टी20 मैचों की सीरिज होगी। इससे भारतीय टीम को फरवरी में अपनी ही धरती पर खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। विश्वकप से पहले इस सीरिज से भारतीय टीम को अभ्यास का अंतिम अवसर मिलेगा। सीरिज का पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में होगा। तीसरा टी20 भारत 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेलेगा वहीं चौथा मैच 28 को विशाखापत्तनम में जबकि सीरिज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच 31 जनवरी 2026 को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। ये सभी मैच शाम 7:00 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम विश्व कप में खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक 120 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 62 जबकि न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं। वहीं सात मैचों का परिणाम नहीं निकला है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले गये हैं। इसमें 14 में भारतीय टीम। वहीं 10 में न्यूजीलैंड जीती है जबकि एक मैच टाई रहा है। टी20 विश्वकप और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरिज के लिए सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते FIH विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया - FIH हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक - जिससे एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उभरती हुई टीमों ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

स्पेन (2777) टॉप-10 रैंकिंग में साल के सबसे बड़े फायदे में रहने वालों में से है, क्योंकि वे पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साल की शुरुआत आठवें स्थान पर की थी! स्पेन की यह बढ़त ऑस्ट्रेलिया (2758), जर्मनी (2734) और इंग्लैंड (2510) की कीमत पर हुई है, जो सभी एक-एक स्थान नीचे गिर गए हैं, और साल का अंत छठे, सातवें और आठवें स्थान पर किया है। न्यूजीलैंड (2319) जिसने 2025 में महिलाओं का एफआईएच हॉकी नेशंस कप और ओसेनिया कप जीता था, वह भारत (2315) से ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गया है, जिसे 2025 में प्रो लीग से बाहर होना पड़ा था।

जापान (2186) और संयुक्त राज्य अमेरिका (2172) दो स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें और बारहवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि आयरलैंड (2030) और चिली (1999) तेरहवें और पंद्रहवें स्थान पर आ गए हैं, स्कॉटलैंड (2015) चौदहवें स्थान पर है। कोरिया (1864) सोलहवें स्थान पर बना हुआ है, उसके बाद फ्रांस (1742) है जिसकी एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में जीत ने उसे तीन स्थान ऊपर चढ़ने में मदद की। इटली (1737), उरुग्वे (1736) और दक्षिण अफ्रीका (1670) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि कनाडा (1668) और मलेशिया (1667) बस थोड़ा ही पीछे हैं!

पुरुषों की रैंकिंग में नीदरलैंड (3376) और बेल्जियम (3225) टॉप दो स्थानों पर बने हुए हैं, लेकिन साल की शुरुआत की तुलना में नीचे काफी बदलाव हुए हैं! जर्मनी (3116) एक सफल यूरोहॉकी अभियान के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर आ गया है, उसके बाद अर्जेंटीना (3022) है जो साल की शुरुआत में आठवें स्थान पर रहने के बाद चौथे स्थान पर आ गया है! ऑस्ट्रेलिया (3007) और स्पेन (2995) पांचवें और छठे स्थान पर एक-एक स्थान ऊपर चढ़े हैं, उसके बाद इंग्लैंड (2864) और भारत (2845) हैं जिन्हें सबसे बड़ा नुकसान हुआ है, जो साल की शुरुआत में क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर थे।

फ्रांस (2371) नौवें स्थान पर बना हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड (2254) और आयरलैंड (2246) ने साल की शुरुआत से एक-दूसरे के साथ जगह बदली है। दक्षिण अफ्रीका (2127) और मलेशिया (2097) बारहवें और तेरहवें स्थान पर स्थिर हैं। एफआईएच हॉकी प्रो लीग में प्रमोशन के बाद, पाकिस्तान (2034) चौदहवें स्थान पर एक स्थान ऊपर चढ़ गया है, उसके बाद वेल्स (1989) और कोरिया (1981) हैं। मिस्र (1956) जिसने एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में शानदार डेब्यू किया था, इस साल सबसे ज्यादा ऊपर चढ़ने वाली टीमों में से एक है, जो सत्रहवें स्थान पर है।

जापान (1982), कनाडा (1863) और स्कॉटलैंड (1843) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि ऑस्ट्रिया (1805), चिली (1727), चीन (1723), पोलैंड (1694) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1690) अगले पांच स्थानों पर हैं। एफआईएच ने 1 जनवरी 2020 को जो रैंकिंग कैलकुलेशन मॉडल पेश किया, वह पिछले टूर्नामेंट-आधारित रैंकिंग सिस्टम से हटकर एक डायनामिक, मैच-आधारित तरीके पर आ गया है, जहां विरोधी टीमें ऑफिशियल एफआईएच द्वारा मंजूर किए गए गेम्स में पॉइंट्स का आदान-प्रदान करती हैं। एक्सचेंज किए जाने वाले पॉइंट्स की संख्या मैच के नतीजे, टीमों की रिलेटिव रैंकिंग और मैच के महत्व पर निर्भर करती है।

संक्षिप्त समाचार

बिनाका गीतमाला का केंद्र रही श्रीलंका रेडियो सेवा के 100 वर्ष पूरे

कोलंबो, एजेंसी। हिंदी फिल्म संगीत को बिनाका गीतमाला जैसे अनूठे साप्ताहिक कार्यक्रम के जरिये लोकप्रिय बनाने वाली श्रीलंका की रेडियो सेवा ने इस हफ्ते अपने 100 वर्ष पूरे कर लिए। श्रीलंका की यह रेडियो सेवा पूरे भारत में कभी रेडियो सीलोन के नाम से लोकप्रिय थी। श्रीलंका की रेडियो सेवा आधिकारिक तौर पर 16 दिसंबर, 1925 को शुरू की गई थी। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, यह एशिया का पहला व्यावसायिक शॉर्ट-वेव स्टेशन था। हांगकांग में बदमाशों ने चाकू की नोक पर 6.4 अरब डॉलर लूटे हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग में चाकू की नोक पर 6.4 अरब डॉलर की लूट मामले में चीन के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना शुंग वान क्षेत्र में मनी एक्सचेंज शॉप में हुई। उस समय दो कर्मचारियों से तीन बदमाशों ने चाकू की नोक पर रुपये से भरे चार सूटकेस लूट लिए। कर्मचारी यह राशि बैंक में जमा कराने जा रहे थे। पुलिस को संदिग्धों का फरार वाहन मिल गया है। लूट में कुल चार लोग शामिल थे। हालांकि, केवल 43 वर्षीय एक शख्स ही पकड़ा गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नेपाल में विश्व ध्यान दिवस पर विशेष कक्षाएं, 50 हजार लोगों ने किया ध्यान

काठमांडो, एजेंसी। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर रविवार को नेपाल में विशेष कक्षाएं आयोजित की गईं। आर्ट ऑफ लिविंग की नेपाल इकाई की तरफ से देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चले कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक लोगों ने ध्यान अभ्यास किया। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित विश्व ध्यान दिवस हर वर्ष 21 दिसंबर को विश्वभर में मनाया जाता है। इस बार दूसरा विश्व ध्यान दिवस था। आर्ट ऑफ लिविंग नेपाल के अनुसार, देश के विभिन्न विद्यालयों, कॉलेजों, शैक्षिक संस्थानों, सरकारी व निजी कार्यालयों, पुलिस, नेपाली सेना की इकाइयों तथा सामुदायिक केंद्रों में ध्यान सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, एक हजार से अधिक प्रतिभागियों ने सात दिवसीय विशेष ध्यान अभ्यास पूरा किया। आयोजकों के अनुसार, सभी सत्र प्रशिक्षित शिक्षकों व स्वयंसेवकों के सहयोग से संचालित किए गए। मुख्य कार्यक्रम काठमांडो के शंखमूल स्थित आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुधा शर्मा ने बदलती जीवनशैली, तनाव, चिंता व अवसाद के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि होने की बात कही। उन्होंने इन समस्याओं की रोकथाम और प्रबंधन में ध्यान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

पाकिस्तान को मिला तुर्किये की चापलूसी का इनाम, नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत पीएनएस खैबर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी नौसेना को तुर्किये की चापलूसी का इनाम मिला है। तुर्किये में बनाया गया दूसरा एमआईएलजीईएम श्रेणी का जहाज रविवार को इस्लामाबाद को मिल गया है। यह जहाज दोनों देशों के बीच तकनीक हस्तांतरण समझौते क तहत बनाया गया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में कहा, इस्तांबुल नेवल शिपयार्ड में आयोजित एक समारोह में पीएनएस खैबर को कमीशन किया गया। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईब एर्दोआन और पाकिस्तान की नौसेना के प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ इस समारोह में मौजूद थे। बयान में दावा किया गया कि पीएन एमआईएलजीईएम जहाज आधुनिक तकनीक वाले सतह युद्धपोत हैं। ये जहाज नवीनतम कमान एवं नियंत्रण प्रणाली से लैस है, जिन्हें आधुनिक हथियारों और सेंसर्स के साथ जोड़ा गया है।

मुनीर बोले- भारत से जंग में अल्लाह की मदद मिली:नहीं तो हालात बिगड़ जाते

मई में भारत ने 11 पाकिस्तानी एयरबेस तबाह किए थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत के साथ मई में हुए सैन्य संघर्ष में अल्लाह की मदद मिलने का दावा किया। उन्होंने कहा कि हमने इसे महसूस किया, जिसकी वजह से हालात पूरी तरह बिगड़ने से बच गए। मुनीर ने यह बयान 10 दिसंबर को इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कॉन्फ्रेंस में दिया। उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए।

भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिन तक भारी गोलीबारी और सैन्य टकराव हुआ, जो 10 मई को समझौते के बाद रुका। संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए थे।

मुनीर बोले- इस्लामी देशों में पाकिस्तान का खास दर्जा- अपने भाषण में मुनीर ने धार्मिक बातों पर जोर देते हुए पाकिस्तान की तुलना 1400 साल पहले पैगंबर मोहम्मद द्वारा स्थापित इस्लामी राज्य से की।

उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं और कहा कि इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान को खास दर्जा मिला है। मुनीर ने कहा कि दुनिया में 57 इस्लामी देश हैं, लेकिन अल्लाह ने पाकिस्तान को हरमैन शरीफैन यानी मक्का और मदीना की हिफाजत का सम्मान दिया है।

कहा- अफगानिस्तान टीटीपी और पाकिस्तान में से एक को चुने- मुनीर ने पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा हालात पर भी बात की और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से कहा कि वह पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) में से किसी एक को चुने। मुनीर का आरोप है कि पाकिस्तान में घुसपैठ करने वाले ज्यादातर आतंकियों में करीब 70% अफगान हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पाक नागरिकों के खून के लिए अफगानिस्तान जिम्मेदार नहीं है। मुनीर ने यह भी कहा कि किसी इस्लामी देश में जिहाद का ऐलान करने का अधिकार सिर्फ उस देश को होता है। बिना सरकार की इजाजत कोई फतवा जारी नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की ज्यादातर आंतरिक समस्याओं के लिए अफगानिस्तान से आए हुए लोग जिम्मेदार हैं।

आसिम मुनीर पहले भी कट्टरपंथी बयान दे चुके हैं- आसिम मुनीर पहले भी कई बार कट्टरपंथी बयान दे चुके हैं। उन्होंने इसी साल अप्रैल में कहा था कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई थी। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंदुओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं।

इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा था- आज तक सिर्फ दो रियासतें हैं जो कलमे की बुनियाद पर पड़ीं। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई।

4 दिसंबर को सीडीएफ नियुक्त हुए पाकिस्तान सरकार ने 4 दिसंबर को आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) नियुक्त किया था। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। मुनीर पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो एकसाथ सीडीएफ और सीओएएस दोनों पद संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नियुक्ति की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को समरी भेजी थी। मुनीर को इसी साल फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था।

पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था। इसके तहत मुनीर को सीडीएफ बनाया गया। इस पद के मिलते ही उन्हें पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल गई यानी वे देश के सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं। दरअसल 29 नवंबर 2022 को जनरल आसिम मुनीर को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका मूल कार्यकाल तीन साल का था, यानी 28 नवंबर 2025 को खत्म हो गया।

इंडोनेशिया में बस एक्सीडेंट में 15 लोगों की मौत, 34 लोग सवार थे

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के जावा आइलैंड पर आधी रात के बाद एक पैसेंजर बस हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बस में कुल 34 लोग सवार थे। ड्राइवर टोल रोड पर बस से कंट्रोल खो बैठा, जिसके बाद बस एक कंक्रीट की दीवार से टकराई, फिर पलटकर सड़क किनारे गिर गई।

रेस्क्यू एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि यह इंटर स्टेट बस राजधानी जकार्ता से देश के ऐतिहासिक शहर योग्या जा रही थी। हादसा होते ही बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

10 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ा- पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार हुई बस राजधानी जकार्ता से प्राचीन शाही शहर योग्यकार्ता जा रही थी। हादसे में कई लोग घायल भी हुए है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुडियोनो ने कहा, 'तेज टक्कर से कई यात्री बाहर गिर गए और बस की बॉडी में फंस गए।

' पुलिस और बचाव दल दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पहुंचे और घटनास्थल पर मारे गए छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि अन्य 10 लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई।

घायलों में से कई की हालत गंभीर- हादसे में 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है और 13 अन्य लोग भी गंभीर रूप से चोटिल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दिखाया गया कि पीली बस अपने किनारे पर पलटी हुई थी और नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के कर्मियों, पुलिस और राहगीरों से घिरी हुई थी, जबकि एम्बुलेंस पीड़ितों और मृतकों को ले जा रही थी।

दक्षिण अफ्रीका में शराबखाने के पास मास शूटिंग, 10 की मौत, 10 घायल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमले का मकसद फिलहाल स्पष्ट नहीं है। गौतेंग प्रांत की पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर ब्रेंडा मुरीडिली ने बताया कि कुछ पीड़ितों को सड़कों पर अचानक गोली मारी गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। यह गोलीबारी बेकर्सडाल के एक शराबखाने के पास हुई। घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश जारी है।

यह इस महीने दक्षिण अफ्रीका में दूसरी बड़ी गोलीबारी की घटना है। इससे पहले 6 दिसंबर को राजधानी प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल में हुई फायरिंग में 12 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें एक तीन साल का बच्चा भी शामिल था। पुलिस के मुताबिक, उस हॉस्टल में अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी। 6.3 करोड़ की आबादी वाले दक्षिण अफ्रीका में अपराध की दर बेहद अधिक है और यह दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां हत्या की दर सबसे ज्यादा है।

भूकंप से हिला तिब्बत, 3.5 मापी गई तीव्रता

ल्हासा , एजेंसी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार रविवार को तिब्बत में 3.5 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी साझा करते हुए बताया कि भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर भारतीय समयानुसार रात 8:29 बजे आया। 'भूकंप की तीव्रता: 3.5, दिनांक: 21/12/2025, भारतीय समयानुसार रात 8:29:27 बजे, अक्षांश: 28.51 उत्तर, देशांतर: 87.57 पूर्व, गहराई: 10 किमी, स्थान: तिब्बत। इससे पहले 5 दिसंबर को तिब्बत में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। बता दें कि उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। इसका कारण यह है कि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों को सतह तक पहुंचने के लिए कम दूरी तय करनी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप जमीन में अधिक कंपन होता है और इमारतों को अधिक नुकसान और अधिक जानमाल का नुकसान होने की संभावना रहती है। तिब्बती पठार विवर्तनिक प्लेटों के टकराव के कारण अपनी भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 130 स्कूली बच्चे और स्टाफ सुरक्षित रिहा : अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया में पिछले महीने अगवा किए गए 130 स्कूली बच्चों और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित रिहा कर लिया गया है। पुलिस ने रविवार को इसकी पुष्टि की। 21 नवंबर को हथियारबंद लोगों ने नाइजर राज्य के सेंट मैरी कैथोलिक स्कूल पर हमला कर कम से कम 303 बच्चों और 12 शिक्षकों का अपहरण कर लिया था। घटना के कुछ घंटों बाद 50 बच्चे भागने में सफल रहे थे, जबकि इस महीने की शुरुआत में 100 बच्चों को रिहा किया गया था। पुलिस के अनुसार, अब बाकी बचे सभी 130 पीड़ितों को भी छोड़ दिया गया है। इनमें स्कूल का स्टाफ भी शामिल है। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बच्चों को सोमवार को राज्य की राजधानी मिना लाया जाएगा, जहां वे क्रिसमस से पहले अपने परिवारों से मिल सकेंगे। सरकार ने कहा कि यह रिहाई सेना और खुफिया एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई के बाद संभव हुई। हलांकि, अब भी कुछ बच्चों और शिक्षकों की स्थिति को लेकर पूरी जानकारी साझा नहीं की गई है।

फिलीपींस ने चीनी आयात पर ब्रेक बढ़ाया, 2026 तक रहेगा प्रतिबंध : मनीला, एजेंसी। फिलीपींस सरकार ने चीनी आयात पर लगे प्रतिबंध को दिसंबर 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया है। देश के कृषि विभाग ने कहा कि घरेलू चीनी उत्पादन में सुधार और बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए आयात पर रोक को और लंबी अवधि के लिए जारी रखना जरूरी है। कृषि मंत्री फ्रांसिस्को तिउ लॉरेल ने कहा,चीनी उत्पादन और मांग के मौजूदा आकलन के आधार पर, पहले सुझाई गई अवधि से ज्यादा लंबे आयात प्रतिबंध की आवश्यकता है।उन्होंने बताया कि देश में कच्ची चीनी का घरेलू उत्पादन मजबूत हुआ है, इसलिए सरकार की प्राथमिकता स्थानीय चीनी को बढ़ावा देना और बाजार को स्थिर बनाए रखना है। बतौर शुगर बोर्ड के अध्यक्ष, तिउ लॉरेल ने कहा कि शुगर रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन अब रिफाइनरियों की गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखेगा, ताकि स्टैंडर्ड और प्रीमियम रिफाइंड शुगर के भंडार की सटीक जानकारी बनी रहे। इस बीच, फिलीपींस सांख्यिकी प्राधिकरण ने 9 दिसंबर को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर महीने में देश का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत हुआ है। उत्पादन मूल्य सूचकांक में सालाना आधार पर 1.7% की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं उत्पादन मात्रा सूचकांक भी बढ़कर 1.4 प्रतिशत हो गया। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा योगदान कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों के निर्माण से आया, जिसमें 16.8% की तेज वृद्धि दर्ज हुई।

इस्राइली सेना ने गाजा युद्धविराम का उल्लंघन करने वाले आतंकवादियों पर बरसाई गोलियां

गाजा, एजेंसी। इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि रविवार सुबह उत्तरी गाजा पट्टी में तैनात यरुशलम ब्रिगेड की लड़ाकू टीम के जवानों ने येलो लाइन के पास जमा हुए कुछ संदिग्धों की पहचान की और उन्हें तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाईं। गोलियां चलाने के बाद, तीन आतंकवादी येलो लाइन पार कर गए और बलों की ओर इस तरह बढ़े, जिससे उन्हें तत्काल खतरा पैदा हो गया। इसके अलावा उत्तरी गाजा पट्टी में दो अन्य घटनाओं में, इस्राइली बलों ने येलो लाइन पार करने वाले दो आतंकवादियों की पहचान की और इस तरह बढ़े जिससे उन्हें खतरा पैदा हो गया। तीनों घटनाओं में बलों के निर्देश पर इस्राइली वायु सेना ने खतरे को खत्म करने के लिए आतंकवादियों पर हमला किया। आईडीएफ ने यह नहीं बताया कि आतंकवादी मारे गए या घायल हुए। येलो लाइन उन क्षेत्रों को चिह्नित करती है जहांइस्राइली बल गाजा युद्धविराम समझौते के तहत कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। इजराइल इस रेखा के पूर्व, उत्तर और दक्षिण में सभी क्षेत्रों को नियंत्रित करता है और हमास और अन्य आतंकवादियों को इसे पार करने की मनाही है। नेपाल हवाई अड्डे पर दो भारतीयों को नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार को एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय नागरिक रणजीत सिंह (33) को हवाई अड्डे के आगमन क्षेत्र में 4.284 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि सिंह बैंकॉक से थाई एयरवेज की फ्लाइट से नशीले पदार्थ लेकर आया था, तभी हवाई अड्डे की सुरक्षा और सीमा शुल्क कार्यालयों के पुलिस के एक संयुक्त दल ने सुरक्षा जांच के दौरान उसे रोककर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य भारतीय नागरिक पुनीत शर्मा (33) को भी हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया, जब वह प्रतिबंधित सामान लेने के लिए वहां पहुंचा था। दोनों आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो को सौंप दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया के बीच पर हमला करने वाले बाप-बेटे ने सीक्रेट जगह ट्रेनिंग ली थी

डरबन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर 14 दिसंबर को हुए आतंकी हमले के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों के मुताबिक, इस हमले के आरोपी बाप-बेटे ने एक गांव के सीक्रेट इलाके में बंदूक चलाने की ट्रेनिंग ली थी।

दस्तावेज में बताया गया है कि 50 साल के साजिद अकरम और उनके 24 साल के बेटे नवीद अकरम का एक वीडियो मिला है। इस वीडियो में दोनों राइफल और शॉटगन पकड़े हुए नजर आते हैं और ऐसे तरीके से चलते दिखते हैं जैसे किसी खास तरह की ट्रेनिंग ले रहे हों। कोर्ट के मुताबिक, दोनों वीडियो में गोली चलाते और रणनीति के साथ आगे बढ़ते दिखते हैं।

बॉन्डी बीच पर उस समय हमला हुआ था जब वहां यहूदी परिवार हनुक्का का त्योहार मना रहे थे। तभी अचानक गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें 15 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने मौके पर ही साजिद अकरम को मार गिराया था। उनके बेटे नवीद को गिरफ्तार कर लिया गया और अब उस पर आतंकवाद का मामला, 15 लोगों की हत्या और 40 लोगों की हत्या की कोशिश के आरोप लगे हैं। कोर्ट के कागजों में यह भी कहा गया है कि गोली चलाने से ठीक पहले पिता और बेटे ने भीड़ की ओर चार देसी बम फेंके थे, लेकिन किस्मत से वे फटे नहीं। इनमें तीन पाइप बम और एक टेनिस बॉल में रखा बम बताया गया है। जांच में सामने आया है कि ये सभी बम फट सकते थे। इसके अलावा, जिस गाड़ी से वे हमले के लिए आए थे उसकी डिक्की में एक और संदिग्ध बम रखा हुआ था। जांच एजेंसियों को कुछ वीडियो भी मिले हैं, जिन्हें दोनों ने खुद रिकॉर्ड किया था। इन वीडियो में वे धार्मिक कट्टर सोच से जुड़ी बातें करते दिखते हैं। एक वीडियो में वे इस्लामिक स्टेट के झंडे की तस्वीर के सामने खड़े होकर बयान देते हैं और अपने हमले को सही ठहराने की कोशिश करते नजर आते हैं। कोर्ट का कहना है कि इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि पिता और बेटे ने इस आतंकी हमले की कई महीनों तक बहुत सोच-समझकर योजना बनाई थी। उन्होंने पहले ट्रेनिंग ली, हथियार और बम जुटाए और फिर मौका देखकर इस हमले को अंजाम दिया।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल फाइल्स में ट्रम्प की फोटो फिर अपलोड:इसमें मेलानिया ट्रम्प की भी तस्वीर

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में एपस्टीन फाइल्स के जारी होने के बाद हंगामा मचा हुआ है। देश की नामी गिरामी हस्तियों के नाम इसमें सामने आए हैं। बिल क्लिंटन के बाद डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी इसमें नजर आया था। हालांकि, ट्रंप से जुड़ी एक तस्वीर को हटा दिया गया था लेकिन भारी विरोध के बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने एक बार फिर से इन तस्वीरों को बहाल कर दिया है और इसके साथ ही तस्वीर हटाने की वजह भी बताई है। न्यूयॉर्क के सरकारी वकीलों ने पहले इस तस्वीर पर आपत्ति जताई थी, क्योंकि इससे पीड़ितों की पहचान उजागर होने का खतरा हो सकता था। इसलिए एहतियात के तौर पर इस तस्वीर समेत कुल 16 फाइलों को कल वेबसाइट से हटा दिया गया था। जांच के बाद ऐसा कोई खतरा नहीं मिला, इसलिए फोटो को बिना किसी बदलाव के दोबारा जारी कर दिया गया। न्याय विभाग की तरफ से कहा गया कि न्यूयॉर्क के साउदर्न डिस्ट्रिक्ट ने पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा को देखते हुए इस तस्वीर को अस्थाई रूप से हटा दिया गया था। हालांकि, सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद इसे दोबारा अपलोड कर दिया गया। जारी की गई तस्वीर में एपस्टीन के किसी पीड़ित को साथ नहीं दिखाया गया है। एक तस्वीर में ट्रंप के साथ कुछ महिलाएं खड़ी दिखाई दे रही हैं। वहीं दूसरी ओर एक और तस्वीर में ट्रंप अपनी पत्नी मेलेनिया और जेफ्री एपस्टीन और उसकी गर्लफ्रेंड दिखाई दे रही है।

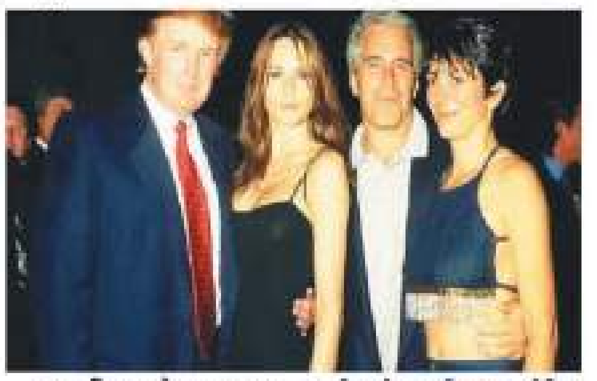

न्याय विभाग ने क्या कहा- इस तस्वीर को जारी करने के साथ न्याय विभाग ने कहा, 'न्यूयॉर्क के साउदर्न डिस्ट्रिक्ट ने पीड़ितों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की एक तस्वीर को संभावित आगे की कार्रवाई के लिए चिह्नित किया था। इसी समीक्षा के बाद विभाग ने उस तस्वीर को हटा दिया था, लेकिन फिर बाद में यह पाया गया कि इसमें एपस्टीन की कोई पीड़िता नहीं है, इसके बाद इसे जारी किया गया।

विपक्ष बोला- सरकार ट्रम्प को बचाने की कोशिश कर रही तस्वीर हटाने के बाद डेमोक्रेट नेताओं ने आरोप लगाए कि सरकार ट्रम्प को बचाने की कोशिश कर रही है। हालांकि डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने साफ कहा कि इसका ट्रम्प से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि पीड़ितों के अधिकारों से जुड़े समूहों ने फोटो हटाने को कहा था, ताकि सही जांच हो सके। जस्टिस डिपार्टमेंट ने कहा है कि वह पूरी पारदर्शिता रखता है और सिर्फ वही जानकारी हटाता है जो कानून के मुताबिक जरूरी हो। डिपार्टमेंट को पीड़ितों, नाबालिगों और संवेदनशील जानकारी की पहचान छिपानी होती है। ब्लांश ने यह भी साफ किया कि किसी बड़े या राजनीतिक व्यक्ति को बचाने के लिए कोई जानकारी नहीं हटाई जाएगी। डीओजे के पास कुछ ऐसे लोगों ने अपील दर्ज की है, जो खुद को पीड़ित बताते हैं और कुछ जानकारी हटाने की मांग करते हैं। ऐसे मामलों में कंटेंट को अस्थायी तौर पर हटाकर जांच की जाती है और जरूरत पड़ने पर सही बदलाव के साथ फिर जारी किया जाता है।

वकील बोलीं- पीड़ितों की पहचान सही तरीके से नहीं छिपाई गई- पीड़ितों की वकील ग्लोरिया ऑलरेड ने कहा कि कुछ दस्तावेजों में पीड़ितों के नाम और तस्वीरें ठीक से नहीं छिपाई गईं, जो गलत है। उन्होंने कहा कि इससे पीड़ितों को फिर से दुख पहुंचा है। एक पीड़िता ने यह भी कहा कि उसका नाम सार्वजनिक कर दिया गया, जबकि उसे अपनी ही फाइल देखने की इजाजत नहीं दी गई थी। उसने इसे अन्याय बताया। इस पूरे मामले को लेकर ट्रम्प प्रशासन की आलोचना हो रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री और पायलट में हुई हाथापाई, पायलट पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट द्वारा एक यात्री पर हमला करने के तीन दिन बाद, दिल्ली पुलिस को दोनों की शिकायतें मिलीं। पुलिस ने यात्री अंकित दीवान की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अंकित दीवान ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर ऑफ-ड्यूटी पायलट ने उन पर हमला किया। अंकित दीवान ने घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीवान ने बताया कि विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने कुछ स्टाफ सदस्यों के सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर लाइन तोड़ने पर चिंता जताई। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पायलट को सस्पेंड कर दिया है। पहले बयान जारी करते हुए एयरलाइन्स ने कहा कि घटना के समय पायलट ऑफ-ड्यूटी था और एक दूसरे यात्री के तौर पर यात्रा कर रहा था। बयान में यह भी कहा गया है कि यह पूरी तरह से दो यात्रियों के बीच का निजी मामला था और इसका उसके प्रोफेशनल रोल या एयरलाइन्स से कोई लेना-देना नहीं था। एयरलाइन ने कहा कि वह अपने स्तर से घटना के सभी पहलुओं की जांच के लिए एक आंतरिक जांच कर रही है। सूत्रों ने पहले बताया था कि घटना के बाद ऑफ-ड्यूटी पायलट बाद में बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट में सवार हो गया था। कैप्टन सेजवाल ने अंकित दीवान पर बहस में जाति-आधारित टिप्पणी करने और उनके परिवार की महिला सदस्यों, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है, को धमकी देने का आरोप लगाया है। सेजवाल के मुताबिक अंकित दीवान ने बिना किसी उकसावे के गाली-गलौज शुरू कर दी। यह टकराव हाथापाई में बदल गया।

चीनी वीजा घोटाला मामले में कार्ति चिदंबरम की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की अदालत ने चीनी वीजा घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। यह मामला 2011 से जुड़ा है जब कार्ति के पिता पी. चिदंबरम गृह मंत्रालय के मंत्री थे। पंजाब के तलवंडी साबो पावर लिमिटेड नाम की कंपनी की ऑर्डर के तहत 2011 में एक पावर प्रोजेक्ट चल रहा था, जिसमें चीनी कर्मचारी काम कर रहे थे। इन लोगों के लिये स्पेशल प्रोजेक्ट वीजा जारी किये गए थे। कार्ति चिदंबरम पर आरोप है कि उन्होंने चीनी नागरिकों को भारत में काम करने के लिए वीजा दिलाने में अवैध तरीके से सहायता करने के एवज में रिश्वत ली और इससे जुड़े नियमों में अनियमितता कराई।

लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर कोहरे के कारण टकराए कई वाहन, दो की मौत, 10 घायल

अमेठी (एजेंसी)। लखनऊ वाराणसी हाईवे पर मंगलवार सुबह के घने कोहरे के चलते हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं करीब 10 घायल हुए हैं। घने कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। यह हादसा लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग अमेठी रोड ओवरब्रिज पर चार ट्रक, एक कार व बस एक दूसरे से घने कोहरे की वजह से आपस में टकरा गई। तीन हाइड्रा, चार जेसीबी रेस्क्यू के लिए लगाई गई हैं। हादसे के बाद मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ, एसडीएम, तहसीलदार पहुंच गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा रात दो बजे के करीब हुआ है। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस हाईवे को जल्द यातायात सुचारु करने की कोशिश कर रही है।

ओडिशा में 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में मंगलवार को 22 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया। इनमें एक संभागीय समिति सदस्य, छह एरिया और 15 पार्टी सदस्य शामिल हैं। हर एक पर 5.5 लाख से लेकर 27.5 लाख तक का इनाम था। ओडिशा डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने बताया कि सभी नक्सलियों ने हथियारों के साथ सरेंडर किया है। मुझे उम्मीद है कि अन्य नक्सली भी सरेंडर करेंगे और मुख्यधारा में शामिल होंगे। गौरतलब है कि 31 मार्च तक देश को नक्सल मुक्त करने का अभियान चल रहा है। इस कारण नक्सल प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है।

50 भारतीय अब भी रूसी सेना में, 26 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में 202 भारतीयों ने रूसी सेना की तरफ से हिस्सा लिया, जिनमें से 119 को केंद्र सरकार के प्रयासों से वापस भारत लाया जा चुका है, वहीं 26 की मौत हो चुकी और सात लापता हैं। लगभग 50 भारतीय अब भी युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हैं। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सांसद साकेत गोखले और रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवालों के जवाब में बताया कि इन नागरिकों की शीघ्र रिहाई के लिए रूस के साथ लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है। इस बीच गुजरात के युवक का वीडियो जारी हुआ, जिसमें बताया गया कि उसे झूठ के मामले में फंसाकर रूसी सेना में शामिल कर लिया है।

गुरुग्राम में एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी...कुल 18 गिरफ्तारियां, जिसमें 16 विदेशी नागरिक

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में नए साल के जश्न से पहले पुलिस पूरी मुस्तैदी में दिख रही है। भोंडसी स्थित एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी ने अवैध गतिविधियों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। छापेमारी का विवरण एलिवेट फार्म बी-2, बहलपा रोड, भोंडसी (गुरुग्राम)। छापेमारी में कुल 18 गिरफ्तारियां, जिनमें 16 विदेशी नागरिक (नाइजीरियाई) शामिल हैं। इनसे तीन यूनिवर्सल ऑनलाइन गेम्स भी बरामद किये गये। पुलिस ने 2 लाख 20 हजार रुपये कैश (जुआ खेलने के लिए इस्तेमाल) बरामद किया। जबकि करीब 5 लाख रुपये की शराब (24 पेटी महंगी शराब और 16 पेटी बियर) पकड़ी। पुलिस ने आरोपियों पर कई गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अवैध रूप से शराब परोसने और पीने के लिए, फार्म हाउस में जुआ खिलाने और खेलने के लिए केस दर्ज हुआ है। पकड़े गए विदेशी नागरिक अपने पासपोर्ट और वीजा के दस्तावेज नहीं दिखा पाए (पुलिस संबंधित एंबेसी (दूतावास) को सूचित कर रही है और इन सभी विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट (देश निकाला) करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मतदाता सूची में नाम तो निश्चिंत ना हों, अब चुनाव आयोग करेगा असली जांच

–संतोषजनक तथ्य नहीं पेश कर पाने पर हटाए जा सकते हैं नाम

कोलकाता (एजेंसी)। सिर्फ इसलिए कि आपका नाम मसौदा मतदाता सूची में आ गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप निश्चिंत हो जाएं। अभी भी हो सकता है कि आपका नाम अंतिम मतदाता सूची से बाहर हो जाए। चुनाव आयोग की असली जांच अब शुरू होगी, जिन भी लोगों ने गणना प्रपत्र भरा है, उनमें से करीब सभी के नाम मसौदा सूची में हैं। इनमें करीब एक करोड़ 66 लाख नामों पर चुनाव आयोग को शक है। इन लोगों के तथ्यों की बारीकी से जांच की जाएगी।

जरूरत पड़ी तो उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। संतोषजनक तथ्य नहीं पेश कर पाने पर उनके नाम हटाए जा सकते हैं। किन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा, यह तय करने के लिए आयोग की अपनी पद्धति है।

मसौदा सूची में शामिल 30 लाख से ज्यादा मतदाताओं को सुनवाई का सामना करना होगा। बाकी एक करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में से कुछ को जरूरत पड़ने पर सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

30 लाख 59 हजार 273 मतदाता 2002 की सूची से अपना कोई लिंक नहीं दिखा पाए हैं यानी उनकी जानकारी 2002 से मैप नहीं हो पाई। इन सभी के नाम मसौदा सूची में हैं, हालांकि यह पक्का नहीं है कि वे वैध मतदाता हैं या नहीं इसलिए इन सभी को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

नो मैपिंग कैटेगरी के मतदाताओं के अलावा आयोग को एक करोड़ 36 लाख और मतदाताओं पर शक है। आयोग को उनके गणना प्रपत्रों में मिली जानकारी संदिग्ध लग रही है इसलिए उन्हें वेरिफाई करने का फैसला किया गया है, हालांकि इन सभी को सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाएगा।

कुछ मामलों में मतदाताओं से उनके पिता या माता सिर्फ 15 साल बड़े हैं। कुछ मामलों में मतदाता अपने दादा या दादी से 40 साल भी छोटे नहीं हैं। कुछ मामलों में मतदाता और उनके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 50 साल से ज्यादा है।

कुछ जगहों पर छह से ज्यादा मतदाताओं के पिता का नाम एक ही है। संबंधित इलाके के बीएलओ उन सभी के घर जाकर इसकी जांच करेंगे। जिनकी जानकारी से संतुष्ट नहीं होंगे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। उन्हें बीएलओ घर-घर जाकर नोटिस देंगे। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि उन्हें सुनवाई के लिए कब और कहां हाजिर होना है। इसी तरह संबंधित मतदाता को जरूरी दस्तावेजों के साथ तय दिन तय जगह पर पहुंचना होगा। मतदाताओं को तीन लिस्ट में बांटा है-अपनी मैपिंग, संतान मैपिंग और नान-मैपिंग। जिनके नाम 2002 की मतदाता सूची में थे, वे अपनी मैपिंग लिस्ट में हैं। ऐसे 2 करोड़ 93 लाख 69 हजार 188 मतदाताओं की पहचान की गई है, जिनके नाम 2002 की सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता या रिश्तेदारों के नाम हैं, वे प्रोजेनिटी मैपिंग लिस्ट में हैं। राज्य में ऐसे मतदाताओं की संख्या 3 करोड़ 84 लाख 55 हजार 939 है। इसके अलावा 30 लाख वोटर्स ऐसे भी हैं, जिनके नाम या उनके रिश्तेदारों के नाम 2002 की सूची में नहीं हैं। वे नान-मैपिंग वोटर्स हैं। वे सभी इस तीसरी सूची में शामिल हैं।

गंगा लिंक एक्सप्रेसवे को मिली रफ्तार, निर्माण के लिए 1246 करोड़ रुपये का प्रावधान

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुपूरक बजट में नोएडा और आस-पास के क्षेत्रों के विकास को बड़ी सौगात दी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए ग्रीनफील्ड गंगा लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, जिसके लिए 1246 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास और बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार गंगा एक्सप्रेसवे को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए 74 किलोमीटर लंबे नए लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण करेगी। यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बुलंदशहर के स्याना से शुरू होकर यमुना सिटी में फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इस 74 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे का करीब 21 किलोमीटर हिस्सा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यमुना अथॉरिटी) क्षेत्र में आएगा। इसमें से लगभग 9 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड एक्सप्रेसवे के रूप में बनाया जाएगा। इसके अलावा यमुना सिटी के सेक्टर क्षेत्र में 24 मीटर चौड़ी सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय आवागमन को सुविधा मिलेगी। यमुना अथॉरिटी अपने क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले महीने से शुरू करेगी। इसके तहत 16 गांवों की करीब 740 एकड़ जमीन खरीदी जाएगी। जमीन अधिग्रहण के बाद एक्सप्रेसवे निर्माण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। अनुपूरक बजट में नोएडा के हेल्थ सेक्टर को भी प्राथमिकता दी गई है। चाइल्ड पीजीआई नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए भी बजट आवंटित किया गया है, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। गंगा लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यमुना सिटी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे न केवल औद्योगिक और निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मनरेगा के मूल उद्देश्य को कमजोर कर रहा केंद्र, किसान मजदूर संघर्ष समिति ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के नेता सतनाम सिंह पन्नू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को कमजोर किया जा रहा है और ग्रामीण एवं श्रमिक वर्ग के परिवारों के लिए आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल उद्देश्य से भटकाया जा रहा है। पन्नू ने कहा कि 2005 में शुरू होने के बाद से एमजीएनआरईजीए एक अधिकार-आधारित कार्यक्रम के रूप में काम करता रहा है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा किए गए हालिया परिवर्तनों ने इसकी संरचना को बदल दिया है। उन्होंने देश भर में जारी किए गए 26 करोड़ जॉब कार्डों के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला दिया, जिनमें से 12 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिला है। पंजाब में 20 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें से 11 लाख श्रमिकों को रोजगार मिला है।

पन्नू ने कहा कि देश भर में इस योजना के तहत लगभग 26 करोड़ जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें से लगभग 12 करोड़ लाभार्थियों को रोजगार मिला है। अकेले पंजाब में ही लगभग 20 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं और लगभग 11 लाख श्रमिकों को एमजीएनआरईजीए के तहत काम मिल रहा है। हालांकि, यह आरोप लगाया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने एमजीएनआरईजीए की संरचना में मौलिक रूप से बदलाव किया है और इसे एक नए रूप में पेश किया है, जिससे इसके मूल उद्देश्यों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने ग्राम सभाओं और पंचायतों की शक्तियां छीन ली हैं, जो पहले गांवों में विकास कार्यों का निर्णय करती थीं।

बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में जुटी महबूबा

–हिजाब से जोड़कर आपत्तिजनक बयान दिया

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न पर चिंता जताने के नाम पर पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने जिस तरह भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने और कानून-व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया है वह आपत्तिजनक है। सबसे पहले सच्चाई यह है कि भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कोई खोखला नारा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ अपराध होता है, तब उसके लिए कानूनी प्रक्रिया मौजूद है, एफआईआर से लेकर न्यायालय तक सबकुछ देश में मौजूद है। छिटपुट घटनाओं को लेकर पूरे देश को 'नैतिक दुविधा' में बताना, दरअसल भारत की संस्थाओं और लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इसके उलट महबूबा का यह कहना कि भारत का नेतृत्व 'नैतिक दुविधा' में है, दरअसल राजनीतिक एजेंडे की बू देता है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के सिंदूर लगाने तक से डरने की खबरें आई हैं, इसके बाद अपेक्षा थी कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर रह चुकीं महबूबा मुफ्ती कड़े शब्दों में बर्बरता की निंदा करेंगी और पीड़ितों के साथ खड़ी होंगी। लेकिन महबूबा ने राजनैतिक रोटियां सेंकते हुए भारत के भीतर हिजाब से जुड़ी बहस से जोड़ दिया। यह तुलना न सिर्फ असंगत है, बल्कि एक तरह से बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को तर्कों की आड़ में जायज ठहराने जैसा प्रतीत होती है। महबूबा को याद रखना चाहिए कि भारत में हिजाब या किसी भी धार्मिक प्रतीक को लेकर बहसें न्यायालयों और संवैधानिक दायरे में होती हैं। यहां कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई होती है, चाहे वे किसी भी धर्म से हों। इसके विपरीत, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक महिलाओं को उनकी पहचान के कारण डर में जीने पर मजबूर किया जा रहा है। दोनों स्थितियों को एक ही तराजू पर तौलना गलत है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "बांग्लादेश से आ रही खबरें बहुत परेशान करने वाली हैं, जिसमें कहा गया है कि हिंदू महिलाएं सिंदूर लगाकर बाहर निकलने से डरती हैं।" महबूबा ने कहा कि अपने देश का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है क्योंकि यहां "अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं का हिजाब जबरदस्ती उतार रहे हैं। उन्होंने कहा, "दुख की बात है कि भारतीय नेतृत्व को बांग्लादेशी अधिकारियों के सामने गंभीर मुद्दे को उठाने में एक नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि देश में ही कुछ अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं के हिजाब जबरदस्ती उतारते देखे जा रहे हैं। कट्टरपंथियों से भरी इस दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और गरिमा के लिए वास्तव में कौन खड़ा होगा?

राज्यसभा में और घटेगी विपक्ष की ताकत, 75 सीटों पर चुनाव, अधिकांश में एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वर्ष में राज्यसभा की 75 सीटें रिक्त हो रही हैं। जिन पर चुनाव के बाद जहां सत्ता पक्ष की ताकत बढ़ेगी, वहीं विपक्ष की ताकत और घट जाएगी। वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए की 129 सीटें हैं, जबकि विपक्षी दलों के 78 सांसद हैं। हाल ही में बिहार सहित अन्य राज्यों में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद हो रहे चुनाव में अधिकांश सीटों पर एनडीए की जीत लगभग तय है। इससे लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी एनडीए ताकतवर बनकर उभरेगी। अगले वर्ष बिहार, उत्तरप्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के साथ कई पूर्वोत्तर के राज्यों की सीटें भी खाली होने वाली हैं। इनमें से कई राज्यों में एनडीए का पलड़ा भारी है।

इनका कार्यकाल खत्म- अगले वर्ष 2026 में जिन दिग्गज नेताओं का कार्यकाल खत्म हो रहा है उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन शामिल हैं।

सरकार मनरेगा का नाम बदलकर नए प्रयोगों से गरीबों का हक कम कर रही: सचिन पायलट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मनरेगा का नाम बदलने का विरोध किया और कहा कि नया विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी ग्रामीण रोजगार योजना को खत्म कर देगा। पायलट ने तर्क दिया कि नई योजना ग्रामीण रोजगार के अधिकार मनरेगा को कमजोर कर सकती है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार मनरेगा जैसे स्थापित ढांचे के बजाय नए प्रयोगों से गरीबों का हक कम कर रही है।

कांग्रेस महासचिव पायलट ने केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण रोजगार कानून 'मनरेगा' का नाम बदले जाने को 'ऐतिहासिक गलती' और 'सबसे वंचित लोगों' की आजीविका के अवसरों पर एक सुनियोजित हमला करार दिया है। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी पर नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं-सोनिया गांधी और राहुल गांधी को झूठा फंसाकर लगातार 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का भी आरोप लगाया।

पायलट ने कहा कि भारत सरकार ने एक

ऐतिहासिक गलती की है। आजादी के बाद इतिहास में पहली बार राष्ट्रपिता के नाम पर शुरू की गई किसी योजना या कार्यक्रम का नाम बदला गया है। भारत में ग्रामीण भारत की वित्तीय सुरक्षा के लिए मनरेगा नामक जो एकमात्र नेटवर्क था उसे सरकार ने पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को राज्य सरकारों, हितधारकों और नागरिक संस्था से बिना किसी चर्चा के रद्द कर दिया गया है और संसद का इस्तेमाल 'बहुमत की ताकत' दिखाने और कानून को जबरदस्ती पारित कराने के लिए किया गया।

बीजेपी पर 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में फंसाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का आरोप लगाते हुए पायलट ने कहा कि कोर्ट ने कहा है कि वह ईडी द्वारा दायर मामले का संज्ञान नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश से यह स्पष्ट हो जाता है कि मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित था...हम निर्दोष साबित हुए हैं।

इसके अलावा कांग्रेस की कर्नाटक यूनिट में पावर स्ट्रगल की अटकलों को कम करते हुए पायलट ने कहा कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डी के शिवकुमार पूरी तालमेल से काम कर रहे हैं और पार्टी हाई कमान द्वारा लिया गया कोई भी फैसला सभी को मंजूर होगा। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए जब डिप्टी सीएम शिवकुमार उनके बगल में बैठे थे, तो पायलट ने अंदरूनी कलह की बातों को खारिज कर दिया। पायलट ने कहा कि जब राज्य कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया को अपना बड़ा भाई कहा है और सीएम कहते हैं कि वह शिवकुमार में छोटे भाई हैं, तो बात वहीं खत्म हो जाती है।

ममता का आरोप बोली- भाजपा बंगाल के डेढ़ करोड़ मतदाताओं को वोट से वंचित करना चाहती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा डेढ़ करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश कर रही है, जो लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने जैसा है। उन्होंने दावा किया कि बर्धमान में बाहर के राज्यों, खासकर बिहार से मोटरसाइकिलें लाई जा रही हैं और चुनाव के लिए बाहरी लोगों को लाने की कोशिश हो रही है। ममता ने कहा कि एसआईआर को लेकर सभी बीएलए को स्थानीय विधायक, पार्षद और ब्लॉक अध्यक्षों से सलाह करनी चाहिए।

बनर्जी ने कोलकाता में आयोजित पार्टी बैठक में कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था की तरह काम नहीं कर रहा, बल्कि भाजपा के निर्देशों पर चल रहा है। चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची तैयार करने में भारी स्तर पर गलतियां हुई हैं। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जो पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता निष्क्रिय रहेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बूथ स्तर के एजेंटों को सतर्क रहने और मतदाताओं की रक्षा करने का निर्देश दिया। ममता ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया जानबूझकर की जा रही है ताकि खास समुदायों के वोट छीने जा सकें।

ममता बनर्जी ने एसआईआर को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। ममता ने केंद्र से भेजे गए माइक्रो ऑब्जर्वरों की नियुक्ति पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को स्थानीय भाषा और हालात की समझ नहीं है, जिससे आम मतदाताओं को परेशानी हो रही है। मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह बिना बंगाल सरकार को जानकारी दिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर रही है और भाजपा के हित साध रही है। उन्होंने कहा कि केवल टीएमसी के कार्यकर्ता ही राज्य में भाजपा की पैठ रोक सकते हैं।

2025 में पीएम मोदी ने की 23 देशों की 11 विदेश यात्राएं, कोविड के बाद सर्वाधिक दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अपनी चार दिवसीय महत्वपूर्ण विदेश यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौटे हैं। इस यात्रा का सबसे प्रमुख पहलू ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करना रहा। यह दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दृष्टि से अहम था, बल्कि इसने चालू वर्ष 2025 को प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के लिहाज से एक ऐतिहासिक साल बना दिया है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष प्रधानमंत्री ने कुल 11 विदेश यात्राएं कीं, जिनके माध्यम से उन्होंने 23 देशों का दौरा किया और लगभग 42 दिन विदेशी धरती पर व्यतीत किए।

वर्ष 2015 के बाद यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री की वैश्विक सक्रियता इस स्तर पर देखी गई है। अगर पिछले रिकॉर्ड्स पर नजर डालें, तो 2015 में उन्होंने 13 यात्राओं के दौरान 28 देशों का दौरा किया था और 54 दिन विदेश में बिताए थे। उस वर्ष के बाद, 2025 उनके कार्यकाल का सबसे सक्रिय और व्यापक विदेश दौरे वाला वर्ष साबित हुआ है। इस साल की विदेश नीति में एक स्पष्ट रणनीतिक बदलाव भी देखने को मिला है। मई माह के बाद, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत, इन दौरों की आवृत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इन यात्राओं के पीछे ठोस आर्थिक और रणनीतिक कारण निहित रहे हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जब चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, भारत के लिए इनके वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करना अनिवार्य हो गया था। प्रधानमंत्री के दौरों का एक बड़ा लक्ष्य इन संसाधनों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा। इसके साथ ही, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद, भारत को अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की तत्काल आवश्यकता थी। ओमान और अन्य अफ्रीकी व मध्य-पूर्वी देशों के साथ हुए समझौते इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं, ताकि भारतीय उत्पादों के लिए नए और सुरक्षित बाजार तैयार किए जा सकें।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं में आई इस तेजी का एक अन्य कारण घरेलू राजनीतिक कैलेंडर भी रहा। वर्ष 2024 की तुलना में, जब लोकसभा चुनावों के साथ-साथ कई बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव थे, वर्ष 2025 में चुनावी व्यस्तताएं अपेक्षाकृत कम रहीं। केवल दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों में चुनाव होने के कारण प्रधानमंत्री को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए अधिक समय मिल सका। तुलनात्मक रूप से देखें तो उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्राएं लगभग थम सी गई थीं। वर्ष 2020 में जहां कोई यात्रा नहीं हुई, वहीं 2021 और 2022 में भी वैश्विक प्रोटोकॉल के चलते सक्रियता सीमित रही। अब, सामान्य होते हालातों और बदलती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के बीच, ये हालिया दौरे भारत को एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की कोशिश के रूप में देखे जा रहे हैं।